जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 174 प्रभात जालोर, मंगलवार 30 सितम्बर, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

चीन खुले दिल और मुक्त हाथों से डॉक्टर, इंज़ीनियर व साइंटिस्टों का स्वागत कर रहा है

इससे भारत को दोहरा खतरा है, पहले तो जल्दी ही चीन अमेरिका को पछाड़कर विश्व की नम्बर वन ताकत बन सकता है, दूसरे एशिया के सामरिक संतुलन में चीन अब भारत से बेहिसाब भारी पड़ जायेगा

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 सितंबर। डॉनल्ड ट्रम्प द्वारा एच-1 बी वीज़ा के लिए लगाई गई बहुत ऊंची फीस भारत के लिए गंभीर सिरदर्द है। इसका असर केवल भारत के आईटी सेक्टर और अमेरिका को होने वाले सेवा निर्यात पर ही नहीं पड़ेगा, बल्कि यह भारत के लिए समग्र सुरक्षा परिवेश और रणनीतिक-कूटनीतिक परिदृश्य के लिए भी बड़ी चिंता है।

- इस दौड़ में चीन को दो बातों से मदद मिल रही है, पहली शीर्ष नेतृत्व (राष्ट्रपति शी जिनपिंग) स्वयं आगे बढ़कर स्वागत कर रहे हैं। दूसरी चीन के पास अथाह धन है, इसे फलीभूत करने के लिए। टॉप साइंटिस्ट को लुभाने के लिए चीन 5-5 लाख डॉलर का वार्षिक पैकेज ऑफर कर रहा है।
- चीन के इस प्रयास को सफलता इसलिए भी मिल रही है, क्योंकि वहाँ अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कई संस्थान (इन्स्टीट्यूट) पहले से ही विद्यमान हैं, इन साइंटिस्टों को एब्ज़ॉर्ब करने के लिए।
- इसकी तुलना में भारत में कुछ संस्थाएँ हैं और धन भी है, किन्तु विदेश में स्थित इस टेलैंट को लुभाने के लिए संख्या में बहुत कम हैं।
- इस प्रकरण में एक और समस्या है कि इन भारतीय संस्थाओं में पहले से आधिपत्य जमाये लोग नये आने वालों के पैर आसानी से जमने नहीं देना चाहते।

अन्य बातों के अलावा, अगर चीन अमेरिका से निकल रही बेहतरीन और शीर्ष प्रतिभाओं का अच्छा हिस्सा अपने देश में लाने में कामयाब हो जाता है, तो वह कम समय में अमेरिका पर अपनी तकनीकी रक्षा बढ़त को अधिक प्रभावी ढंग से हासिल कर पाएगा। यह केवल अमेरिका के लिए ही नहीं, बल्कि भारत के लिए भी तात्कालिक चुनौती बन सकती है।

ट्रम्प द्वारा प्रवासी वैज्ञानिकों और तकनीकी कर्मियों पर की जा रही सख्ती का जिक्र करते हुए सीएनएन ने एक प्रमुख चीनी वैज्ञानिक को उद्धृत किया, जो अब अपने देश लौट चुके हैं। उन्होंने कहा, चीनी विश्वविद्यालय, एक "कथित" विरोधी से मिले इस अवसर का सक्रिय रूप से लाभ उठाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। विदेशों में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री मोदी ने लिखी मैलोनी की आत्मकथा की प्रस्तावना

नयी दिल्ली, 29 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि "आई एम जॉर्जिया माई रूट्स माई प्रिंसिपल्स" इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की केवल आत्मकथा नहीं है, यह उनके "मन की बात" है।

प्रधानमंत्री ने मेलोनी की आत्मकथा "आई एम जॉर्जिया माई रूट्स माई प्रिंसिपल्स" की प्रस्तावना लिखते हुए कहा है, "भारत और इटली

- प्र.मंत्री मोदी ने लिखा, यह इटली की प्र.मंत्री मैलोनी की आत्मकथा मात्र नहीं, बल्कि उनके "मन की बात है।"

संधियों या व्यापार से कहीं ज़्यादा विरासत की रक्षा, समुदाय की मज़बूती और नारीत्व को एक मार्गदर्शक शक्ति के रूप में मानने जैसे साझे मूल्यों से बंधे हैं।" उन्होंने कहा कि दोनों देशों में परंपराओं के प्रति सम्मान और आधुनिकता को अपनाने की एक जैसी भावनाएं मौजूद हैं। मोदी ने इन साझे मूल्यों को अपनी और मेलोनी की व्यक्तिगत मित्रता का आधार बताया है।

उल्लेखनीय है कि इस आत्मकथा की भूमिका में मोदी के अलावा, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक बार फिर भूपेन्द्र सिंह हुड्डा कांग्रेस विधायक दल के नेता बनाए गए

कांग्रेस प्रभारी व महासचिव हरि प्रसाद ने हुड्डा खेमे के पुराने वफादार राव नरेन्द्र सिंह को प्रदेशाध्यक्ष घोषित किया

- रेणु मित्तल -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 29 सितम्बर। भूपेन्द्र सिंह हूडा हरियाणा में कांग्रेस के निर्विवाद नेता बने हुए हैं, भले ही पार्टी के भीतर उनके विरोधियों ने पिछले विधानसभा चुनाव की हार के लिए उन्हें पूरी तरह जिम्मेदार ठहराते हुए उनके खिलाफ जोरदार मुहिम छेड़ रखी हो।

भूपेन्द्र सिंह हूडा को एक बार फिर हरियाणा में कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) का नेता नियुक्त किया गया है, जबकि उनके समर्थक राव नरेन्द्र सिंह को नया प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष (पीसीसी) बनाया गया है।

असल में पार्टी की जिम्मेदारी एक बार फिर हूडा को सौंप दी गयी है, क्योंकि हरियाणा में पूरा विधायक दल उन्हीं के साथ खड़ा है।

काफी समय बाद, कांग्रेस ने प्रदेश अध्यक्ष के रूप में किसी दलित को नहीं, बल्कि पिछड़े वर्ग के नेता चुना है। इसके साथ ही भूपेन्द्र सिंह हूडा राज्य में जाट नेताओं में सबसे कद्दावर नेता माने जाते हैं।

- हुड्डा के विरोधी खेमे अब तक यह प्रचार करते रहे हैं कि गत चुनावों में हार का कारण हुड्डा का त्रुटिपूर्ण टिकट वितरण रहा है।
- हुड्डा को विधायक दल का नेता बनाने के पीछे यह कारण है कि अधिकांश विधायक हुड्डा समर्थक हैं।
- काफी समय से कांग्रेस प्रयास करती रही है कि हरियाणा में दलित नेता हो, पर, वो अब भी यह नहीं कर पाई है।
- बहुत समय से रणदीप सिंह सुरजेवाला पद प्राप्त करने का प्रयास कर रहे थे, किन्तु वो हुड्डा खेमे के नहीं हैं, इसलिए उन्हें पद नहीं मिला। एक बार फिर सुरजेवाला, हरियाणा की राजनीति केन्द्रीय स्तर पर करने को मजबूर हैं।

पार्टी संगठन का पुनर्गठन पिछली विधानसभा चुनावों से ही लंबित था और अब आखिरकार एआईसीसी के हरियाणा प्रभारी बी. के. हरिप्रसाद ने सारी अटकलों को खत्म करते हुए, अहम पदों की मंजूरी दे दी है।

रणदीप सिंह सुरजेवाला हरियाणा में कोई पद पाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन चूंकि वे हूडा के विरोधी हैं, इसलिए उन्हें हरियाणा में कोई जगह नहीं मिल सकी।

सुरजेवाला को हरियाणा से बाहर ही अपनी राजनीति करने पर संतोष करना होगा।

अडानी को प्रॉपर्टीज़ बेचने के लिए सुप्रीम कोर्ट से अनुमति मांगी, सहारा ग्रुप ने

सहारा समूह का कहना है कि देनदारियां निपटाने व अवमानना कार्यवाही को खत्म करने के लिए संपत्ति बेचने की मंजूरी जरूरी है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 सितंबर। सहारा इंडिया कमर्शियल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एसआईसीसीएल) ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है, ताकि उसे महाराष्ट्र के ऐम्बी वैली और लखनऊ के सहारा शहर सहित, विभिन्न संपत्तियाँ अदाणी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड को बेचने की अनुमति मिल सके।

- सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर 14 अक्टूबर को सुनवाई करेगा।
- सहारा समूह ने कहा कि सहकारी समितियों के जमाकर्ताओं का बकाया चुकाने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 24,030 करोड़ रूपए सेबी के रिफंड खाते में जमा करने का आदेश दिया था, इसमें से 1600 करोड़ रूपए जमा कराए जा चुके हैं, बाकी कराने हैं।

यह याचिका हाल ही में सुनवाई के लिए उल्लेखित की गई थी और संभवत: 14 अक्टूबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध हो सकती है।

वकील गौतम अवस्थी के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है, "सहारा समूह अपनी विभिन्न संपत्तियों को अदाणी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड को उस मूल्य और शर्तों पर पूर्ण रूप से बेचने के लिए तैयार है, जैसा कि 6 सितंबर 2025 को हस्ताक्षिरत टर्म शीट में उल्लेखित है।"

अंतरिम आवेदन में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न आदेशों और अनुमति प्राप्त करने के बाद, (एसआईसीसीएल) और सहारा समूह ने बड़ी कठिनाई से कुछ चल और अचल संपत्तियों को नकदी में बदला, जिसकी आय सेबी-सहारा रिफंड अकाउंट में जमा की गई।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चीन में विश्व का सबसे ऊंचा पुल बनकर तैयार

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 29 सितम्ब। बीपन नदी के ऊपर 625 मीटर की ऊँचाई पर बना चीनी पुल जो अब दुनिया का सबसे ऊँचा पुल है, बन कर तैयार है, जो घाटी के पार यात्रा के समय को दो घंटे से घटाकर सिर्फ दो मिनट कर देता है।

चीन ने आधिकारिक रूप से

- 625 मीटर ऊंचे पुल से यात्रा का समय 2 घंटे से घट कर 2 मिनट रह गया है।

"हुआजियांग ग्रैंड कैन्यन ब्रिज" को जनता के लिए खोल दिया है। गुइझोउ प्रांत में स्थित यह अद्भुत वास्तुशिल्प संरचना, 625 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है और चीन के सबसे कठिन भू-भागों में कनेक्टिविटी की परिभाषा ही बदल देती है।

28 सितंबर को, लाइव ड्रोन फुटेज में देखा गया कि कैसे वाहन इस विशाल पुल को पार कर रहे थे, जिसके नीले सपोर्ट टावर्स नीली सहायक बादलों में आंशिक रूप से छिपे हुए थे।

क्रिकेट मैच के बाद भारत-पाक नेताओं में छिड़ी ज़ुबानी जंग

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म "एक्स" पर दोनों देशों के नेता एक दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं

- श्रीनन्द झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 29 सितंबर। यह एक दुर्लभ घटना है कि क्रिकेट के खेल के बाद, दो पड़ोसी देशों के राजनीतिक नेताओं के बीच ज़ुबानी जंग छिड़ जाए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर एक पोस्ट में एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान पर भारत की जीत को 'बैटल सिंदूर' से जोड़ते हुए लिखा कि नतीजा वही रहा, भारत की जीत। इसके बाद, पाकिस्तान के गृहमंत्री और एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष मोहसिन नक़्वी ने मोदी की इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, अगर युद्ध आपके गर्व का मानदंड था, तो इतिहास हमेशा पाकिस्तान के हाथों आपकी अपमानजनक हार दर्ज करता है। कोई क्रिकेट मैच इस सच्चाई को बदल नहीं सकता। खेल में युद्ध को घसीटना सिर्फ हताशा दिखाता है और खेल की मूल भावना का अपमान करता है।

- प्रधानमंत्री मोदी ने एशिया कप फाइनल में भारत की जीत को ऑपरेशन सिंदूर से जोड़ा और लिखा, "नतीजा वही रहा, भारत की जीत।"
- इस पर पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी, जो एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष भी हैं, ने जवाब में लिखा, अगर युद्ध आपके गर्व का मानदंड था तो इतिहास पाकिस्तान के हाथों हुई आपकी अपमानजनक हार को दर्ज करता है।
- सोशल मीडिया भी भारत-पाक क्रिकेट मैच के दौरान दोनों टीमों के व्यवहार पर टीका टिप्पणियों से अटा पड़ा है।

सोशल मीडिया पर भारतीय और पाकिस्तानी टीमों के व्यवहार को लेकर ढेरों टिप्पणियां हो रही हैं। मैदान पर खिलाड़ी हैरिस रऊफ का इशारा, जिससे उसने यह जताने की कोशिश की कि पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के छह विमान मार गिराए थे। इसी प्रकार, भारतीय खिलाड़ियों का रवैया, जिन्होंने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाने, उनके साथ फोटो खिंचवाने और यहां तक कि मोहसिन नक़्वी से ट्रॉफी लेने तक से इनकार कर दिया। नक़्वी मेडल और ट्रॉफी लेकर अपने होटल के कमरे में चले गए। कल वह अनोखा क्षण था, जब भारतीय टीम को बिना ट्रॉफी के ही जीत का जश्न मनाते देखा गया। सवाल यह उठता है कि अगर रिश्ते इतने कड़वे और तनावपूर्ण हैं, तो भारत ने पाकिस्तान के साथ खेलने का निर्णय किया ही क्यों था? इतिहासकार और खेल लेखक रामचंद्र गुहा के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी ने खेल में राजनीति घुसाकर अपने पद की गरिमा कम कर दी और पाकिस्तानी नेताओं की संस्कृति के स्तर तक उतर गए। गुहा ने कहा कि भारत ने खेलने का फैसला इसलिए किया, क्योंकि बीसीसीआई वित्तीय लाभ कमाना चाहता था।

गुहा की दलीलें पूरी तरह गलत भी नहीं हैं। खेल और राजनीति परंपरागत रूप से अलग-अलग क्षेत्र रहे हैं और खेल भावना और आपसी सौहार्द की पवित्रता हमेशा बनाए रखी गई है। कुछ उदाहरण: सन् 1974 में भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ क्रिकेट नहीं खेला था और यहां तक कि रंगभेद के खिलाफ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल गांधी कोलंबिया पहुंचे

नयी दिल्ली, 29 सितंबर। दक्षिण अमेरिका के चार देशों की यात्रा पर गये लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सोमवार को कोलंबिया की राजधानी बोगोटा पहुंचे।

कांग्रेस पार्टी ने एक्स पर एक पोस्ट में हवाई अड्डे पर गांधी के स्वागत का एक वीडियो साझा करते हुए यह जानकारी दी।

- दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया की राजधानी बोगोटा में राहुल छात्रों व व्यापारिक समुदाय से मिलेंगे।

पार्टी ने आगे कहा "गांधी कोलंबिया के बोगोटा पहुंचे। वे दक्षिण अमेरिका के दौरे पर हैं, जहां उनका चार देशों के राजनीतिक नेताओं, विश्वविद्यालय के छात्रों और व्यापारिक समुदाय के सदस्यों से मिलने का कार्यक्रम है।

पाक अधिकृत कश्मीर में न्याय की मांग अब पूर्ण बगावत का रूप ले चुकी है

हज़ारों की संख्या में उत्तेजित जनता सड़कों पर उतर आई है, कर्फ्यू व दबाने की कोशिशों के बावजूद

- सुकुमार साह -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली 29 सितम्बर। पाक ऑक्युपाइड कश्मीर (पीओके) में तूफान उठ रहा है। वर्षों बाद पहली बार, हजारों नाराज़ नागरिक सड़कों पर उतर आए हैं वो भी कर्फ्यू और दमन को नज़रअंदाज़ करते हुए। अवामी एक्शन कमेटी (एएसी) द्वारा शुरू की गई न्याय की अपील अब एक पूर्ण जनविद्रोह बन चुकी है - इस्लामाबाद द्वारा दशकों से की गई उपेक्षा और शोषण के खिलाफ एक निर्णायक आंदोलन शुरू हो गया है। पाकिस्तानी सरकार ने क्षेत्र में भारी संख्या में सुरक्षा बलों की तैनाती कर दी है और आधी रात से इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी हैं। पीओके एक गहरे राजनीतिक संकट के कगार पर खड़ा है।

भारत, जो जम्मू-कश्मीर सहित पूरे क्षेत्र को अपना अभिन्न अंग मानता है, के लिए ये विरोध एक रणनीतिक मोड़ है। यह असंतोष पाकिस्तान के उस पुराने दावे को झुठलाता है कि पीओके एक "संतुष्ट" इलाका है, यह आंदोलन इस्लामाबाद के नियंत्रण की आंतरिक कमजोरियों को भी उजागर करता है। नई दिल्ली इसे अपने रूख की पुष्टि के रूप में देखती है कि पाकिस्तान को इस क्षेत्र पर दावा करने का नैतिक अधिकार नहीं है। कि जब उसके खुद के कब्जे वाले इलाके ही असंतोष से उबल रहे हों, तो उसे कश्मीर मुद्दे पर बोलने का कोई हक नहीं है। साथ ही, पीओके में अस्थिरता नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा जोखिम भी बढ़ा सकती है। पाक सरकार की सख्त कार्रवाई शरणार्थी संकट, सीमा पर तनाव या आंतरिक विद्रोह को बाहरी मोर्चे पर मोड़ने के लिए आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा दे सकती है।

- पाक का यह प्रचार, कि पीओके एक खुशनुमा और संतुष्ट प्रदेश है, अब खोखला साबित हो गया है।
- इस समस्या से पाकिस्तान सरकार पुराने जाने-पहचाने तरीकों से निपटना चाहती है, दमन एवं अर्द्ध सैनिक बलों व सेना के इस्तेमाल से, यहाँ तक कि इंटरनैट व सोशल मीडिया पर पूर्ण नियंत्रण करके एरिया को अलग-थलग कर आवाज़ों को अपनी मौत मार देना चाहती है।
- यह बगावत सिर्फ युवाओं तक सीमित नहीं है, आम जनता सिविल सोसायटी और वकील आदि भी इसका मुखर समर्थन कर रहे हैं। मुज़फ्फराबाद के एक नामी वकील ने कहा है कि आंदोलन मतभेद ज़ाहिर करने का यह प्रजातंत्रीय तरीका है और इसे सुना जाना चाहिए।

इस विद्रोह के केन्द्र में है पाकिस्तान द्वारा क्षेत्र के लोगों को बुनियादी अधिकारों से वंचित रखना। यह ऐसी भावना है, जो न केवल इस्लामाबाद की आंतरिक स्थिरता पर बल्कि क्षेत्र में शक्ति संतुलन और भारत की सुरक्षा रणनीति पर भी दूरगामी प्रभाव डाल सकती है।

यह आंदोलन तब शुरू हुआ जब नीलम घाटी सार्वजनिक एक्शन कमेटी के नेता शौकत नवाज़ मीर ने पाक अधिकृत कश्मीर में अनिश्चितकालीन "शटर डाउन और चक्का जाम" हड़ताल की घोषणा की। उनका संदेश स्पष्ट था - वर्षों की उपेक्षा, भ्रष्टाचार और शोषण ने जनता को उबाल पर ला दिया है।

मुज़फ्फराबाद से मीरपुर तक, लोग अपने मूलभूत मानव अधिकारों की मांग कर रहे हैं - साफ पानी, बिजली, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा और स्थानीय प्राकृतिक संसाधनों पर स्वामित्व। जनता का गुस्सा पाकिस्तान की राजनीतिक व्यवस्था पर भी है, जिसने कथित रूप से विकास के लिए मिले फंड हड़प लिए और असहमति को दमन के ज़रिए दबा दिया।

पाक अधिकृत कश्मीर की सरकार का आंदोलन को बलपूर्वक कुचलने का बयान आग में घी डालने जैसा रहा है। वकीलों और नागरिक समाज के संगठनों ने भी आंदोलन को समर्थन दिया है और इसे एक वैध लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति बताया है। मुज़फ्फराबाद के एक वरिष्ठ वकील ने कहा, जनता की मांगों को कुचला नहीं जाना चाहिए, बल्कि सुना जाना चाहिए। संवाद की बजाय इस्लामाबाद ने वही पुराना रास्ता चुना है - अर्धसैनिक रेंजरों की तैनाती, इंटरनेट बंद करना, और बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियाँ करना।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

घाटी में अस्थाई रूप से बंद पर्यटन स्थल फिर से खुले

जम्मू, 29 सितंबर। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने सोमवार को कश्मीर घाटी के उन सात प्रमुख पर्यटन स्थलों को दोबारा खोल दिया है, जिन्हें 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद एहतियातन बंद कर दिया गया था।

यह निर्णय शुक्रवार को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की

- इसमें कश्मीर संभाग के सात व जम्मू के 5 क्षेत्र शामिल हैं। इन्हें पहलगाम के अटैक के बाद बंद कर दिया गया था।

अध्यक्षता में हुई यूनिफाइड हेडक्वार्टर की बैठक के बाद लिया गया। आज यूएचक्यू की बैठक में सुरक्षा की विस्तृत समीक्षा और चर्चा के बाद, जम्मू और कश्मीर डिवीजनों में अस्थायी रूप से बंद किए गए कई पर्यटन स्थलों को फिर से खोलने का आदेश दिया गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

सुन्दर चेहरा सबसे अच्छा प्रशंसापात्र है। –रानी एलिज़ाबेथ

सोनम वांगचुक होने के मायने

26 सितंबर 2025 को लद्दाख में सोनम वांगचुक को देशद्रोह के आरोप में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के अंतर्गत गिरफ्तार कर लिया गया। इसके एक दिन पूर्व लेह में लद्दाख के युवाओं द्वारा भाजपा के राज्य कार्यालय पर पथराव किया गया एवं आगजनी की गई। उपद्रवी भीड़ पर पुलिस द्वारा गोली चलाई गई, जिसमें चार युवाओं की मृत्यु हो गई और 50 अन्य घायल हो गए।

यह उल्लेखनीय है कि सोनम वांगचुक तब से यह आंदोलन चला रहे थे जब से लद्दाख को जम्मू कश्मीर से अलग एक संघ शासित प्रदेश घोषित किया गया था। उनकी मांग थी कि लद्दाख की सांस्कृतिक विशेषताओं और भौगोलिक स्थिति को देखते हुए उसे पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाए एवं साथ ही इसे भारतीय संविधान की अनुसूची 6 में शामिल किया जाए। इस अनुसूची में सम्मिलित होने का तात्पर्य है कि भूमि के प्रबंधन और निष्पादन का अधिकार स्थानीय स्तर की स्वायत्त शासी संस्था को मिल जाता है और वहां की सांस्कृतिक विरासत और विशिष्ट पहचान को बनाए रखने के विशेष प्रयास सरकार द्वारा किए जाते हैं। वर्तमान में असम, त्रिपुरा, मिजोरम और मेघालय छठी अनुसूची में सम्मिलित हैं।

लद्दाख एक सीमावर्ती क्षेत्र है और चीन एवं पाकिस्तान से इसकी सीमा लगती है। यहां के नागरिक देश के सर्वाधिक शांतिप्रिय नागरिकों में गिने जाते हैं। जो भी पर्यटक इस क्षेत्र में जाते हैं वे वहां की सादगी और आवभगत से अभिभूत होकर लौटते हैं। मुझे भी 2018 में लद्दाख जाने का अवसर मिला था और मैंने इस धारणा को पूरी तरह सही पाया।

ऐसे शांतिप्रिय क्षेत्र में पुलिस की गोली द्वारा लोगों का मारे जाना एक अप्रत्याशित घटना थी। इस घटना के लिए सोनम वांगचुक को दोषी मानते हुए उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और जोधपुर के सेंट्रल जेल में बंद कर दिया गया। लद्दाख में कर्फ्यू लगा दिया गया और इंटरनेट सेवाएं भी बंद कर दी गई हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने लोगों को हिंसा के लिए उकसाया।

जितने भी वीडियो सोशल मीडिया पर उपलब्ध हैं, उनमें सोनम वांगचुक स्वयं, लगातार यह अपील करते दिखाई दे रहे हैं कि उनका आंदोलन अहिंसक है और वह किसी भी प्रकार की हिंसा का समर्थन नहीं करते हैं। उन्होंने इस हिंसा की निंदा की और अपना आमरण अनशन भी समाप्त कर दिया।

गत 5 वर्ष में उनके द्वारा अनेक बार अपनी मांगों के समर्थन में शांतिपूर्वक अनशन किए गए। उन्होंने 125 लोगों के साथ दिल्ली तक की पदयात्रा की (यह अलग बात है कि उन्हें दिल्ली में प्रवेश नहीं करने दिया गया), किंतु कभी भी उन्होंने हिंसा का सहारा नहीं लिया। यह एक विडंबना ही है कि केंद्र सरकार ने उनसे इस बारे में कोई बात नहीं की एवं उनकी मांगों का कोई सकारात्मक समाधान निकालने का प्रयास नहीं किया।

इससे पहले कि पाठक सोनम वांगचुक के बारे में कोई राय बनाएं, उनके लिए कुछ तथ्य प्रस्तुत करने उपयुक्त होंगे।

सोनम वांगचुक का जन्म लद्दाख के अलेची गांव में 1966 में हुआ एवं उन्होंने श्रीनगर के राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान से 1988 में मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिग्री प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने आर्किटेक्चर में फ्रांस से विशेष डिप्लोमा भी किया। उन्होंने पहले सेकमोल (स्टूडेंट्स एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख) और बाद में "इंस्टिट्यूट ऑफ़ हिमालयन अल्टरनेटिव्स" के नाम से संस्था स्थापित की। उनका उद्देश्य लद्दाख क्षेत्र की भौगोलिक और सांस्कृतिक विरासत के अनुसार शिक्षा के लिए काम करना था, ताकि पढ़ाई के साथ-साथ अपने पर्यावरण की रक्षा भी विद्यार्थी कर सकें।

पाठकों को याद होगा कि 3 ईडियट्स फिल्म जो कि अत्यधिक सफल फिल्म मानी जाती है, सोनम वांगचुक की शिक्षा सम्बंधित सोच पर ही आधारित थी। फिल्म के अंत में उन्हें शायद दिखाया भी गया। वे पर्यावरण के संरक्षण और अपनी सांस्कृतिक पहचान को बचाए रखने के आंदोलन में लगातार लगे रहे। वे 1996 से लगातार लद्दाख को अलग राज्य बनाने की मांग कर रहे थे। लद्दाख में अधिकांश व्यक्ति बौद्ध धर्म को मानते हैं। वांगचुक ने लेह में एक ऐसा स्कूल बनाया जिसका निर्माण स्थानीय जलवायु को ध्यान में रखकर स्थानीय सामग्री से किया।

उन्हें उनके नवाचारों के लिए दुनिया के विभिन्न देशों से न केवल सम्मान मिला अपितु उन्हें अपनाया भी गया। उनकी एक शैक्षिक संस्था है जिसके माध्यम से वह निरंतर इस क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं।

यह उल्लेख करना उचित होगा कि कुछ वर्षों पूर्व सोनम वांगचुक ने एक विशेष प्रकार के मोबाइल टेंट का निर्माण किया जो शून्य से 15-20 डिग्री नीचे तक के तापमान में भी अन्दर से गरम रहता है। यह नवाचार उन्होंने विशेष रूप से लद्दाख में तैनात भारतीय सैनिकों के उपयोग के लिए किया था।

अगस्त 2019 में जब लद्दाख को अलग संघ शासित क्षेत्र घोषित कर दिया गया, तो सोनम वांगचुक ने भारत सरकार की सराहना की थी एवं इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद भी दिया था। उसके बाद उन्होंने लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और इसे संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने का आंदोलन प्रारंभ किया। लंबे संघर्ष के बाद भी जब वहां के लोगों को इस बारे में कोई विशेष सफलता मिलती हुई नहीं दिखाई दी तो उनका उद्वेलित होना स्वाभाविक था। इसके बावजूद भी वांगचुक ने लगातार अपने आंदोलन को अहिंसक ही बनाए रखा।

सोनम वांगचुक नवाचारों के प्रति एवं अपने देश के प्रति कितने समर्पित है और कितने शांतिपूर्ण तरीके से अपने कार्य को कर रहे थे उसका मूल्यांकन उन्हें मिले कई प्रकार के सम्मानों से किया जा सकता है। उन्हें कई प्रकार के सम्मान प्राप्त हुए, जिनमें प्रमुख निम्न प्रकार हैं:-

1. रेमन मैग्सेसे अवार्ड, 2018

उनकी गिरफ्तारी का क्या प्रभाव उस क्षेत्र के युवाओं पर होगा, यह तो आने वाला समय बताएगा। संभव है, इसके बाद लद्दाख क्षेत्र को राज्य घोषित करने और उसे संविधान की छठी अनुसूची में सम्मिलित करने की मांग धीरे-धीरे समाप्त हो जाए। किंतु ऐसा करके, क्या सरकार उस क्षेत्र के निवासियों का और स्वयं देश का भला करेगी? इसका उत्तर तो लोगों को स्वयं खोजना है।

शिक्षा एवं समुदाय के साथ उत्कृष्ट कार्य करने के लिए

2. संतोक बा मानवतावादी पुरस्कार 2023

यह पुरस्कार उन्हें शिक्षा और स्थाई शैक्षणिक सुधारों के लिए दिया गया

3. रोलेक्स इंटरनेशनल अवार्ड फॉर एंटरप्राइज, 2016

यह पुरस्कार उन्हें उनके प्रोजेक्ट- 'बर्फ का स्तूप' के लिए दिया गया जो लद्दाख में पानी की कमी दूर करने के लिए बनाए गए।

4. अंतरराष्ट्रीय टेरा पुरस्कार, 2016

यह पुरस्कार उन्हें SECMOL में मिट्टी की वास्तुकला के लिए दिया गया

5. उपेन्द्र नाथ ब्रह्मा सोल्जर ऑफ ह्यूमैनिटी अवार्ड 2023
मानवता के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए

6. ग्लोबल अवार्ड फॉर सस्टेनेबल आर्किटेक्चर, 2017

7. जी क्यू (GQ) मैन ऑफ दी ईयर, 2017
सामाजिक उद्यमिता के क्षेत्र में उनके कार्य के लिए

8. यूनेस्को चेयर अर्थेन आर्किटेक्चर अवॉर्ड, 2014
यूनेस्को द्वारा पृथ्वी आधारित वास्तुकला के लिए

9. अशोका फेलोशिप

10. आई आई टी मंडी द्वारा "एमिनेंट टेक्नोलॉजिस्ट" अवार्ड
उन्हें कई विश्व विद्यालयों ने मानद डॉक्टरेट की उपाधि भी प्रदान की

सोनम वांगचुक ने 1988 में लद्दाख के छात्रों के शैक्षिक और सांस्कृतिक आंदोलन की स्थापना की और तब से वे लगातार इसका नेतृत्व कर रहे हैं।

उन्हें शैक्षिक नवाचार के लिए कई संस्थाओं एवं सरकारों द्वारा विजन डॉक्यूमेंट बनाने के लिए कहा गया। इनका यह मानना है कि स्थानीय परिवेश और पर्यावरण के अनुसार शिक्षा को पुन: परिभाषित किया जाना चाहिए। वे अंग्रेजी पद्धति की शिक्षा को लद्दाख क्षेत्र में थोपने के विरोध में थे।

इंडियंस फॉर कलेक्टिव एक्शन सम्मान सेन फ्रांसिस्को, विद्यालयों द्वारा मानद डॉक्टरेट की डिग्री भी प्रदान की गई।

उन्होंने 1994 में सरकार और समुदाय के सहयोग से शिक्षा में सुधार के लिए "ऑपरेशन न्यू होप" नाम से एक कार्यक्रम प्रारंभ किया, जिसका उद्देश्य नई प्रकार की नवाचारी शिक्षा पद्धति को स्थापित करना था।

ऊपर दिए गए विवरण से यह तो स्पष्ट होगा कि सोनम वांगचुक शिक्षा और सांस्कृतिक क्षेत्र में नवाचार के माध्यम से कई प्रयोग कर रहे थे जिन्हें स्थानीय समुदाय का भी बहुत समर्थन मिल रहा था। अपने क्षेत्र की पहचान बनाए रखने के लिए ही लद्दाख शिक्षा और सांस्कृतिक आंदोलन के माध्यम से लगातार कार्य कर रहे थे।

जब 24 सितंबर को हिंसक वारदात हुई तो सोनम वांगचुक ने न केवल इस पर बहुत दुख प्रकट किया अपितु इसकी निंदा भी की। उन्होंने यहां तक कहा कि 5 वर्ष के उनके अहिंसक आंदोलन को इन हिंसक घटनाओं ने बहुत क्षति पहुंचाई है। उन्होंने अपना आमरण अनशन भी इसीलिए समाप्त किया। जब 26 सितंबर को वे एक प्रेस वार्ता को संबंधित करने वाले थे, उसके पहले ही उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा कानून में गिरफ्तार कर जोधपुर जेल में बंद कर दिया गया है।

सोनम वांगचुक की संस्था का एफ सी आर ए का लाइसेंस रद्द कर दिया गया है। उन पर यह आरोप लगाया गया है कि उन्होंने विदेशों से पांच लाख रुपए कमाए। वांगचुक ने कहा कि वे लद्दाख में गिने-चुने व्यक्तियों में है जो आयकर देते हैं। उल्लेखनीय है कि लद्दाख में आयकर देय नहीं है। उनकी कमाई का माध्यम उनके द्वारा किए गए नवाचार एवं उनके पेटेंट विदेशियों द्वारा खरीदना रहा है।

उनकी गिरफ्तारी का क्या प्रभाव उस क्षेत्र के युवाओं पर होगा, यह तो आने वाला समय बताएगा। संभव है, इसके बाद लद्दाख क्षेत्र को राज्य घोषित करने और उसे संविधान की छठी अनुसूची में सम्मिलित करने की मांग धीरे-धीरे समाप्त हो जाए। किंतु ऐसा करके, क्या सरकार उस क्षेत्र के निवासियों का और स्वयं देश का भला करेगी? इसका उत्तर तो लोगों को स्वयं खोजना है।

सोनम वांगचुक के बारे में उपरोक्त विवरण इसी उद्देश्य से दिया गया है कि पाठक उनके बारे में स्वयं निर्णय कर सकें कि क्या वे वास्तव में देशद्रोही हैं? क्या सरकार के विरुद्ध आवाज उठाना या सरकार से अहिंसक आंदोलन के माध्यम से मांग करना देशद्रोह है? देश में कई ऐसे व्यक्ति हैं जो तथाकथित देशद्रोह के आरोप में अनिश्चित काल से जेलों में बंद हैं।

अब देखना यह है कि लद्दाख की समस्या का हल, भारत सरकार किस प्रकार निकालती है? लोकतंत्र में समस्या का हल, नागरिकों के मौलिक अधिकारों के हनन और दमन के बजाय संवाद के माध्यम से हो, तो अधिक अच्छा होगा। जब सरकार अपने ही नागरिकों से बात नहीं करेगी, तो फिर समस्या का हल कैसे निकलेगा? प्रधानमंत्री मोदी ने तो स्वयं कहा है कि आलोचना लोकतंत्र की आत्मा है। देश की सुरक्षा की दृष्टि से भी यह आवश्यक है कि सीमा वर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों का विश्वास सरकार जीते। सबको लद्दाख की वासियों की समस्या का हल शांतिपूर्वक संवाद से निकलने की आशा है, जिसकी पहल तो सरकार को ही करनी होगी।

-अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

शक्ति और भक्ति आराधना का त्रिवेणी संगम- पोकरण का प्रसिद्ध मां आशापूरा मंदिर

जुगल किशोर बिस्सा

पोकरण परमाणु नगरी पोकरण से करीब तीन किलोमीटर पश्चिम दिशा में स्थित मां आशापूरा मंदिर भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करने वाला सिद्ध शक्तिपीठ है। यह मंदिर नौ दुर्गा मंदिरों में प्रमुख माना जाता है और शक्ति व भक्ति का अनूठा संगम प्रस्तुत करता है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :- भाट बही के अनुसार संवत 1315 माघ सुदी तीज को बिस्सा कुलदीपक लुणभाण जी बिस्सा प्रतिदिन कच्छ-भुज जाकर मां आशापूरा की पूजा-अर्चना करते थे। वृद्धावस्था में कठिनाई होने पर उन्होंने मां से निवेदन किया कि उनका परिवार जैसलमेर जिले के रूदवा गांव में निवास करता है और वहां से दर्शन करना कठिन है। भक्त की भक्ति से प्रसन्न होकर मां ने वचन दिया- आगे-आगे लुणभाण जी चलेंगे और पीछे-पीछे मैं चलूंगी, किंतु यदि पीछे मुड़कर देखा तो मैं वहीं ठहर जाऊंगी।

घनगौर जंगलों के बीच चलते हुए

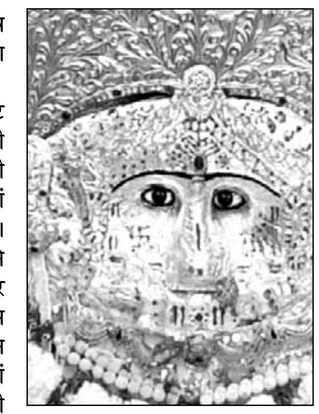

मां के अनन्य भक्त शिरोमणि लुणभाणजी बिस्सा को संदेह हुआ कि मां वास्तव में साथ चल रही हैं या नहीं। संदेहवश पीछे देखने पर मां आशापूरा वहीं पृथ्वी में समा गईं। उस स्थान पर आज भी दुपट्टा चिन्ह मौजूद है और मां का भव्य दरबार सजा हुआ है। मंदिर में अखंड घी की ज्योति प्रज्वलित रहती है।

जोधपुर, जैसलमेर, बीकानेर, फलोदी, मुंबई, कोलकाता और गुजरात सहित देशभर से श्रद्धालु यहां दर्शन करने पहुंचते हैं। साल में दो बार भव्य मेले का आयोजन होता है, जिसमें हजारों भक्त शामिल होते हैं। करीब 700 वर्षों से बिस्सा परिवार मंदिर की सेवा व देखरेख करता आ रहा है। पूजनीय डुगरदास जी बिस्सा और मोहनलाल जी बिस्सा ने लगभग 100 वर्षों तक मां की पूजा-अर्चना व व्यवस्था संभाली। वर्तमान में मां आशापूरा नीज मंदिर ट्रस्ट पोकरण प्रबंधन करता है।

मंदिर परिसर की सुविधाएं : विशाल हॉल, 30 कमरे, स्नान-शौचालय, बिजली-पानी व प्याऊ की व्यवस्था। यात्रियों के ठहरने के लिए धर्मशाला भी बनाई गई है। नेशनल हाईवे से सीधा सड़क मार्ग व रोशनी की सुविधा उपलब्ध। सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार मां आशापूरा दरबार की करीब 35 बीघा जमीन दर्ज है। परिसर में बने सुंदर तालाब व हरियाली भक्तों को आकर्षित करते हैं। भक्तों की आशाएं पूर्ण करने वाला यह पावन स्थल आज पोकरण की शक्ति और भक्ति आराधना का त्रिवेणी संगम है। जगत जननी मां आशापूर्णा का यह मंदिर पूरे देश में श्रद्धा और आस्था का प्रतीक बन चुका है।

-जुगल किशोर बिस्सा,
प्रेस रिपोर्टर पोकरण

अनावश्यक स्पीड ब्रेकर बनाना अनुचित

प्रो. कैलाश सोडाणी

स्पीड ब्रेकर देश भारत में आपका स्वागत है। स्पीड ब्रेकर का अविष्कार प्रसिद्ध भौतिक वैज्ञानिक नोबेल पुरस्कार विजेता आर्थर होली कॉम्पटन ने 1950 में किया। सड़क पर स्पीड ब्रेकर वाहनों की गति को कम करने के लिए बनाये जाते है, विशेष रूप से उन जगहों पर जहाँ दुर्घटनाओं का खतरा अधिक होता है, जैसे-स्कूल, अस्पताल या आवासीय क्षेत्रों के पास सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए। ब्रिटेन में, इन्हें मजाकिया अन्दाज में 'स्लीपिंग पुलिस आफिसर्स' कहा जाता है। दुर्घटनाओं को रोकने के लिए बने स्पीड ब्रेकर आज दुर्घटना का कारण बनते जा रहे हैं। स्पीड ब्रेकर अपने लक्ष्य से विचलित ही नहीं विपरीत हो चुके हैं। दुनिया में भारत के विशाल एवं खुबसूरत सड़क नेटवर्क पर स्पीड ब्रेकर एक कील ठोकने का काम कर रहे हैं। लोगों के भय एवं हादसों का कारण बन गये हैं। चिन्ता का विषय यह है कि शानदार सड़कों एवं गाड़ियों के बावजूद चाल धीमी होती जा रही है। देश का लगभग 87 प्रतिशत यात्री यातायात और 60 प्रतिशत माल यातायात सड़क परिवहन से होता है।

स्पीड ब्रेकर के मानक तय है। स्पीड ब्रेकर कहाँ बनने चाहिये यह लिखा हुआ है। स्पीड ब्रेकर की सड़क से ऊँचाई निश्चित कर रखी है। स्पीड ब्रेकर दूर से दिखाई देंवे, इसलिए कलर तथा डिजाइन निर्धारित है। भारतीय सड़क कांग्रेस ने 1996 में स्पीड ब्रेकर बनाने के सम्बन्ध में दिशा निर्देश बनाए। इन निर्देशों के मुताबिक एक आदर्श स्पीड ब्रेकर की ऊँचाई 10 सेंटीमीटर, लम्बाई 3.5 मीटर और कर्वेचर रेडियस 17 मीटर होनी चाहिये। इन मापदण्डों का पालन मात्र राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा निर्मित सड़को पर ही हो रहा है। जो कुल सड़कों का केवल 2 प्रतिशत ही है।

98 प्रतिशत सड़कों पर स्पीड ब्रेकर बनाने के मामले में मापदंडों का खुला उल्लंघन हो रहा है। विदेशों में सैंकडों-हजारों किलोमीटर सड़क यात्रा में भी स्पीड ब्रेकर के दर्शन दुर्लभ है। हमारे देश में पहली समस्या तो यह है कि स्पीड ब्रेकर किसी की भी इच्छा से, कहीं पर भी बनाये जा सकते है। दूसरा इनकी ऊँचाई तथा डिजाइन निर्धारित मापदंडों के अनुसार नहीं हैं। बिना मापदंड के बने हुए स्पीड ब्रेकर स्वयं ही दुर्घटना का कारण बनते जा रहे है। लाखों किलोमीटर सड़कों का नेटवर्क, जिस पर हमें गर्व है, अभिमान है, को स्पीड ब्रेकर्स ने बोना बना दिया। हमारे देश में वी.आई.पी. एवं पुलिस अधिकारियों के घरों के बाहर, थानों एवं विद्यालयों के सामने स्पीड ब्रेकर के दर्शन अवश्य होंगे। स्वच्छता मामले में देश में पहला स्थान सुशोभित करने वाला शहर इन्दौर की चाल को वहाँ अनावश्यक बने हुए स्पीड ब्रेकर्स ने बहुत धीमा कर दिया। परिणामस्वरूप जिला प्रशासन ने निर्णय लिया कि बिना सक्षम अनुमति के स्पीड ब्रेकर बनाये जाने पर एक लाख रु. का जुर्माना लगेगा। यहाँ मैं एक उदाहरण देना चाहूँगा। उदयपुर में मेरे आवास के पास ही सेंट मैरी स्कूल है। उसके मुख्य द्वार के बाहर तीन दिशाओं में सड़के बनी हुई है। तीनो सड़कों पर स्पीड ब्रेकर बने हुए है। 24 घण्टे में यहाँ से गुजरने वाले मेरे जैसे मुसाफिरों को कष्ट तो होता है। इस कष्ट को कम करने के लिए मेरा सुझाव है- विद्यालय खुलने एवं बंद होने के समय एक-एक घंटा मोबाइल अवरोधक लगा देना चाहिए। जिससे विद्यार्थी भी सुरक्षित रहेंगे और मुसाफिर भी 22 घण्टे आराम से यात्रा करेंगे। सड़कों की आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका को पहली बार रेखांकित किया माननीय अटल बिहारी वाजपेयी ने। उन्हीं की सोच एवं दूरदृष्टि से देश आज फोर लेन, सिक्स लेन, एट लेन तथा एक्सप्रेस हाइवे पर तेजी से दौड़ रहा है। हमारी अर्थव्यवस्था को जबरदस्त गति प्रदान की है। अनावश्यक स्पीड ब्रेकर बना-बना के इस गति को कम करने की धृष्टता नहीं करना चाहिये। नागरिकों को भी ट्राफिक नियमों का सख्ती से पालन करना चाहिये। देश को गतिमान बनाए रखने के लिये अनावश्यक एवं बिना मापदंड के स्पीड ब्रेकर बनाने की रफ़्तार को रोकना ही, समय की मांग है।

-प्रो. कैलाश सोडाणी,
पूर्व कुलगुरु, वर्धमान
महावीर खुला विवि, कोटा

वित्तीय समावेशन में राजस्थान अग्रणी

आमजन की अब बैंकिंग सेवाओं से लेकर सामाजिक सुरक्षा तक सार्वभौमिक पहुंच

चेतन प्रकाश मण्डावरिया

भारत जैसे विविध और विशाल प्रजातात्रिंक देश में, सशक्त राष्ट्र निर्माण की पहली शर्त है कि हर नागरिक को आर्थिक सशक्तिकरण हेतु समान अवसर देना। आर्थिक समावेशन और सामाजिक सुरक्षा इसी उद्देश्य को साकार करने के दो सबसे महत्वपूर्ण माध्यम हैं। वित्तीय समावेशन और सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा 1 जुलाई 2025 से 30 सितंबर 2025 तक चलाए जा रहे त्रैमासिक देशव्यापी संतृप्ति अभियान में राजस्थान ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है, जिनका प्रभाव केवल आँकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि करोड़ों ज़िंदगियों में स्थायी बदलाव लाने की क्षमता रखता है। अभियान की प्रगति के अनुसार, 26 सितंबर 2025 तक राजस्थान में 85,82,997 लोगों को लाभान्वित किया जा चुका है, जो देश में सर्वाधिक है। वर्तमान संतृप्ति अभियान के दौरान राजस्थान दिनांक 25.09.2025 तक कुल 84,89,142 लाभार्थी के साथ उत्तर प्रदेश (76,54,213 लाभार्थी), बिहार (68,11,351 लाभार्थी) ओडिशा (53,15,454 लाभार्थी) और मध्य प्रदेश (51,26,863 लाभार्थी), जैसे राज्यों को पीछे छोड़ते हुए प्रथम स्थान पर है।

राज्य स्तर पर शिविरों के आयोजन की बात करें तो, वर्तमान संतृप्ति अभियान के तहत दिनांक 25.09.2025 तक राजस्थान की 11,200 ग्राम पंचायतों में से 10,903 ग्राम पंचायतों में अभियान के अंतर्गत शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश की 57,000 ग्राम पंचायतों में से 53,848 में शिविर लगाए जा चुके हैं। यह प्रदर्शन न केवल राजस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, बल्कि यह भी सिद्ध करता है कि सरकार, सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की दिशा में ठोस कदम उठा रही है। सरकार की यह रणनीति उन नागरिकों, विशेष रूप से ग्रामीण, गरीब और असंगठित क्षेत्र के लोगों तक पहुँचने पर केंद्रित रही है, जो अब तक वित्तीय समावेशन एवं सामाजिक सुरक्षा की दृष्टि से वंचित थे। राज्य सरकार के सभी हितधारकों के साथ समन्वयपूर्ण तरिके से किये गये गंभीर प्रयासों के परिणामस्वरूप राज्य में जो बदलाव आया है, उसकी झलक स्पष्ट रूप से नजर आ रही है। इस अभियान के अंतर्गत राजस्थान ने सरकार की प्रमुख बैंकिंग सेवाओं/योजनाओं की पहुँच को लगभग सार्वभौमिक स्तर तक पहुँचाया है। किसी भी जन कल्याणकारी योजना की पहली आवश्यकता है कि प्रत्येक व्यक्ति का एक बैंक खाता हों। बिना बैंकिंग पहुँच के, लाभार्थी न केवल सरकारी योजनाओं से वंचित रह जाते हैं, बल्कि वे आर्थिक रूप से असुरक्षित भी रहते हैं। दिनांक 30.06.2025 तक राज्य में 3.71 करोड़ प्रधानमंत्री जन-धन खाते है। वर्तमान संतृप्ति अभियान में दिनांक 26.09.2025 तक 7,47,737 से अधिक जनधन खाते ऐसे नागरिकों के लिए खोले गए, जो पहले कभी बैंकिंग सेवाओं से नहीं जुड़े थे। यह संख्या केवल एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह संकेत है उस नए विशवास का, जो एक असहाय ग्रामीण महिला को, एक वृद्ध किसान को, या एक असंगठित मजदूर को पहली बार आर्थिक पहचान और सुरक्षा प्रदान करता है। राजस्थान ने इस पहलू को विशेष प्राथमिकता दी और राज्य भर में लाखों नागरिकों को जीवन और दुर्घटना बीमा के दायरे में लाया है। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना अन्तर्गत दिनांक 30.06.2025 तक राज्य में क्रमशः 1.20 करोड़ एवं 2.70 करोड़ व्यक्ति नामांकित है। यही नहीं, दिनांक 26.09.2025 तक 1,40,784 नागरिकों को अटल पेंशन योजना से जोड़ना इस बात का प्रमाण है कि अब असंगठित क्षेत्र के श्रमिक भी वृद्धावस्था के लिए सुरक्षित भविष्य का निर्माण कर रहा है।

जन आधार प्लेटफॉर्म आज राजस्थान में सुशासन की एक सशक्त नींव बन चुका है, जो सामाजिक सुरक्षा और समावेशी विकास को मजबूती से आगे बढ़ा रहा है। अब पेंशन, छात्रवृत्ति, बीमा राशि, खाद्य सुरक्षा या कृषि सब्सिडी - सभी लाभ सीधे लाभार्थी के आधार-लिंक्ड बैंक खाते में ट्रांसफर किए जाते हैं। इससे भ्रष्टाचार, देरी, और फर्जी लाभार्थियों की समस्या लगभग समाप्त हो गई है। इस प्रक्रिया ने न केवल राज्य के वित्तीय संसाधनों को बचाया, बल्कि जनता में सरकार के प्रति विश्वास भी मजबूत किया है। डिजिटल युग में वित्तीय समावेशन के साथ ही डिजिटल सुरक्षा भी अनिवार्य हो गई है। राजस्थान ने यह महसूस किया कि जितनी तेजी से डिजिटल लेन-देन बढ़ रहे हैं, उतनी ही तेजी से साइबर धोखाधड़ी के खतरे भी बढ़ रहे हैं। इसलिए राज्य ने एक व्यापक साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया, जिसमें नागरिकों को साइबर सुरक्षा के प्रति सजग किया गया।

यह पहल अनूठी इसलिए भी है क्योंकि यह केवल तकनीकी समाधान नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना की नींव पर खड़ी है। इसके कारण राजस्थान में साइबर अपराध की दर देश के अन्य राज्यों की तुलना में काफी कम है - यह राज्य के सतर्क नागरिकों और जागरूक प्रशासन दोनों की संयुक्त उपलब्धि है।

राज्य सरकार ने योजनाओं के क्रियान्वयन को केवल शासकीय स्तर पर सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे ग्राम पंचायतों, स्वयं सहायता समूहों (एप्डे), स्थानीय बैंक प्रतिनिधियों, बैंक मित्रों और फ्रंटलाइन अधिकारियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के सहयोग से ज़मीनी स्तर तक पहुँचाया। हर गाँव में वित्तीय साक्षरता शिविर, नामांकन अभियान, और तत्काल शिकायत समाधान व्यवस्था शुरू की गई, जिससे लोगों को न केवल जानकारी मिली बल्कि विश्वास और जन भागीदारी की भावना भी उत्पन्न हुई। महिला सशक्तिकरण को भी इस अभियान का केन्द्रीय स्तंभ बनाया गया, जिससे नारी वर्ग को आर्थिक निर्णयों में अधिक सक्रिय भूमिका मिली। आज राजस्थान वित्तीय-समावेशन एवं सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में न केवल देश में अग्रणी राज्य बन चुका है, बल्कि उसने यह साबित कर दिया है कि यदि सही नीति, तकनीकी नवाचार, प्रशासनिक समन्वय और जन-भागीदारी को एक साथ जोड़ा जाए, तो स्थायी और सर्वसमावेशी परिवर्तन संभव है। अब यह आवश्यक है कि यह संतृप्ति अभियान हर गाँव, हर नगर, और हर परिवार तक पहुँचे। राज्य सरकार सभी नागरिकों से आह्वान करती है कि वे पात्र व्यक्तियों तक सभी सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में सहयोग प्रदान करें, अपने परिवार और समुदाय को जागरूक करें, और इस अभियान को जनांदोलन बनाएं। ग्राम स्तर के नेता, शिक्षक, स्वंयसेवी संस्थाएं और प्रशासनिक अधिकारी - सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना है कि राजस्थान का कोई भी नागरिक वित्तीय सुरक्षा और गरिमापूर्ण जीवन से वंचित न रह जाए।

-चेतन प्रकाश मण्डावरिया,
संयुक्त शासन सचिव,
(संस्थागत वित्त एवं पीपीजी),
आयोजना विभाग, राजस्थान सरकार, शासन सचिवालय,
जयपुर

राशिफल मंगलवार 30 सितम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

आश्विन मास, शुक्ल पक्ष, अष्टमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र बुधवार प्रातः 8:06 तक, शोभन योग रात्रि 1:03 तक, बव करण सायं 6:07 तक, चन्द्रमा धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-धनु, मंगल-तुला, बुध-कन्या, गुरू-मिथुन, शुक्र-सिंह, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज दुर्गाष्टमी महाष्टमी, भौमाष्टमी, सरस्वती पूजन, अन्नपूर्णा परिक्रमा सायं 6:07 पर पूर्ण होगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:20 से 10:48 तक, लाभ-अमृत 10:48 से 1:46 तक, शुभ 3:14 से 4:43 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:23, सूर्यास्त 6:11

मेष

परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। शुभ कार्यों से संबंधित यात्रा हो सकती है। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी।

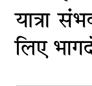

वृष

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

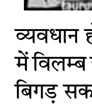

मिथुन

परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

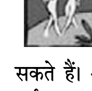

कर्क

व्यक्तिगत परेशानियों से राहत मिलेगी। दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

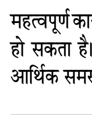

कन्या

घर-परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

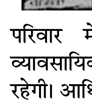

तुला

व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

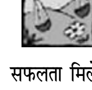

वृश्चिक

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यक्तिगत कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है।

धनु

घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

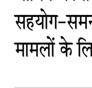

मकर

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है।

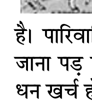

कुंभ

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

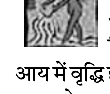

मीन

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक मामलों में उचित परामर्श मिल सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में आज धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

राजस्थान सरकार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

सेवा ही संकल्प,
राष्ट्र प्रथम ही प्रेरणा... 75 वर्ष

सेवा पखवाड़ा 2025

मुख्य अतिथि

भजनलाल शर्मा

माननीय मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

विकास पथ पर
आपणो अग्रणी राजस्थान...

दिव्यांगजनों को स्कूटी एवं उपकरण वितरण

1.87 लाख निर्माण श्रमिकों को 209 करोड़ रुपए का हस्तान्तरण

362 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण

शिलान्यास

- बालक एवं बालिकाओं के 30 छात्रावासों का निर्माण कार्य
- 21 सड़कों का निर्माण, नवीनीकरण एवं डामरीकरण कार्य
- 7 स्वास्थ्य केन्द्र भवनों जैतारण, नीमाज, बलून्दा, फाल्का, पाटवा एवं झीतड़ा के निर्माण कार्य
- 33/11 केवी ग्रिड सब स्टेशन आनन्दपुर कालू

लोकार्पण

- बालक एवं बालिकाओं के 10 छात्रावास
- 16 सड़कों का निर्माण एवं डामरीकरण कार्य
- चार जिलों में मुख्यमंत्री पुनर्वास गृह
- देवनारायण राजकीय बालक आवासीय विद्यालय, रास – जैतारण
- 71 जल संग्रहण संरचनाओं के कार्य

मंगलवार, 30 सितम्बर, 2025 | श्री राम चौक, जैतारण, ब्यावर | प्रातः 10.30 बजे

निदेशालय विशेष योग्यजन
सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग

राजस्थान संवाद

रावला और घड़साना मंडियों में नकली बीज और खाद के खिलाफ कार्रवाई

कृषि मंत्री डॉक्टर किरोड़ीलाल मीणा रावला और घड़साना मंडियों में पहुंचे

अनूपगढ़, (निसं)। कृषि मंत्री डॉक्टर किरोड़ीलाल मीणा ने श्रीगंगानगर जिले के रावला और घड़साना मंडियों में नकली बीज और खाद के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान बीज कंपनियों के रिकॉर्ड में भारी गड़बड़ी पाई गई, जिसके बाद उनकी बिक्री पर तत्काल रोक लगा दी गई।

मंत्री किरोड़ी दोपहर घड़साना कृषि उपज मंडी पहुंचे, जहां रीको स्थित दीपक सीड्स पर भी छापा मारा गया। निरीक्षण के दौरान कंपनी के पास किसी भी तरह का रिकॉर्ड नहीं मिला। इस पर कृषि मंत्री ने दीपक सीड्स के संचालक को बीज की बिक्री तुरंत रोकने के निर्देश दिए। रावला मंडी के गांव 19 केएनडी और 11 डीओएल में स्टार एग्री सीड्स प्राइवेट लिमिटेड के रिकॉर्ड में ग्वार की बुवाई दर्ज थी, जबकि मौके पर नरमा और मूंग की फसल मिली।

खेत के किसान गुरतेज सिंह ने बताया कि उन्हें यह जानकारी नहीं थी कि उनका खेत बीज प्रोडक्शन में शामिल है। इस पर मंत्री किरोड़ी ने इसे किसानों के साथ सीधा धोखा बताते हुए कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया। मंत्री में बताया कि निरीक्षण में यह भी पाया गया कि स्टार एग्री के गेहूं बीज पैकिंग बैग पर तमिलनाडु का पता दर्ज था, जबकि असल में उत्पादन और पैकेजिंग संगरिया में हो रही थी। सरसों के बीजों पर खतरनाक केमिकल के उपयोग की पुष्टि भी हुई। कंपनी प्रबंधन संतोषजनक जवाब देने में विफल रहा। नतीजतन, सरकार ने 10 हजार क्विंटल सरसों और 34 हजार क्विंटल गेहूं बीज की बिक्री पर तत्काल रोक लगा दी।

कृषि मंत्री ने कहा कि किसानों के साथ धोखाधड़ी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बीज कंपनियों की ऐसी करतूतें कृषि क्षेत्र के लिए गंभीर खतरा हैं। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, ताकि भविष्य में किसानों को इस तरह की परेशानियों का सामना न करना पड़े।

> ■ **बीज कंपनियों के रिकॉर्ड में भारी गड़बड़ी पाई गई, जिसके बाद बिक्री पर तत्काल रोक लगाई**

रावला दौरे के दौरान किसानों ने कृषि मंत्री को बताया कि दो साल पहले सरकार के द्वारा सरसों की फसल की सरकारी खरीद की गई थी। मगर कुछ लोगों ने अधिकारियों के साथ मिलीभगत कर सरसों की सरकारी खरीद में धांधली की थी, जिस कारण से किसानों का भुगतान रुक गया था। उन्होंने बताया कि इस मामले में कुछ व्यापारियों के खिलाफ रावला पुलिस थाने में मामला भी दर्ज करवाया गया था। किसानों ने मंत्री से मांग की है कि किसानों का बकाया भुगतान शीघ्र करवाया जाए। मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने उन्हें आश्वस्त किया है कि शीघ्र उनका भुगतान करवाया जाएगा।

मौके पर किसान राजू जाट और सत्यप्रकाश सियाग सहित अन्य किसानों ने अनूपगढ़ कृषि विभाग के सहायक निदेशक जसवंत सिंह पर गंभीर आरोप लगाए। किसानों ने आरोप लगाए कि सहायक निदेशक ने अपने भाई के नाम पर बायोलेक एग्री साइंस और स्टीव एग्री केअर नाम की दो फर्म बना रखी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सहायक निदेशक के द्वारा दुकानदारों पर दबाव बनवा कर इन दोनों फर्मो का माल बिकवाया जा रहा है। किसानों ने मंत्री से मांग की है कि इन दोनों फ़र्मो की पिछले 2 सालों की बिक्री का रिकॉर्ड खंगाला जाए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। इस पर किरोड़ी लाल मीणा ने तुरंत प्रभाव से कृषि विभाग के उच्च अधिकारियों को मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया।

घड़साना में निरीक्षण के दौरान अनूपगढ़ क्षेत्र के नदी से प्रभावित किसान मंत्री से मिले। किसान कश्मीर सिंह कंबोज ने मंत्री को अवगत करवाया कि घग्घर नदी के पानी के कारण किसानों के हजारों एकड़ में खड़ी नरमें और धान की फसल डूब गई है, जिससे किसानों को करोड़ों रुपए का आर्थिक नुकसान हुआ है। मंत्री ने किसानों को आश्वस्त किया है कि सरकार के द्वारा खराब हुई फसल का सर्वे करवाया जा रहा है। किसानों को शीघ्र ही राहत राशि दी जाएगी।

सड़क दुर्घटना में महिला कांस्टेबल की मौत

सांचौर, (कासं)। सांचौर वृत्ताधिकारी कार्यालय में कार्यरत महिला कांस्टेबल चूकी देवी की सोमवार को सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। यह घटना सुबह करीब 11 बजे सांचौर मुख्यालय से बाडमेर की साइड कार्यालय से कुछ किलोमीटर दूर हुई।

> ■ **बाइक चलाने के दौरान महिला कॉस्टेबल चूकी देवी के सिर पर हेलमेट नहीं था**
>
> ■ **महिला कॉस्टेबल की बाइक भारी वाहन से टकरा गई थी, चालक गिरफ्तार**

पुलिस के अनुसार वृत्ताधिकारी कार्यालय में कार्यरत कॉन्स्टेबल चूकी देवी उसके पति डूंगरी निवासी प्रकाश भादू के साथ सुबह किसी मंदिर में आशीर्वाद लेने गई थी। वापस आते समय पति को फ्रूट गाड़ी के पास छोड़कर चूकी देवी अकेली मोटरसाइकिल पर वृत्ताधिकारी कार्यालय में ड्यूटी के लिए रवाना हो गई। इस दौरान मुख्यालय से कुछ किलोमीटर दूरी पर एक भारी वाहन को ओवरटेक करने का प्रयास किया, लेकिन सड़क किनारे पटरी ठीक नहीं होने के चलते बाइक असंतुलित हो गई और भारी वाहन के आगे के हिस्से से टकरा गई।

महिला कांस्टेबल चूकी देवी (फाइल फोटो)।

टक्कर लगने से चूकी देवी मोटरसाइकिल से उछलकर सड़क पर गिर गई। उसके सिर में गंभीर चोट लगने से काफी खून बह गया। जानकारी मिलते ही पुलिस व एम्बुलेंस से उसे गुजरात उपचार के लिए ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम प्रक्रिया अपनाने के बाद शव परिजनों को सुपुर्द किया। पुलिस उप अधीक्षक जयराम मुंडेल ने बताया कि भारी वाहन को जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारों ने बताया कि कांस्टेबल चूकी देवी अनुशासित सिपाही थी। वे हमेशा मोटरसाइकिल पर हेलमेट पहनकर ही ऑफिस आती थी, लेकिन सोमवार को जल्दबाजी में हेलमेट भूल गई। जानकारों ने बताया कि जिस प्रकार से चूकी देवी खीचड गिरी है, अगर हेलमेट होता तो सिर में गम्भीर चोट से सम्भवतया बचाव होता, लेकिन ईश्वर को कुछ और ही मंजूर था।

सुरेश शर्मा हत्याकांड के सभी आरोपियों को सुप्रीम कोर्ट ने बरी किया

जोधपुर के डांगियावास क्षेत्र में साल 2006 में हुआ था सुरेश शर्मा हत्याकांड

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के डांगियावास क्षेत्र में साल 2006 में हुए सुरेश शर्मा हत्याकांड में सुप्रीम कोर्ट ने 19 साल बाद सभी आरोपियों को बरी कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट के संदीप मेहता और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि जिस पुलिस जांच के आधार पर पूरी केस की नींव रखी गई, वह न केवल कमजोर थी, बल्कि सबूतों के अभाव में न्यायिक कसौटी पर भी टिक नहीं सकी।

> ■ **कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि जिस पुलिस जांच के आधार पर पूरे केस की नींव रखी गई, वह न केवल कमजोर थी, बल्कि सबूतों के अभाव में न्यायिक कसौटी पर भी टिक नहीं सकी**

उच्चतम न्यायालय ने इस केस की आरोपी हेमलता, उसके पति नरपत चौधरी और भंवरसिंह को दोषमुक्त करते हुए स्पष्ट किया कि अभियोजन पक्ष की कहानी सिर्फ अंदाजों और अनुमान पर आधारित थी, लेकिन उसके समर्थन में कोई ठोस, निर्णायक या तकनीकी साक्ष्य न्यायालय के समक्ष पेश नहीं किया गया। यह कहानी 23 जनवरी 2006 की है। जब सुरेश शर्मा के बेटे नवनीत ने पिता की गुमशुदगी की रिपोर्ट दी थी। कुछ घंटों बाद शव मिला। पोस्टमार्टम में गला घोंटने समेत बीस से अधिक चोटों के निशान पाए गए थे।

जमीन विवाद की आशंका पर पुलिस ने जिन लोगों को नामजद किया था, पूरी तफ्तीश लगभग उन्हीं सबूतों के इर्द-गिर्द घूमती रही। जिन्हें कोर्ट ने संदेह के घेरे में रखा। ट्रायल कोर्ट ने इन्हीं साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्तों को दोषी ठहरा दिया था, लेकिन हाईकोर्ट ने सबूतों की कड़ी में 'अंतर', गवाहों की गवाही में 'अनिश्चितता', और फॉरेंसिक रिपोर्ट में स्पष्टता के अभाव को देखते हुए तीनों को साल 2011 में बरी कर दिया था।

राज्य सरकार की अपील के बावजूद, सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए यह साफ किया कि न तो कथित 'लास्ट सींन' थ्योरी की पुष्टि निर्दोष गवाहों से हो पाई, न ही खून के धब्बों, जब्त किए गए दुपट्टे और वाहन जैसी फोरेंसिक सामग्री को मृतक से जोड़ना तकनीकी रूप से पुख्ता था।

अदालत ने कहा कि, केस का खाका केवल संदेह की कड़ी पर टिक नहीं सकता, जब तक आरोप सिद्ध न हो जाये और दोष की पुष्टि न्यायिक मानकों पर न हो जाए, किसी को सजा नहीं दी जा सकती।

गैस रिसाव के बाद सिलेंडर फटा, पति-पत्नी व दो बेटियां झुलसी

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के कुराबड़ थाना क्षेत्र में गैस सिलेंडर से गैस लीकेज के बाद भभकी आग से एक ही परिवार के चार लोग झुलस गए। आग की लपटें इतनी तेज थी कि घर का मुख्य दरवाजा सहित अन्य सामान जल गया। आग में फंसा परिवार मदद के लिए चिल्लाया तो पड़ोस के लोग पहुंचे और सभी को बाहर निकाला। झुलसी हालत में सभी को हॉस्पिटल ले जाकर भर्ती करवाया गया।

> ■ **आग की लपटें इतनी तेज थी कि घर का मुख्य दरवाजा सहित अन्य सामान जल गया**

जानकारी के अनुसार घटना कुराबड़ थाना क्षेत्र के बोरी गांव में शंकरलाल मीणा (45) पुत्र नगा मीणा के घर सोमवार सुबह सात बजे की है। पूरा परिवार छत पर सोया हुआ था। छत से उठकर जब परिवार नीचे आया। पत्नी गीता ने चाय बनाने के लिए गैस जलाई तभी आग तेज आग पूरे घर में भभक गई। जिसके चपेट में चारों आ गए। हादसे में शंकरलाल मीणा (45), पत्नी गीता मीणा (40), पुत्री लोगरी (9) व मोनिका (7) बुरी तरह झुलस गए। इनमें सबसे ज्यादा करीब 70 फीसदी गीता झुलसी है। सभी को एमबी हॉस्पिटल लेकर आए हैं यहां इनका इलाज चल रहा है। शंकरलाल व लोगरी 35 प्रतिशत और गीता व सबसे छोटी बच्ची 70 से 80 फीसदी झुलसे हैं।

सूने मकान से 22 तोला सोने के जेवर चोरी

सूरतगढ़, (निसं)। यहां वार्ड नं. 22 में अज्ञात चोरों ने एक बंद मकान को निशाना बनाकर लाखों रुपए के सोने के जेवरात पार कर दिए। घटना का खुलासा तब हुआ जब मकान मालिक बीकानेर से अपने घर लौटा।

> ■ **मकान मालिक परिवार सहित बीकानेर गया हुआ था**

जानकारी अनुसार वार्ड नं. 22 निवासी राजाराम स्वामी अपने परिवार सहित बीकानेर में रहते हैं और कभी-कभार यहां घर आना-जाना करते हैं। बताया गया कि 21 जुलाई को वे पत्नी के साथ सूरतगढ़ आए थे और बीकानेर वापस लौटते वक्त पत्नी के गहने अलमारी में ही रह गए। इस बीच पारिवारिक व्यस्तताओं के चलते वे लगभग दो महीने तक सूरतगढ़ नहीं आ सके। बीकानेर से 26 सितंबर की रात करीब 10 बजे जब वे घर लौटे तो अंदर का ताला टूटा मिला और कमरों में रखा सामान अस्त-व्यस्त था। चोरी गए आभूषणों में 2 तोले का चन्द्रहार, 3 तोले का एक अन्य चन्द्रहार, 1 तोले की रखड़ी, 4 तोले की 8 बिंटियां, 2 तोले की 4 चूड़ियां, 6 तोले का हार, 2 तोले के 5 कान टोप्स, आधा तोले के 80 मोती, 4 ग्राम की 2 नथ और एक हाथ का पूंचा शामिल हैं। करीब 22 तोला इन गहनों की कीमत लाखों रुपए आंकी जा रही है। सूचना मिलने पर उप निरीक्षक माणकलाल व सिपाही दुर्गादत्त ने पहुंचकर घटना की जानकारी लेने के साथ पड़ोस में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली। इस संबंध में राजाराम ने रविवार देर शाम रिपोर्ट दी जिसके आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। थाना के सहायक उप निरीक्षक रणवीर सिंह ने बताया कि प्रकरण की जांच उन्हें सौंपी गई है। वारदात में शामिल चोरों की तलाश के लिए टीमें गठित कर संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है।

पारा 40 डिग्री पार पहुंचा

बीकानेर, (निसं)। मानसून की विदाई के साथ ही बीकानेर में गर्मी बढ़ती जा रही है। तापमान चालीस डिग्री सेल्सियस से ऊपर जा रहा है। न सिर्फ बीकानेर बल्कि बाड़मेर और जैसलमेर सहित समूचे पश्चिमी राजस्थान में बढ़ते पारे ने जनजीवन का प्रभावित किया है। बीकानेर में पारा रविवार को तापमान 39 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। सोमवार को भी पारा 40 तक पहुंच गया है।

मानसून के समय जहां अधिकतम तापमान 32 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच था, वहीं अब इसमें पांच डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है। वहीं न्यूनतम तापमान भी 22 से 25 डिग्री सेल्सियस से बढ़कर अब 29 डिग्री सेल्सियस तक आ गया है। आने वाले कुछ दिनों तक बीकानेर में गर्मी का असर जारी रहेगा। मौसम विभाग ने बीकानेर में न तो बारिश की संभावना जताई है और न तापमान में गिरावट की। ऐसे में तापमान में मामूली बढ़ोतरी हो सकती है। पारा चालीस डिग्री सेल्सियस के पार जा सकता है। वहीं रात का पारा तीस डिग्री सेल्सियस से ऊपर हो सकता है। बीते चौबीस घंटे में बीकानेर से ज्यादा तापमान जैसलमेर और बाड़मेर का रहा है। इन दो जिलों के बाद बीकानेर में ही सबसे ज्यादा गर्मी रही है। वहीं जोधपुर, फलौदी सहित पश्चिमी राजस्थान के अधिकांश जिलों में पारे का ग्राफ बढ़ता जा रहा है।

545 बेटिकट यात्रियों पर कार्रवाई

जोधपुर, (कासं)। उत्तर पश्चिम रेलवे मुख्यालय एवं जोधपुर मंडल के विशेष टिकट जांच दस्तों द्वारा संयुक्त टिकट चेकिंग अभियान के बाद ट्रेन में मुफ्त यात्रा करने वालों में हड़कंप मचा हुआ है। जोधपुर मंडल के विशेष टिकट जांच दस्तों द्वारा अभियान के दौरान जयपुर-अजमेर, जयपुर-भरतपुर, जयपुर-सवाई माधोपुर, जयपुर-रेवाड़ी, जयपुर- बीकानेर एवं जयपुर-कोटा रेल खंडों की 19 यात्री गाड़ियों में जांच की गई। इसमें 545 यात्री बिना टिकट यात्रा करते पकड़े गए, जिनसे यात्रा किराया व जुर्माने सहित 2,14,315 रुपये की वसूली की गई।

डूंगरपुर में तेज बारिश, गरबा स्थलों पर पानी भरा

डूंगरपुर, (निसं)। गत दो दिन से मानसून की चेतावनी के बाद लगातार तेज बारिश का दौर कुछ समय के लिए चल रहा है। सोमवार को भी दोपहर तथा देर शाम को 10-15 मिनिट तक तेज बारिश का दौर चला, जिसके कारण शहर के भितरी एवं बाहरी भागों के कई इलाकों में तेज बहाव के साथ पानी बहा तथा पुराने शहर के कानेरा पोल, मोची बाजार मार्ग पर तो दो पहिया व तिहपहिया वाहनों को गुजरने में परेशानी हुई। लगातार तेज उमस व गर्मी के कारण आम जन परेशान रहा। दोपहर में लगभग एक बजे अचानक तेज बारिश का जो दौर चला। शाम साढे पांच बजे बाद फिर से एक बार तेज बारिश का दौर चला, जिससे शहर के घाटी, सर्राफा बाजार, कानेरा पोल, भोईवाडा मोची बाजार आदि क्षेत्रों में तेज बहाव के साथ पानी चला। वहीं दूसरी ओर सिवरेज के कारण खुदी सढ़कें गढ्डों में तब्दिल हो गई। अचानक चले बारिश के दौर के कारण गरबा स्थलों की सजावट भी प्रभावित हुई तथा कई गरबा स्थलों पर पानी भी जमा हो गया।

बारिश के बाद सड़कों पर भरे पानी में से गुजरते वाहन।

सोते हुये युवक की कुल्हाड़ी से वार कर नृशंस हत्या, आरोपी फरार

बूंदी, (निसं)। बूंदी जिले के डाबी थाना क्षेत्र के चौहानों की झोपड़ियां गांव में रविवार रात हुई वारदात ने पूरे इलाके को हिला कर रख दिया। रविवार रात को नींद में सोते हुए युवक पर कुल्हाड़ी से हमला कर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी गई। रात के अंधेरे में हुई यह वारदात इतनी नृशंस थी कि शव को देखकर ग्रामीणों की रूह कांप उठी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा, लेकिन इससे पहले ही पीड़ित की कोटा अस्पताल में मौत हो चुकी थी।

डीएसपी हेमंत गौतम ने बताया कि मृतक युवक हरिराम किर गांव में कालूराम गुर्जर के कृषि फार्म पर हाली का काम करता था। रोज की तरह वह बीती रात फार्म पर बने झोपड़े में सो रहा था। रविवार देर रात गांव का ही मुकेश गुर्जर वहां पहुंचा और अचानक कुल्हाड़ी से हरिराम के सिर पर वार कर दिया, नींद में डूबे हरिराम के पास अपनी जान बचाने का कोई मौका तक नहीं था। गंभीर हालत में लहूलुहान हरिराम को लोगों ने तत्काल कोटा अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन थोड़ी ही देर बाद उसने दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलते ही डाबी थाना पुलिस और डीएसपी हेमंत गौतम घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

डीएसपी गौतम ने बताया कि प्रथमदृष्टया आरोपी मुकेश गुर्जर द्वारा हरिराम की कुल्हाड़ी से हत्या की पुष्टि हो रही है। पुलिस ने घटनास्थल से सुराग जुटाए हैं। एसपी राजेंद्र कुमार मीणा ने वारदात को लेकर तुरंत एक विशेष टीम का गठन किया है। यह टीम आरोपी की धरपकड़ के लिए लगातार दबिश दे रही है। पुलिस गांव और आसपास के इलाकों में संभावित ठिकानों की तलाश में जुटी हुई है। हरिराम की मौत की खबर फैलते ही गांव में मातम पसर गया। चौहानों की झोपड़ियां गांव में लोग घरों से बाहर निकल आए और हर किसी के चेहरे पर खौफ साफ दिखाई देने लगा। ग्रामीणों ने बताया कि आरोपी मुकेश का स्वभाव पहले से ही झगड़ालु था। कई बार विवादों में उसका नाम सामने आया, लेकिन इतनी क्रूर वारदात को अंजाम देगा, इसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी।

नाटक ''गाइड वंस अगेन'' के मंचन ने दर्शकों का मन मोहा

उदयपुर, (कासं)। मौलिक ऑर्गेनाइजेशन ऑफ क्रिएटिव एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स एवं जीआर फिनमार्ट के संयुक्त तत्वावधान में प्रस्तुत संगीतमय नाटक ''गाइड वंस अगेन'' का शानदार मंचन आर.एन.टी. ऑडिटोरियम में हुआ। दोपहर बाद 4.30 बजे शुरू होकर शाम 7 बजे तक चले इस नाट्य प्रस्तुति ने दर्शकों को भावनाओं के सागर में डुबो दिया। नाटक को देखने के लिए इतनी भीड़ उमड़ी कि सभागार खचाखच भर गया।

'गाइड वन्स अगेन' का मंचन आर.एन.टी. ऑडिटोरियम में हुआ।

> ■ **उदयपुर में लगभग 60 वर्ष पूर्व फिल्माई देवानंद और वहीदा रहमान की फिल्म गाइड ने बॉक्स ऑफिस पर नए कीर्तिमान स्थापित किए थे**
>
> ■ **नाटक में मुख्य पात्र कुलदीप धाभाई ने उदयपुर के गाइड राजू की भूमिका निभाकर दर्शकों का दिल जीत लिया**

नाटक में मुख्य पात्र कुलदीप धाभाई ने उदयपुर के गाइड राजू की भूमिका निभाकर दर्शकों का दिल जीत लिया। वहीं यशस्वी श्रीवास्तव ने रूस से उदयपुर आई स्वेतलाना का किरदार संवेदनशीलता से निभाया। कहानी में स्वेतलाना गाइड फिल्म पर शोध करने के लिए उदयपुर आती है और वहीं राजू से मिलती है। दोनों के बीच प्रेम पनपता है और स्वेतलाना राजू को मॉस्को ले जाती है, लेकिन अपनी मातृभूमि और उदयपुर से गहरे प्रेम के कारण राजू वहां ठहर नहीं पाता और लौटकर उदयपुर आ जाता है। यह प्रसंग दर्शकों को गहराई से छू गया और कई क्षणों पर सभागार तालियों की गडगडाहट से गूंज उठा। 'गाइड वन्स अगेन' महज एक प्रेमकथा नहीं बल्कि मानवीय संवेदनाओं और मनोवैज्ञानिक द्वंद्व को भी सशक्त रूप से प्रस्तुत करता है। नाटक ने प्रेम, त्याग और आत्मचेतना जैसे गहन विषयों पर दर्शकों को सोचने पर विवश किया। मंचन में जीवंत संगीत, गीत और संवादों की खूबसूरत प्रस्तुति ने इसे और प्रभावशाली बना दिया।

नाटक के लेखक गौरीकांत शर्मा ने कलाकारों की अदाकारी की खुलकर सराहना की और कहा कि यह प्रस्तुति न केवल मनोरंजन करती है बल्कि दर्शकों के हृदय को भी गहराई से छू जाती है। जीआर फिनमार्ट के गौतम राठौढ़ ने कहा कि यह नाटक गाइड फिल्म की परम्परा को नई पीढी के नजरिए प्रस्तुत करता है। मौलिक संस्था के संस्थापक शिवराज सोनवाल ने बताया कि 'गाइड वन्स अगेन' की लोकप्रियता को देखते हुए इसके और भी शो आयोजित किए जाएंगे। 5 अक्टूबर को शिल्पग्राम स्थित दर्पण सभागार में होने वाला मंचन विशेष आकर्षण रहेगा। उन्होंने दर्शकों से अपील की कि वे आगे भी कला और संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए इसी तरह सक्रिय भागीदारी निभाएं। अंत में दर्शकों ने खडे होकर तालियों की गडगडाहट से कलाकारों का अभिनंदन किया। 'गाइड वन्स अगेन' की प्रस्तुति ने न केवल उदयपुरवासियों का दिल जीता बल्कि यह साबित कर दिया कि अच्छा रंगमंच आज भी समाज को जोडने और सोचने पर मजबूर करने की शक्ति रखता है। लगभग 60 वर्ष पूर्व उदयपुर में फिल्माई देवानंद और वहीदा रहमान की फिल्म गाइड ने न केवल बॉक्स ऑफिस पर नए कीर्तिमान स्थापित किए थे, बल्कि उदयपुर को पर्यटन के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया था। यह फिल्म आज भी फिल्म प्रेमियों की दिल में गहराई तक बसी हुई है। फिल्म की कहानी गीत-संगीत और फिल्मांकन अद्भुत थे। 'गाइड वंस अगेन' ने एक बार फिर से उसे फिल्म की याद को ताज किया और रंगमंच की ओर से फीचर फिल्म को अपनी ओर से भावांजलि अर्पित की।

MUNICIPAL COUNCIL LALSOT

NIB No:- NPL/DEV/2025-26/ 3438 Dated: 23-09-2025

NOTICE INVITING BID

NIB No. : NPL/Dev /2025-26/20

Online Bid is invited up-to 24.10.2025 , 06.00 PM for Construction of Drain, Construction of Road and Beautification Related Work under Chief Minister Budget Announcement No.- 219.10.00/2025-26 at Municipal Council Lalsot. Details may be seen in the Bidding Document at our office or the website of State Public Procurement Portal website www.sppp.rajasthan.gov.in and www.eproc.rajasthan.gov.in.

To participate in the bid, bidder has to be:

1. Registered on e-Procurement Portal of Government of Rajasthan www.eproc.rajasthan.gov.in for online e-Bid submission.

UBN No. DLB2526WLOB19554

Commissioner
Municipal council Lalsot

Raj.Samwad/C/25/11010

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर (राज.)

क्रमांक :- राजस्व/2025-26/858 दिनांक :- 29/09/2025

अल्पकालीन ई-निविदा आमन्त्रण सूचना संख्या ई-04/2025-26/829 की संशोधित सूचना

कार्य का नाम :– नगर निगम, उदयपुर द्वारा दीपावली मेला 2025 में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन हेतु।

नगर निगम, उदयपुर द्वारा जारी अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–ई–04/2025–26/829 दिनांक 22.09.2025 UBN No. UNP2526SLOB00091 की संशोधन सूचना (Corrigendum Notice) का अवलोकन इंटरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर किया जा सकता है। निविदा जमा कराने की अंतिम दिनांक 03.10.2025 समय दोपहर 01:00 बजे तक की जाती है।

आयुक्त
नगर निगम, उदयपुर

राज.संवाद/सी/25/11103

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता एवं परियोजना प्रबंधक वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर जिला परिषद जालोर

क्रमांक :- एफ ( )/निविदा/2025-26/1925 दिनांक :- 25/09/2025

NOTCE INVITING BID

NIT No. 29/2025-26

Bids for NRM Works Under PMKSY-2.0 project area in Ahore of estimated Value INR 136.27 Lacs are invited from interested bidders Up to 3.00 PM 15/10/2025, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https//eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp. rajasthan.gov.in/) of the state.

NIT NO.	Work Name & Block	NIB No.	UBN No.
NIT-29/2025-25	Khadin Farm Pond and Tanka (Ahore)	WSC2526A0779	WSC2526WSRC01352

SE & PMWCDC,
ZILA PARISHAD
JALORE

Raj.Samwad/C/25/11083

OFFICE OF EXECUTIVE ENGINEER FIELD MECH. DIVISION-II IGNP BIKANER

e-mail:- xenfmd2@rajasthan.gov.in Tel:0151-2226431

No: 812 Date: 23.09.2025

Notice Inviting Bid

Bids for (1) Rewinding of 2 Nos (700 KW) HT induction motor at PS-III and PS IV. Servicing & Overhauling 3 Nos. (700 KW) of HT induction Motor at PS-III and PS-IV, 2 Nos. (275 KW) of HT induction Motor at PS-II and 2 Nos. (200 KW) of HT induction Motor at PS-I. at Dr. Karni Singh Lift Scheme during year 2025-26. (approx. value Rs. 64.44 lacs)

(2) Supply, Replacement, Trial run and Commissioning of 2 Nos 415 V LT panel at PS-III and PS-IV. Supply, installation and testing of CCTV camera at PS-I to PS-VI. Supply, installation and testing of Inverter at PS-I and PS-V. Supply of spare parts for Vertical Turbine pump, 6.6 KV HT panel, 6.6 KV HT motor, 415 V LT panel, transformer, cranes. Rolling Shutter Gates, Supply, installation and testing of exhaust fan, street light, switch, MCB, fan etc at Dr. Karni Singh Lift Scheme during year 2025-26. (approx. value Rs. 68.12 lacs)

(3) Major servicing and overhauling of VT pump at PS-I to PS-II (2.81 cumec) and PS-III to PS-IV (3.14 cumec). Repairing of E.O.T Crane at PS-I to VI. at Dr. Karni Singh Lift Scheme during year 2025-26. (approx. value Rs. 22.18 lacs)

(4) Supply of spares part for VT pump, 415 V LT panel and 415V LT induction motor. Supply, installation and testing of CCTV camera at PS-I to PS-II. Supply, installation and testing of Inverter at PS-I. Supply, installation and testing of exhaust fan, street light, switch, MCB, fan etc. Servicing and overhauling of 4 Nos (55 KW) LT induction Motor at PS-I to PS-II. Repairing and overhauling of 2 Nos (55KW) VT pump with spares at PS-I to PS-II for Veer Tejaji (Bangarsar) Lift Scheme for the year 2025-26. (approx. value Rs.35.70 lacs)

are invited from eligible and interested bidders upto 01:00 PM dated 03.10.2025. Other particulars of the bids may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state and departmental website.

NIB No: IGB2526A0071

UBN: IGB2526WSOB00284, UBN: IGB2526WSOB00285, UBN: IGB2526WSOB00286, UBN: IGB2526WSOB00287

Executive Engineer
Field Mechanical Dn-II
IGNP Bikaner

DIPR/C/14293/2025

'राज्य सरकार की घोषणाओं को ज़मीन पर उतारना हमारी कार्य संस्कृति है'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने171 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने त्रिवेणी नगर आरओबी से गुर्जर की थड़ी तक बनने वाले एलिवेटेड रोड का शिलान्यास किया।

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि राजस्थान सरकार की कार्य संस्कृति का मूल आधार घोषणाओं को समयबद्ध रूप से धरातल पर उतारना है। उन्होंने बताया कि गत दो बजटों की 90 प्रतिशत घोषणाओं का सफल क्रियान्वयन राज्य सरकार ने सुनिश्चित किया है, जिससे प्रदेश में तेज़ी से विकास हो रहा है।

मुख्यमंत्री सोमवार को सांगानेर स्टेडियम में आयोजित लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह में बोल रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने लगभग 171

■ मुख्यमंत्री ने परियोजना स्थल पर मॉडल का अवलोकन कर अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए

करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार अंत्योदय के संकल्प के साथ प्रदेश को समग्र रूप से विकसित करने में जुटी हुई है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक राज्यभर में चल रहे 'सेवा पखवाड़ा' के अंतर्गत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सेवा शिविर लगाए जा रहे हैं, जिससे जनोपयोगी योजनाओं को त्वरित गति से आमजन तक पहुँचाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस अवसर पर सांगानेर क्षेत्र के लिए कई बड़ी सौगातों की घोषणा की। उन्होंने बताया कि सांगानेर फ्लाईओवर से चौरड़िया पेट्रोल पंप तक एलीवेटेड रोड, मानसरोवर में शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मिनी सचिवालय तथा खुली जेल के पास एक नए चिकित्सालय का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए यूनिटी मॉल का निर्माण किया जा रहा है, जिसके लिए 15,187 वर्ग मीटर भूमि आवंटित की गई है। यह मॉल स्थानीय कारीगरों और उद्यमियों को एक व्यापक मंच उपलब्ध कराएगा।

मुख्यमंत्री ने मेट्रो परियोजना के दूसरे चरण की भी जानकारी दी, जिसके तहत 12,000 करोड़ रुपये की लागत से सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र से विद्याधर नगर तक मेट्रो का विस्तार किया जाएगा। यह चरण दो प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों को जोड़ने में मदद करेगा। साथ ही, उन्होंने प्रतापनगर के कोचिंग हब में आईआईटी जोधपुर के कैंपस की स्थापना की भी घोषणा की।

कार्यक्रम में नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा, राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, सांसद मंजू शर्मा, जयपुर ग्रेटर महापौर सौम्या गुर्जर, उपमहापौर पुनीत कर्णावट सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 'सांगानेर - एक सम्पूर्ण परिक्रमा' पुस्तिका का विमोचन भी किया।

इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने त्रिवेणी नगर आरओबी से गुर्जर की थड़ी तक बनने वाले एलिवेटेड रोड का शिलान्यास भी किया। यह परियोजना जयपुर के यातायात व्यवस्था को नया आयाम देगी।

गोपालपुरा बाईपास, 10बी, न्यू सांगानेर रोड, रिद्धि-सिद्धि और गुर्जर की थड़ी जैसे भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों को राहत मिलेगी। साथ ही मानसरोवर, अजमेर रोड और मालवीय नगर के लिए कनेक्टिविटी में भी सुधार होगा।

इस एलिवेटेड रोड की कुल लंबाई 2160 मीटर और चौड़ाई 17.20 मीटर होगी। 218 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली इस सड़क में 88 पिलर्स होंगे। महेश नगर जंक्शन पर 20 मीटर लंबा अंडरपास प्रस्तावित है। सड़क के दोनों ओर सर्विस रोड, फुटपाथ, यूटिलिटी कॉरिडोर और ड्रेनेज सिस्टम भी बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने परियोजना स्थल पर मॉडल का अवलोकन कर अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए।

इन घोषणाओं और शिलान्यास कार्यक्रमों से स्पष्ट है कि राज्य सरकार प्रदेश के समग्र और संतुलित विकास के लिए प्रतिबद्ध है तथा जनता से किए गए वादों को धरातल पर उतारने के लिए तीव्र गति से कार्य कर रही है।

उपमुख्यमंत्री ने मुरलीपुरा में शहरी सेवा शिविर का निरीक्षण किया

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सोमवार को जयपुर के मुरलीपुरा जोन कार्यालय में आयोजित शहरी सेवा शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने शिविर स्थल पर विभिन्न विभागों की ओर से संचालित सेवाओं का अवलोकन किया और अधिकारियों से शिविर की कार्यप्रणाली की जानकारी ली। साथ ही, उन्होंने वहां मौजूद नागरिकों से भी संवाद किया और उनकी समस्याएं तथा अनुभव सुने।

■ उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने नागरिकों से संवाद कर जाना सेवाओं का लाभ

निरीक्षण के दौरान उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि आमजन को सरकारी योजनाओं और सेवाओं का सीधा लाभ मिले और उन्हें कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें। उन्होंने कहा कि ऐसे सेवा शिविर सरकार की सेवा भावना और आमजन के प्रति जवाबदेही को दर्शाते हैं। दिया कुमारी ने कहा, शहरी सेवा शिविरों के माध्यम से सरकार जनता तक सीधे पहुंच रही है।

वर्षों से परेशान लोग जिनकी समस्याएं लंबित थीं, उनका समाधान अब मौके पर ही किया जा रहा है। यह पहल एक प्रभावी और संवेदनशील प्रशासन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। शिविर में नागरिकों को जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र, वृद्धावस्था और विधवा पेंशन, निशुल्क बिजली-पानी योजना, पट्टों का वितरण, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी 1.0 और 2.0), खाद्य सुरक्षा योजना और स्वनिधि योजना सहित अनेक सेवाएं एक ही स्थान पर प्रदान की गईं। इससे नागरिकों को विभिन्न कार्यालयों के चक्कर लगाने की बजाय एक ही स्थान पर सभी सुविधाएं उपलब्ध हो सकीं।

कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री ने स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने का भी आग्रह किया और नागरिकों से विदेशी उत्पादों के स्थान पर स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग से न केवल देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होते हैं। सरकार की यह पहल जमीनी स्तर पर प्रभावशाली सिद्ध हो रही है।

मुख्यमंत्री को दिया 251 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आमंत्रण

जयपुर। गायत्री परिवार राजस्थान से समन्वयक ओम प्रकाश अग्रवाल की अगुवाई गायत्री परिवार के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा से मिलकर भरतपुर के नदबई में 24 से 27 दिसंबर तक होने वाले 251 कुंडीय राष्ट्र जागरण गायत्री महायज्ञ के लिए आमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री ने आयोजन में आने की सहमति दी।

गायत्री परिवार राजस्थान से समन्वयक ओम प्रकाश अग्रवाल, गायत्री शक्तिपीठ पुष्कर से श्याम सिंह, शांतिकुंज प्रतिनिधि रवि इंदौरिया, नंदराम शर्मा, दुलीचंद, गायत्री परिवार नदबई के मुख्य ट्रस्टी राधे लाल गुप्ता ने मुख्यमंत्री को मां गायत्री माता की चादर ओढ़ाकर अभिनंदन किया।

पुरस्कार वितरण समारोह का समापन

जयपुर। राजभाषा हिन्दी को बढ़ावा देने एवं रोजमर्रा के सरकारी कार्यों में हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करने की दृष्टि से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बीएसएनएल के जयपुर स्थित सभी कार्यालयों में हिन्दी पखवाड़ा संयुक्त रूप से कार्यालय प्रधान महाप्रबंधक दूरसंचार जिला जयपुर में मनाया गया। आज हिन्दी पखवाड़े का समापन समारोह आयोजित किया गया इस अवसर पर कार्यालय प्रधान महाप्रबंधक दूरसंचार जिला जयपुर के सभागार में एक कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धा आढ़ा पी के मस्त, किशोर पारीक ने अपनी कविताओं से श्रोताओं को गुदगुदाया। कार्यक्रम के अध्यक्ष मुख्य महाप्रबंधक विक्रम मालवीय ने अपने उद्बोधन में हिन्दी भाषा की प्रासंगिकता व व्यापकता पर प्रकाश डाला तथा हिन्दी भाषा में प्रयोग किये जा रहे नये वैज्ञानिक टूल्स के अधिकाधिक उपयोग करने की सलाह दी ताकि काम में सहजता, सरलता और गति बने रहे।

पुलिस महानिदेशक ने रेंज स्तर के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की

जयपुर । राजस्थान में अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था की स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने सोमवार को पुलिस मुख्यालय में रेंज स्तर के अधिकारियों, रेंज प्रभारियों एवम पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक व्यापक समीक्षा बैठक की। सुबह 11:30 बजे शुरू हुई यह बैठक देर शाम तक चली, जिसमें प्रदेश के सभी रेंज, जिलों और कमिश्नरेट के समस्त पुलिस कार्यों, गतिविधियों व कमियों का गहनता से आंकलन किया गया।

■ बैठक में अजमेर, बीकानेर, भरतपुर, जयपुर, जोधपुर, कोटा और उदयपुर रेंज के साथ-साथ जयपुर और जोधपुर कमिश्नरेट की प्रगति रिपोर्ट तथा पुलिस कार्यकलापों पर विस्तार से चर्चा हुई

बैठक के शुरुआत में अजमेर, बीकानेर, भरतपुर, जयपुर, जोधपुर, कोटा और उदयपुर रेंज के साथ-साथ जयपुर और जोधपुर कमिश्नरेट की प्रगति रिपोर्ट तथा पुलिस कार्यकलापों पर विस्तार से चर्चा हुई। सभी ने अपने क्षेत्र में दर्ज मामलों, लंबित जांचों की स्थिति और अपराध नियंत्रण के लिए अपनाई गई नई रणनीतियों का ब्यौरा डीजीपी को सौंपा। डीजीपी शर्मा ने कहा कि हमारी प्राथमिकता सिर्फ अपराधों को कम करने पर ही नहीं बल्कि केस निस्तारण की गुणवत्ता और आमजन के प्रति संवेदनशील व्यवहार और उनकी समस्याओं के निस्तारण पर भी होनी चाहिए।

दोपहर पश्चात बैठक में आधुनिक पुलिसिंग मानक प्रक्रियाओं और तकनीकी समावेशन पर विस्तार से चर्चा हुई। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध दिनेश एमएन ने स्मार्ट पुलिसिंग के प्रभाव पर बात की और बताया कि कैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग दोषमुक्ति के फैसलों के विश्लेषण के लिए किया जाएगा ताकि अनुसंधान में रह जाने वाली कमियों का पता लगाया जा सके और इन कमियां को दूर करके अनुसंधान की गुणवत्ता बढ़ाई जा सके।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस ट्रैफिक लता मनोज ने राज्य की यातायात व्यवस्था एवम उनके सुधार पर प्रस्तुति दी तथा ट्रैफिक नियमों की पालना करवाने पर जोर दिया जिससे दुर्घटनाओं व दुर्घटनाओं से मृत्यु में कमी आ सके। तत्पश्चात जयपुर रेंज आईजी राहुल प्रकाश ने लेन ड्राइविंग अनुशासन लागू करवाने के प्रयासों को साझा किया।

समीक्षा बैठक में साइबर क्राइम ब्रांच ने बढ़ते डिजिटल खतरों से निपटने की रणनीति, न्यू क्रिमिनल लॉ के क्रियान्वयन और राष्ट्रीय डेटा प्रणालियों के साथ पुलिसिंग को जोड़ने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया।

देवनानी ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को दी भावभीनी विदाई

देवनानी विधान सभा के उप सचिव प्रवीण कुमार मिश्रा व फोटो कॉपीयर सुरेश चन्द्र सैन के सेवानिवृत्ति समारोह को संबोधित किया।

जयपुर। विधान सभा अध्यक्षवासुदेव देवनानीने कहा है कि राज्य सेवा में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों कोगोपनीयता और निष्ठाकी भावना के साथ कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के मंदिर मानी जाने वाली विधान सभा की गरिमा को बनाए रखना

■ सेवानिवृत्त कार्मिकों कोसाफा पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया और उनके उत्कृष्ट सेवाकाल के लिए शुभकामनाएं दीं

हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। देवनानी सोमवार को विधान सभा केउप सचिव प्रवीण कुमार मिश्रा और फोटो कॉपीयर सुरेश चन्द्र सैन के सेवानिवृत्ति समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने सेवानिवृत्त कार्मिकों कोसाफा पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया और उनके उत्कृष्ट सेवाकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। अध्यक्ष ने कहा,"जो कर्मी समय पालन, ईमानदारी और संस्था के प्रति समर्पण को अपने स्वभाव में ढालते हैं, वे ही संस्था को ऊंचाइयों तक पहुंचाते हैं। राजस्थान विधान सभा देश की सर्वश्रेष्ठ विधान सभाओं में से एक है और इसे श्रेष्ठ बनाए रखने में यहां के प्रत्येक कर्मचारी का योगदान महत्वपूर्ण है।

देवनानी ने कहा कि विधान सभा में कार्य करना एकसौभाग्यहै, जहां विधायकों के साथ सीधा संवाद स्थापित होता है। उन्होंने कर्मचारियों सेसकारात्मक दृष्टिकोण और सहभागिताके साथ कार्य करने का आव्हान किया, जिससे संस्था के हित में सामूहिक प्रयास संभव हो सके। समारोह में विधान सभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के. के. शर्मा, वरिष्ठ उप सचिव पुरुषोत्तम शर्मा, कर्मचारी सहकारी साख समिति के अध्यक्ष रवि जैन, सहित अनेक अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में देवनानी ने सभी उपस्थितजनों को नवरात्रा और विजय दशमी की शुभकामनाएं भी दीं।

बदमाशों ने शॉप में घुसकर दुकानदार से की मारपीट

जयपुर। भट्टा बस्ती थाना इलाके में कुछ बदमाशों ने एक जुट होकर मोबाइल शॉप के मालिक से जमकर मारपीट करते हुए दुकान में तोड़फोड़ कर दी। मौके पर भीड़ जमा होती देख बदमाश मौके से फरार हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने पीड़ित के बयानों व सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मारपीट का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरु कर दी है।

पुलिस ने बताया कि थाना इलाके में स्थित संजय नगर निवासी समीर अहमद (26) ने मामला दर्ज कराया है कि शास्त्री नगर हाउसिंग बोर्ड में उसकी गुलाब कम्युनिकेशन के नाम से मोबाइल की दुकान है। रविवार दोपहर को वह दुकान पर काम कर रहा था। तभी पड़ोस में रहने वाले मोहम्मद आरीफ, अदनान व अकबर अपने साथियों के साथ शॉप पर आकर गाली-गलौच करने लगे। डंडे व सरिए से लैस होकर आए हमलावरों ने शॉप के बाहर लगे बोर्ड व पोस्टर फाड़ दिए।समीर ने जब इस बात का विरोध किया तो आरोपियों ने पड़ोसी कपड़े की दुकान में ले जाकर उसके साथ जमकर मारपीट की। मारपीट के दौरान पड़ोसी की दुकान में काफी नुकसान हुआ।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जमवाय माता के दर्शन किए

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने माँ जमवाय माता से प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली के लिए प्रार्थना की।

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज जमवारामगढ़ स्थित प्रसिद्ध जमवाय माता मंदिरपहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की। उन्होंने माँ जमवाय माता से प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली के लिए प्रार्थना की। नवरात्रि के पावन अवसर पर मंदिर में दर्शन करने के बाद उपमुख्यमंत्री ने कहा किमाँ जमवाय माता की कृपा से प्रदेश में सदैव सुख, शांति और समृद्धि बनी रहे। माँ सबकी मनोकामनाएं पूर्ण करें।

इस अवसर पर उन्होंने आमजन कोनवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएंदेते हुए सभी से सामाजिक समरसता एवं आध्यात्मिक एकता को बनाए रखने की अपील की।

श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उपमुख्यमंत्री ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

साथ ही, उन्होंने मंदिर परिसर के आसपासउचित पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करनेके भी निर्देश दिए। मंदिर परिसर में उपमुख्यमंत्री के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी तथा श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सार-समाचार

जावेद सलीम को सचिव के पद पर नियुक्त किया

जयपुर । गोविन्द सिंह डोटासरा, अध्यक्ष, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी, राजस्थान के अनुमोदन उपरान्त पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ की नव प्रदेश कार्यकारिणी एवं जिलाध्यक्षों को पदों पर तत्काल प्रभाव से नियुक्त किया गया हैं, कार्यकारिणी में जावेद सलीम को सचिव के पद पर नियुक्त किया।

दो बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। कोटखावदा थाना पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में दो बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से दो टोपीदार बंदूक बरामद की है। पुलिस दोनो बदमाशों से गहनता से पूछताछ करने में जुटी है। पुलिस उपायुक्त रार्षि राज ने बताया कि जयपुर दक्षिण इलाके में वांछित बदमाशों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया गया। जिसमें विशेष टीम ने तकनीकी सहायता व मुखबिर की सूचना पर आरोपी युवराज राजवंश (19) पुत्र चेतन कुमार छाडी, शिवपुरी कॉलोनी कोटखावदा व सुजल पाटीदार (21) पुत्र सोनू पाटीदार नैनुपुरा मोंड ,कोटखावदा निवासी को अलग-अलग टोपीदार बंदूक के साथ अवैध फायर आर्मस के तहत गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि दोनो बदमाशों ने अपने मौज-शौक के लिए छोटे जंगली जानवरो तीतर,बटेर के शिकार करने के लिए खरीदी थी।

दुपहिया वाहन चोर गिरफ्तार

जयपुर। ट्रांसपोर्ट नगर थाना पुलिस ने दुपहिया वाहन चोरी करने वाले शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी की बाइक भी बरामद की है। पुलिस गिरफ्तार आरोपी से अन्य वाहन चोरी की वारदात और गिरोंह के अन्य लोगों के बारे में गहनता से पूछताछ करने में जुटी है। पुलिस ने संभावना जताई है कि आरोपी से अन्य वाहन चोरी की वारदता खुल सकती है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व संजीव नैन ने बताया कि इलाके में बढ़ती वाहन चोरी और नकबजनी की वारदातों पर अकुंश लगाने के लिए सघन गश्त करने के सख्त निर्देश दिए गए थे। मोहम्मद अमन (21) पुत्र मोहम्मद अयुब ,करीम नगर विस्तार जगतपुरा रोड, खोह नागोरियान को दस्तयाब कर कर गहनता से पूछताछ की। पुलिस पूछताछ में आयोनी ने आजाद नगर मस्जिद के बार से बाइक चोरी करना स्वीकार कर लिया।

सहायक पुलिस उपनिरीक्षक चालीस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो(एसीबी) की भरतपुर टीम ने सोमवार को कार्रवाई करते हुए पुलिस थाना भुसावर जिला भरतपुर में पदस्थापित सहायक पुलिस उप निरीक्षक (एएसआई) उदयसिंह को परिवादी के रिश्तेदार के घर पर चालीस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी भरतपुर टीम को परिवादी ने शिकायत दी कि उसकी और उसके परिवारजनों की जमीन के विवाद के कारण एसडीएम भुसावर द्वारा जमीन को राज्य सरकार के अधीन लेने के लिए पुलिस थाना भुसावर से रिपोर्ट चाही गई थी। उदयसिंह ने उक्त रिपोर्ट को परिवादी के पक्ष में तैयार कर देने की एवज में चालीस हजार रुपये की रिश्वत की मांग की। जिस पर कार्यवाही करते हुए सहायक पुलिस उप निरीक्षक (एएसआई) उदय सिंह को चालीस हजार रुपये की रिश्वत लेते पकड़ा है।

उप मुख्यमंत्री ने किया पुस्तक का विमोचन

जयपुर। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सोमवार को सड़क सुरक्षा नियमों से संबंधित' सड़क सुरक्षा व्यापक दृष्टि ' शीर्षक पुस्तक का विमोचन किया। इस पुस्तक को पीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता (गुण नियंत्रण)जसवंत खत्री के निर्देशन में अतिरिक्त मुख्य अभियंता कपिल वर्मा द्वारा सम्पादित किया गया है उप मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर पुस्तक के संपादक मंडल को बधाई देते हुए कहा की सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाने में यह पुस्तक बहुत उपयोगी साबित होगी । इस अवसर पर उन्होंने सुरक्षित सड़क मार्ग (सुसमा) अभियान के दौरान एकत्रित डेटा, अनुभवों एवं फीडबैक आधार पर संकलित की गई पुस्तक का भी विमोचन किया ।

जीएसटी में कमी से 600 रुपए तक सस्ते हुए सरस उत्पाद : डेयरी मंत्री

जोराराम कुमावत ने सचिवालय सरस पार्लर का उद्घाटन किया ।

जयपुर। केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी की दरों में कटौती करने से अब उपभोक्ताओं को सरस के उत्पाद भी सस्ती दरों पर मिलने लगे हैं। यह बात डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही। जयपुर डेयरी द्वारा सचिवालय परिसर में

■ प्रबंध संचालक श्रुति भारद्वाज ने जीएसटी बचत उत्सव पोस्टर का विमोचन कर मंत्री कुमावत ने दीवार पर चस्पा किया

स्थापित सचिवालय सरस पार्लर का भव्य उद्घाटन राजस्थान सरकार के पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने फीता काटकर किया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि जहां पहले ट्रेटा पैक दूध व पनीर पर जीएसटी 5 प्रतिशत लगती थी, अब इसे जीएसटी से मुक्त कर दिया गया है। इसके अलावा घी, बटर, फ्लैवर्ड मिल्क पर जीएसटी 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दी गई, जिससे अब 15 किलो सरस घी का टीन जहां 600 रुपए सस्ता हो गया है, वहीं, फ्लैवर्ड मिल्क तीन रुपए, टेबल बटर 100 ग्राम चार रुपए, टेबल बटर 500 ग्राम 18 रुपए, पनीर 200 ग्राम तीन रुपए तथा एक किलो 18 रुपए तक सस्ता मिलने लगा है। ऐसा होने से सरस के उत्पादों की बिक्री में बढोतरी होगी, साथ ही दीपावली पर ग्राहकों पर उच्च क्वालिटी के साथ-साथ सरस के उत्पाद सस्ते भी मिल सकेंगे।

इस दौरान मुख्य अतिथि जोराराम कुमावत व विशिष्ठ अतिथि के रूप में मौजूद डॉ. कृष्णकान्त पाठक, शासन सचिव कार्मिक विभाग, डॉ. समित शर्मा शासन सचिव पशुपालन मत्स्य एवं गोपालन विभाग तथा राजस्थान कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन की प्रशासक एवं प्रबंध संचालक श्रुति भारद्वाज ने जीएसटी बचत उत्सव पोस्टर का विमोचन कर मंत्री कुमावत ने दीवार पर चस्पा किया।

रेंजर को निलंबन अवधि का वेतन व अन्य परिलाभ देने का निर्देश

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने वन विभाग में कार्यरत रहे रेंजर को उसकी निलंबित अवधि का वेतन व अन्य परिलाभ देने का निर्देश दिया है। वहीं राज्य सरकार के 10 अप्रेल 2006 के उस आदेश को मनमाना करार देते हुए रद्द कर दिया जिसमें बिना जांच किए ही कर्मचारी का वेतन व परिलाभ रोक लिए थे।

■ राजस्थान हाईकोर्ट ने वन विभाग में कार्यरत रहे रेंजर को उसकी निलंबित अवधि का वेतन व अन्य परिलाभ देने का निर्देश दिया

जस्टिस आनंद शर्मा ने यह आदेश रूपसिंह हरसाना की याचिका पर दिया। अदालत ने कहा कि राजस्थान सर्विस रूल्स के नियमों का प्रावधान केवल उन्हीं मामलों में लागू होता है, जहां विभागीय जांच पूरी होने के बाद कर्मचारी को दोषी ठहराया गया हो।जबकि इस मामले में जांच लंबित रहने के दौरान ही याचिकाकर्ता को अनिवार्य सेवानिवृत्ति दी है। ऐसे में राज्य सरकार का प्रार्थी के वेतन व अन्य परिलाभ रोकने का आदेश गलत है।

याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने बताया कि प्रार्थी के खिलाफ विभाग ने अनुशासनात्मक कार्रवाई के चलते चार्जशीट जारी की। उसे 22 जुलाई 1996 से 13 मई 1997 तक निलंबित रखा गया। वहीं जांच के दौरान 17 जून 2000 को राजस्थान सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1996 की धारा 53(1) के तहत उसे अनिवार्य सेवानिवृत्ति दे दी गई। वहीं बाद में विभागीय जांच बंद कर दी गई और प्रधान मुख्य वन संरक्षक ने प्रमाणपत्र जारी कर दिया कि उसके खिलाफ कोई जांच लंबित नहीं है, लेकिन फिर भी राज्य सरकार ने 10 अप्रैल 2006 के आदेश से उसे केवल निर्वाह भत्ता देने की बात कही और बाकी वेतन व लाभ रोक दिए।

इसे हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि जब प्रार्थी के खिलाफ चार्जशीट वापस ले ली है तो इस स्थिति में सरकार के पास निलंबित अवधि का वेतन रोकने का कोई अधिकार नहीं था। इसके विरोध में राज्य सरकार ने कहा कि उसे अनिवार्य सेवानिवृत्ति दी थी, इसलिए वे वेतन व परिलाभ प्राप्त करने का अधिकारी नहीं है।

सार-समाचार

'कार्यों व योजनाओं में प्रगति लाएं'

पाली, (नि.सं.)। जिला कलैक्टर एलएन मंत्री के निर्देशानुसार अतिरिक्त जिला कलैक्टर डॉ. बजरंग सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में एडीएम डॉ सिंह ने सभी विभागों के विभागीय कामों योजनाओं व की समीक्षा कर प्रगति लाने के निर्देश दिये। बैठक में उन्होंने फ्लैगशिप योजनाओं में जिन विभागों की योजनाएं शामिल है जिनमें ऊर्जा विभाग में कुसुम योजना के बारे में 33 केवीएस, लाडो प्रोत्साहन योजना में लाभान्वितों के कृषि व बागवानी में तारबंदी फार्म पौंड आदि में विभिन्न प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृतियां, फर्टीलाईजर की स्थिति के बारे में ग्रीन हाउस, ड्रीप योजना, शहरी व ग्रामीण सेवा शिविरों के बारे में जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिये। इसी प्रकार उन्होंने नगर निगम में प्रधानमंत्री आवास, मुख्यमंत्री स्वनिधी योजना, उद्योग में विश्वकर्मा व राइजिंग राजस्थान, पीएचईडी में जल जीवन मिशन, चिकित्सा व सार्वजनिक निर्माण विभाग, वन, शिक्षा मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान योजना, जल संसाधन की प्रगति के बारे में आवश्यक निर्देश दिये। बैठक में उन्होंने सामान्य दिनों के कामकाज के बारे में पानी, बिजली, सड़क अन्य विभागों के कामों के बारे में निर्देश दिये। इसी प्रकार सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों की समीक्षा कर उनके निस्तारण के लिये निर्देश दिये। इस अवसर पर सीईओ जिला परिषद मुकेश चौधरी, यूआईटी सचिव डॉ पूजा सक्सेना, नगर निगम आयुक्त नवीन भारद्वाज सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान

जोधपुर, (कासं)। मथुरादास माथुर चिकित्सालय के नेत्र विभाग में स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के अंतर्गत आज एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अधीक्षक डॉ. विकास राजपुरोहित, विभागाध्यक्ष डॉ. अरविंद चौहान, डॉ. पुनीत सिंह, डॉ. रमेश चोपड़ा एवं डॉ. सारिका ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान मरीजों की आंखों की जांच की गई तथा डायबिटीज से जुड़ी आंखों की समस्याओं और अन्य प्रारंभिक नेत्र रोगों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि आंखों में किसी भी प्रकार की तकलीफ होने पर लापरवाही न करें और तुरंत नेत्र चिकित्सक से परामर्श लें। इस अवसर पर डॉ. विकास राजपुरोहित ने नियमित नेत्र परीक्षण की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समय-समय पर जांच कराने से गंभीर बीमारियों से बचाव संभव है। वहीं, विभागाध्यक्ष डॉ. अरविंद चौहान ने मरीजों एवं परिजनों को संबोधित करते हुए जागरूकता ही स्वस्थ जीवन की कुंजी बताई और सभी से स्वास्थ्य संबंधी जांच समय पर करवाने की अपील की। विभाग के ओपीडी प्रभारी कविता शर्मा प्रमिला इशेरवाल हितेश शर्मिला व मुकेश भाटी भी उपस्थित रहे। अंत में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए डॉ. विकास राजपुरोहित ने उपस्थित मरीजों, उनके परिजनों एवं पूरे विभाग को शुभकामनाएं दी।

खेतेश्वर गुरुकुल सायला में कन्या पूजन

सायला, (निसं)। सायला नगर के श्री खेतेश्वर गुरुकुल में नवरात्रि के पावन अवसर पर कन्या पूजन कार्यक्रम का तहसीलदार सायला लक्ष्मी चौधरी और अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी जालौर लहरीराम की उपस्थिति में आयोजन किया गया। इस अवसर पर तहसीलदार लक्ष्मी चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि कन्याएं हमारी संस्कृति का गौरव हैं। उनकी शिक्षा और सम्मान समाज के विकास की नींव है। वही अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी लहरीराम ने गुरुकुल के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि श्री खेतेश्वर गुरुकुल न केवल शिक्षा का केंद्र है, बल्कि यह संस्कारों और नैतिक मूल्यों का भी संवाहक है। इसके बाद कन्या पूजन कार्यक्रम में गुरुकुल की छात्राओं को माता दुर्गा के स्वरूप के रूप में पूजा गया, जो भारतीय संस्कृति में नारी शक्ति के सम्मान का प्रतीक है। कार्यक्रम में गुरुकुल के अध्यक्ष जैताराम, सचिव मांगीलाल राजपुरोहित, बलवताराम आसाणा, मोहनलाल चौराऊ, जबराराम चौराऊ, पदमसिंह, सांवलाराम चौराऊ, खीमसिंह सायला, भोपालसिंह सायला आदि ने कन्याओं को तिलक लगाकर, उपहार देकर और उनकी शिक्षा व सशक्तिकरण के लिए प्रेरित करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में गुरुकुल के शिक्षकों और छात्र-छात्राओं ने भक्ति भजनों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से माहौल को और भी आध्यात्मिक बना दिया। यह आयोजन नवरात्रि के पावन अवसर पर कन्याओं के प्रति सम्मान और उनकी शिक्षा को बढावा देने का एक सशक्त संदेश देता है।

केलावा कला में 151 कन्याओं का पूजन

जोधपुर, (कासं)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय केलावा कलां में नवरात्रि के अवसर 151 कन्याओ का पूजन कर गिफ्ट व फल वितरित किए गए । गिफ्ट मे कन्याओं हेतु पेंसिल बॉक्स व शिक्षण सामठी दी गई । कन्याओं का पूजन विधि विधान से किया गया । प्रधानाचार्य व पी.ई.ई.ओ. डॉ. कंचन चारण ने नवरात्रि के महत्व व कन्या पूजन की महता की जानकारी बड़ी रोचक तरीके से दी । इस अवसर पर ग्रामीणजनों व भामाशाहो ने भाग लिया। भामाशाह शंकरलाल बिश्नोई, करनाराम मेघवाल, राजेंद्र सोनी ने बच्चों को आशीर्वाद दिया।प्रधानाचार्य डां . कंचन चारण ने बताया कि विद्यालय में प्रति वर्ष प्रत्येक त्यौहार व दिवस धूमधाम से मनाया जाता है। राष्ट्रीय स्वयं संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर हर घर तक संघ विचार जाये संघ गणवेश हो इस हेतु निरंतर प्रयास किया जा रहा है । प्रधानाचार्य डां . चारण ने बताया कि विद्यालय में सीसीटीवी कैमरे का कार्य भी पूर्ण हुआ। जिसका उद्घाटन ग्रामीण जनों द्वारा किया गया।

पिता-पुत्र पर हमले के चार आरोपी पकड़े

जोधपुर, (कासं)। प्रतापगर थाना क्षेत्र में नाइयों की बगेची के निकट रात के समय में पिता पुत्र का रास्ता रोककर हमला करने के आरोप में चार लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। प्रतापनगर पुलिस ने बताया कि शांतिप्रिय नगर मसूरिया निवासी राजकुमार पुत्र मोहनलाल वाल्मिकी की तरफ से केस दर्ज कराया गया था। इसमें बताया कि 28 सितंबर की देर रात दो बजे के आस पास नाइयों की बगेची के पास में लक्की तेजी, रोहित, शुभम उर्फ भीला, अंकित, तुषार आदि ने मिलकर परिवादी और उसके पुत्र पर हमला किया। जिससे वे जख्मी हो गए। दोनों का अस्पताल ले जाया गया। पुत्र को गंभीर चोट लगी थी। पुलिस ने बताया कि प्रकरण में अब लक्की तेजी, शुभम उर्फ भीला, अंकिम एवं तुषार को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों को शांतिभंग में हिरासत में लिया गया।

पाली की रोलर स्केटिंग टीम कोटा रवाना

पाली, (नि.सं.)। पाली जिला रोलर स्केटिंग संघ अध्यक्ष आनंद कवाड एवं मुख्य सचिव अजय शर्मा ने बताया कि 69 वीं जिला स्तरीय रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता में पाली जिले से 12 खिलाड़ी चयनित हुए जो की 30 सितंबर से 6 अक्टूबर तक कोटा में आयोजित होगी। जिसमें तीर्थ सियोल ,हरध्यांश भंडारी, प्रभाष राजपुरोहित, स्नेहा अजोदडा,जानवी राजपुरोहित, दिव्यंका विश्नोई, हार्दिक चौधरी, भाव्यांशु सीरवी, दीक्षत वैष्णव, अविका सोनी, स्त्राग्वि सोलंकी ,शानवी बालक बालिकाएं पाली टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए राज्य स्तरीय में 500 मीटर 1000 मीटर 2000 मी रेसेस में भाग लेकर पाली टीम का नाम रोशन करेंगे। अध्यक्ष आनंद कवाड ने बताया कि पाली टीम से दल प्रभारी के रूप में मधु चौधरी एवं प्रशिक्षक मोहम्मद हाशमी के सन्ग् टीम को करवाने किया गया।

भागवत कथा का पोस्टर का विमोचन

पाली, (नि.सं.)। नागा बाबा की बगीची गणेश मन्दिर पाली के पांडाल में 22 अक्टूबर से 28 अक्टूबर 25 तक भागवत कथा का आयोजन होगा। जिसमें पूज्य गोवत्स राधा कृष्ण जी महाराज के श्री मुख से भागवत कथा का वाचन होगा। भागवत कथा का आयोजन का पोस्टर विमोचन नागा बाबा बगेची जी के मंहत सुरेश गिरी महाराज के सानिध्य में हुआ। जिसमें विश्व हिंदू परिषद के प्रांत मंत्री परमेश्वर जोशी, सुरेश सर्राफ, गोपाल अग्रवाल, नेमीचंद लाड़, गंगाविशन सारड़ा, ललित शर्मा, विकास नागोरी,, रामगोपाल सर्राफ ,देवकीनंदन सरार्फ, माधुरी, भगवती सरार्फ, कल्पना, कविता, नीरज सरार्फ, अजय धनावत, त्रिलोक बिड़ला, मनीष बिड़ला,महेश बंसल, वेदप्रकाश गोयल सहित कई जने मौजूद रहे।

प्रतिभा खोज परीक्षा 5 अक्टूबर को

जालोर, (निसं)। शिक्षा के क्षेत्र में नई रोशनी और विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से संत श्री राजारामजी भविष्य ज्ञान ज्योति फाउंडेशन द्वारा आयोजित 12वीं राज्य स्तरीय भविष्य ज्ञान ज्योति प्रतिभा खोज परीक्षा इस वर्ष 5 अक्टूबर को होगी। फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं विकास अधिकारी सांवलाराम चौधरी ने बताया कि यह परीक्षा राजस्थान के 6 जिलों के 38 परीक्षा केंद्रों पर एक साथ सुबह 11 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक संपन्न होगी।

राजस्थान का खजुराहो किराडू आकर्षण का केंद्र बना

बाड़मेर, (नि.सं.)। मालाणी महोत्सव के समापन समारोह के दौरान कलाकारों ने बेहतरीन सांस्कृतिक प्रस्तुतियों देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान राजस्थान का खजुराहो कहा जाने वाला किराडू आमजन के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा।

इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के. विश्नोई ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के साथ पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए है। विश्नोई ने कहा कि मालाणी महोत्सव सीमांत बाड़मेर जिले की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने की अभिनव पहल है। किराडू जैसे बेहद अदभूत स्थान पर लोक कलाकारों, पुरातन संस्कृति को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का मार्गदर्शन एवं उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी की इच्छा शक्ति की बदौलत मालाणी महोत्सव का आयोजन हुआ है। उन्होंने कहा कि किराडू ऐतिहासिक स्थान है, जहां पुराने समय में विदेशों से व्यापारिक मार्ग का जुड़ाव रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से विदेशों से पुरातन संपदा रूपी मूर्तियों को वापिस भारत लाया गया। राजस्थान संगीत नाटक अकादमी की ओर से किराडू में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इससे पुरा महत्व के स्थलों के प्रचार प्रसार के साथ कलाकारों को प्रोत्साहन मिलेगा।

समाजसेवी सतीश पूनिया ने राज्य सरकार की अभिनव पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत को प्रोत्साहन मिलेगा। समाजसेवी स्वरूपसिंह खारा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि राज्य सरकार पुरा संपदा के संरक्षण के लिए तत्पर हैं। मालाणी महोत्सव के जरिए स्थानीय सांस्कृतिक विरासत को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया है।

मालाणी महोत्सव के समापन समारोह के दौरान चौहटन विधायक आदूराम मेघवाल, बाड़मेर विधायक डॉ. प्रियंका चौधरी, जिला कलैक्टर टीना डाबी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि कुमार, अतिरिक्त जिला कलैक्टर राजेन्द्रसिंह चांदावत, समाजसेवी दीपक कड़वासरा, दिलीप पालीवाल, प्रधान रूपाराम सारण, महावीर सिंह चूली, चेलाराम सारण, रामसर उपखंड अधिकारी रामलाल मीणा, गुड़ामालानी उपखंड अधिकारी केशव मीणा, राजस्थान संगीत नाटक अकादमी के सचिव शरद व्यास, तहसीलदार तनसिंह, विकास अधिकारी विक्रम जांगिड समेत विभिन्न जन प्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी एवं आमजन उपस्थित रहे। मालाणी महोत्सव के आयोजन के दूसरे दिन रविवार को शास्त्रीय गायक हुल्लास पुरोहित-राग पुरिया धनाश्री तथा दादु वाणी के भजनों, सुश्री सुनयना पुरोहित ने भरतनाट्ययम् नृत्य के अंतर्गत कृष्ण लीला, जयपुर की प्रख्यात कत्थक नृत्यांगना सुश्री सिमरन भगतानी ने शिव स्तुति, पारंपरिक कत्थक, शास्त्रीय गायक अनुपराज पुरोहित ने राग मांड, कबीर निर्गुण पद के भजनों की प्रस्तुति दी। श्रीमती प्रेरणा राठी के दल ने कत्थक नृत्य एवं मांड गायन पर नृत्य, मिट्ठू खान बड़नावा जागीर दल एवं गफूर खान झाफली के दल ने लंगा गायन, तगाराम मेघवाल गेर नृत्य दल मोतीसरा ने गेर नृत्य की प्रस्तुति दी।

इसी तरह अप्पा नाथ कालबेलिया दल ने कालबेलिया नृत्य की प्रस्तुति देकर दर्शकों को झूमने पर लालायित कर दिया। इस दौरान किराडू मंदिर में महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से आकर्षक रंगोलियों का निर्माण करवाया गया।

असफलताएं भी कुछ सीख देती है : सुमति मुनि

जोधपुर, (कासं)। श्रीमद् उत्तराध्ययन के नवम् अध्याय की विवेचना करते हुए चोरड़िया भवन में विराजित सुमति मुनि ने कहा कि परीक्षा में भी हमे शिक्षा मिलती है। परीक्षा की असफलताएं भी कुछ ना कुछ सीख देती है। जीवन में परीक्षा आती रहती है। हिम्मत के साथ उसका सामना करना चाहिए।

मुनि ने कहा कि किसी भी स्थिति का हेतु एवं कारण जानो। राग-द्वेष के कारण वेदना आती है। जीवन में कोई तकलीफ होती है तो मनन करे कि यह पीड़ा किस कारण से आयी है।

अनुभूति, शरीर, मन आदि की क्या स्थिति है एवं इस तकलीफ से मुक्ति व शांति कैसे होगी। उस उदय में सिर्फ वेदना का स्मरण करते, शरीर की तरफ ही ध्यान रहता है। जिसको हम याद करते हैं,वही हमारी मन स्थिति पर छा जाता है। उस समय आत्मा चिंतन करे स्वस्थ होते ही धर्मध्यान में विशेष पुरुषार्थ करुंगा। बोध प्राप्त होने पर स्वयं आगे बढ़ कर भोगों का त्याग करें। मुनि श्री ने कहा कामनाओं से संसार बढ़ता है।

इससे पूर्व साध्वी ने अपने प्रवचन में कहा कि मोहनीय कर्म बंध से आये कर्म के कारण चिंता करने से आपकी चिंता और बढ़ जायेगी, नयी चिंताओ का जन्म होगा। क्या आपकी मां ने चिंता करने के लिए जन्म दिया? आपके जन्म से आपकी मां खुश थी तो फिर आज चिंता कर अपनी माता की क्यों चिंता प्रदान कर रहे है। दिल और दिमाग दोनों को साथ रखने से चिंता होती है। हाथ में आया अवसर नहीं गंवाना गंवाना चाहिए। वर्तमान का आनन्द लें।

संघ अध्यक्ष देवराज बोहरा, मंत्री माणक ललवानी अशोक बोहरा ने बताया कि संघ के सानिध्य में आयंबिल तप से ओली तप की आराधना ज्ञान भक्ति से शुरु हुई। आराधना 7 अक्टूबर तक रहेगी । प्रतिक्रमण शिविर के चतुर्थ दिवस में गुरु वन्दन विधि का विवेचन किया। शिविर का समापन मंगलवार को पारितोषिक के साथ किया जाएगा।

विक्रम करणोत क्षेत्रिय सचिव बने

जालोर, (कासं)। महावीर इंटरनेशनल ने एक बार पुनः आहोर से विक्रमसिंह करणोत को संस्थान की केन्द्रीय कार्यकारिणी में स्थान देकर क्षेत्रिय सचिव मनोनीत किया।

संस्थान के नव निर्वाचित अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष सी.ए.वीर अनिल जैन ने बताया कि करणोत क्षैत्रिय सचिव रिजन -4 का दायित्व संभालेंगे, जिसमें इनके अधीन उदयपुर संभाग ,डूंगरपुर-बांसवाडा संभाग एवं जालोर-सिरोही संभाग रहेंगे।

करणोत पूर्व में भी इस संगठन में जोन चेयरमैन, गवर्निंग काउंसिल मेंबर एवं रिजनल सचिव जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं, इसके अलावा भी वे कई सामाजिक संगठनों से जुडे रहे है। जिससे इनके अनुभव का संगठन को लाभ मिलेगा।

जोधा ने धरने की चेतावनी दी

पोकरण, (कासं)। पोकरण के समाजसेवी एवं पशु-पक्षी, पर्यावरण तथा जल संरक्षण की मुहिम चलाने वाले बलवंत सिंह जोधा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकार और प्रशासन से मांग की है कि न्यायालय के आदेशों की पालना करते हुए तय समय सीमा में ओरण, गोचर, तालाब, नाडी, आगोर, चारागाह एवं डोली की जमीन को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज किया जाए।

उन्होंने कहा कि यदि आगामी 15 दिनों में उचित कार्यवाही नहीं की गई तो उपखंड कार्यालय के सामने धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। पर्यावरण प्रेमी, व जल संरक्षण की मुहीम चलाने वाले जोधा ने जिले की नदियों, तालाबों, नाडयों, चारागाहों के साथ ही ऐतिहासिक धरोहरों - छतरियां एवं देवल - को भी सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज कर संरक्षित करने की मांग उठाई।

लक्ष्मीनाथजी को ओरण प्रेमियों ने अर्जी दी

जैसलमेर, (नि.सं.)। पारंपरिक जल स्त्रोतों और गोचर तालाबों के संरक्षण को लेकर जैसलमेर में ओरण प्रेमियों ने अनोखी पहल की है। प्रशासन के कथित ढुलमुल रवैये से आहत इस समूह ने धरना स्थल से पैदल नंगे पांव सोनार दुर्ग स्थित लक्ष्मीनाथ मंदिर तक जाकर भगवान श्री लक्ष्मीनाथ के नाम ज्ञापन भेंट किया।

ज्ञापन में प्रमुख रूप से यह मांग की गई है कि जैसलमेर के ओरण और गोचर तालाबों को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज किया जाए, ताकि इन जलस्त्रोतों का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके और भविष्य में किसी भी प्रकार के अतिक्रमण या अनियमित उपयोग को रोका जा सके। साथ ही प्रशासन को सदबुद्धि देकर ओरण के महत्त्व को समझाने की भी अरदास की गई।

ओरण प्रेमियों का कहना है कि यह कदम प्रशासन को जागरूक करने और पारंपरिक जलस्त्रोतों के महत्व को उजागर करने का सांस्कृतिक प्रयास है। धरना स्थल से पैदल चलकर मंदिर पहुंचे प्रेमियों ने लाल पैन से लिखे ज्ञापन को भगवान के दर पर रखकर अपनी मांगें रखी। उन्होंने कहा कि ओरण और गोचर तालाब जैसलमेर की पारंपरिक जल नीति का अभिन्न हिस्सा हैं। इनका संरक्षण केवल पानी की उपलब्धता के लिए ही नहीं, बल्कि स्थानीय जीवनशैली और जैव विविधता के लिए भी आवश्यक है।

विशेषज्ञों का कहना है कि जैसलमेर जैसे रेगिस्तानी क्षेत्र में ओरण और गोचर तालाब वर्षा जल संचयन और गर्मियों में जल आपूर्ति बनाए रखने में मदद करते हैं। यदि इन्हें संरक्षण का आधिकारिक दर्जा नहीं दिया गया, तो आने वाले समय में जल संकट, पारंपरिक जीवनशैली और जैव विविधता पर गंभीर असर पड़ेगा।

वरिष्ठजन चम्पालाल ने बताया कि जैसलमेर के आराध्य श्री लक्ष्मीनाथ के दरबार में पूर्व में महारावल गिरधरसिंह ने नंगे पैर आकर दर्शन कर अकाल के दौरान अरदास कर गड़ीसर सरोवर को बरसात करवा कर भरवा दिया था।

सोनी व बंजारा का अभिनंदन किया

भीनमाल, (निसं)। स्थानीय नीम गोरिया क्षेत्रपाल मंदिर परिसर में अखिल भारतीय महाकवि माघ विकास संस्थान मुख्यालय भीनमाल की ओर से क्षेमंकरी माताजी ट्रस्ट के नव मनोनीत अध्यक्ष कोलचन्द सोनी, नीम गोरिया क्षेत्रपाल ट्रस्ट के नव मनोनीत अध्यक्ष प्रेमाराम बंजारा का नीम गोरिया क्षेत्रपाल मंदिर परिसर में रविवार सायं को श्रीफल, अंग वस्त्र, शॉल, साफा व माल्यार्पण कर नागरिक अभिनंदन किया गया।

कार्यकारिणी सदस्य नैनाराम चौहान, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राव पहाडसिंह, कोषाध्यक्ष कपुरचंद जीनगर व पारसमल घांची का भी माला, साफा व श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया।

संस्थान के जन संपर्क प्रमुख माणकमल भंडारी ने दोनो अध्यक्षों का शुभकामनाएं ज्ञापित की। संस्थान के सदस्य डॉक्टर अक्षय बोहरा व डॉक्टर जगमाल चौधरी ने कहा कि हमे पूर्ण विश्वास है कि ट्रस्ट निर्बाध रूप से उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर होगा। संस्थान के दिनेश कुमार दवे ने कहा की संस्थान ट्रस्ट के साथ जनोपयोगी कार्य जन सेवा को नवोन्मेषी भाव के साथ तत्पर रहेगा। डॉ घनश्याम व्यास ने ट्रस्ट से निवेदन किया की शिक्षा व सह शैक्षिक गतिविधियों में भी कार्य करें।

इस अवसर पर मालाराम चौधरी नवापुरा चोपावतान, महेंद्र शर्मा, वासुदेव अवस्थी, मांगीलाल गहलोत, नरोत्तम लाल त्रिवेदी, केसाराम देवासी, डॉक्टर अक्षय बोहरा, डॉक्टर जुगमल राम चौधरी, गोपाल चंद्र जीनगर, कपुरचंद्र जीनगर, मालाराम पाविया चौधरी, डॉक्टर जितेंद्र गोयल सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ घनश्याम व्यास ने किया।

प्रतिभा दिखाई

जालोर, (कासं)। सायला की ओर से भारत को जानो प्रतियोगिता के द्वितीय चरण में प्रश्न मंच (क्विज) प्रतियोगिता का आयोजन सोमवार को उम्मेदाबाद स्थित मॉडर्न पब्लिक माध्यमिक विद्यालय रामनगर में विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग के मुख्य आतिथ्य में किया गया। अध्यक्षता भारत विकास परिषद् के पूर्व प्रान्तीय उपाध्यक्ष पदमाराम चौधरी ने की।

एकता मंच ने कन्याओं को भोजन कराया, उपहार दिए

जोधपुर, (का.सं.)। जोधपुर शहर में नवरात्रि के पावन अवसर पर धार्मिक और सामाजिक उत्साह का माहौल छाया हुआ है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी एकता मंच द्वारा गली नंबर 3, रूप नगर द्वितीय में 131 कन्या भोज का भव्य आयोजन किया गया, जो इस बार और भी भव्य और यादगार रहा।

इस आयोजन को संभव बनाने में रूप नगर के निवासियों का विशेष योगदान रहा, जिनके बिना यह भव्य कार्यक्रम अधूरा रहता। इस उत्सव में न केवल धार्मिक महत्व है, बल्कि यह सामाजिक एकता और बालिका सशक्तिकरण को भी बढ़ावा देता है।

इस आयोजन के पीछे रूप नगर के समर्पित व्यक्तियों की मेहनत और उत्साह शामिल है। विशेष रूप से संजय माथुर, मधु सुधन लिम्बा, अमित परिहार, गौतम जैन, अंकुर बाहेती, नवीन पवार, नितिन परिहार, संजय भाटी, अभिषेक गांधी और मयंक जोहरी ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। इसके साथ ही, महिलाओं का योगदान भी अनमोल रहा। पूर्णिमा लिम्बा, सरोज परिहार, रेखा भाटी, कविता बाहेती, रजनी माथुर, कंचन जैन, अरुणा परिहार और नेहा गांधी ने अपनी मेहनत और लगन से इस आयोजन को और भी विशेष बना दिया।

इसके अलावा, रूप नगर के बुजुर्गों की प्रेरणा और मार्गदर्शन के बिना यह आयोजन संभव नहीं हो पाता। हनुमान बिश्नोई, सुनील माथुर, महिपाल धारीवाल, मुन्ना सा धारीवाल, राजेंद्र फोफलिया ने सलाह और समर्थन ने इस कार्यक्रम को एक नई ऊंचाई दी। साथ ही, इस आयोजन में युवाओं का जोश और ऊर्जा देखते ही बनता था। युवाओं का उत्साह इस महा भोज को और भी यादगार बनाने में महत्वपूर्ण रहा।

नवरात्रि, जो इस वर्ष 22 सितंबर से शुरू होकर 1 अक्टूबर तक चलेगी, हिंदू धर्म में देवी दुर्गा की आराधना का प्रमुख त्योहार है। कन्या पूजन की परंपरा सदियों से चली आ रही है, जहां युवा बालिकाओं को देवी का स्वरूप मानकर उन्हें भोजन कराया जाता है। एकता मंच के इस आयोजन में शुरू में 108 कन्याओं को आमंत्रित करने की योजना थी, लेकिन उत्साह के साथ 131 कन्याएं इस भोज में शामिल हुईं, जो विभिन्न आयु वर्ग की थीं। आयोजकों का कहना है कि 108 की संख्या शास्त्रों में पवित्र मानी जाती है, और इस बार 131 कन्याओं का आगमन इस आयोजन को और भी शुभ बनाता है।

एकता मंच के सदस्य संजय माथुर ने बताया कि हमारा उद्देश्य नवरात्रि के इस पवित्र अवसर पर समाज में एकता को मजबूत करना है। कन्या भोज के माध्यम से हम बालिकाओं के शिक्षा और स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में 131 कन्याओं को स्वादिष्ट भोजन के साथ-साथ उपहार भी दिए गए, जिसमें किताबें, स्टेशनरी और अन्य उपयोगी वस्तुएं शामिल थीं।

सार-समाचार

गर्ग ने श्रमदान एवं पौधारोपण किया

जालोर, (कासं)। राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने सोमवार को स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत सायला तहसील के विशाला ग्राम स्थित मंदिर प्रांगण में श्रमदान किया तथा ''हरियालो राजस्थान''-''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान के तहत वृक्षारोपण भी किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार राजस्थान के प्रत्येक नागरिक के सामाजिक एवं आर्थिक विकास हेतु प्रतिबद्ध हैं इसी क्रम में कोमता से उनडी फांटा वाया विशाला तक 12 किमी सड़क का डामरीकरण,ग्राम विशाला में चोहटा से जबरसिंह निवास तक सीसी सड़क निर्माण हेतु 20 लाख रुपये एवं भमराजी पुरोहित निवास के समीप टांका निर्माण हेतु 10 लाख रुपये स्वी.त किए गए हैं। उन्होंने बताया कि पंप हाउस से जांगजी पुरोहित के घर तक कुल 0.5 किमी पेयजल पाइपलाइन का भी निर्माण किया जाएगा तथा एसआर टैंक के लिए भूमि आवंटन किया गया हैं। मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि क्षेत्र की ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को उच्च स्तर पर श्रेष्ठ मंच उपलब्ध कराने के लिए लिए खेल मैदान भी स्वीकृत किया गया हैं। इस दौरान एसडीएम सायला सूरजभान विश्नोई, दीपसिंह धनानी, रामप्रकाश चौधरी, उदयसिंह दादाल, नैनमल लखारा, राहुल भंडारी, रंगाराम देवासी मोकजी, थानमल देवासी, वरदाराम देवासी, रेवाराम सेन, रामलाल, गणेशाराम चौधरी, रमेश गर्ग, जबरसिंह, आसाराम प्रजापत, जबराराम दर्जी, मालाराम मेघवाल सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

जालोर जिले के मुक्केबाज अजमेर रवाना

जालोर, (कासं)। प्रारंभिक शिक्षा विभाग राजस्थान सरकार की ओर से अजमेर में 29 सितम्बर से आयोजित होने वाली 69 वीं राज्य स्तरीय स्कूली मुक्केबाजी प्रतियोगिता के लिए जालोर के मुक्केबाज रविवार को दल प्रभारी कानाराम चौहान के साथ रवाना हुए। जालोर अंडर 14 स्कूली मुक्केबाजी दल के दलाधिपति कन्हैयालाल मिश्रा व प्रशिक्षक प्रितम सिंह राठौड ने बताया कि प्रतियोगिता महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय गांधी भवन तोपदडा अजमेर में आयोजित होगी। प्रतियोगिता में जालोर टीम से चेतन गेहलोत 28 से 30 किलो भार वर्ग में,यश जैन 30 से 32 किलो भार वर्ग में,अनिल चौधरी 38 से 40 किलो भार वर्ग में,कनिष्क चौधरी 40 से 42 किलो भार वर्ग में,दक्ष सुथार 42 से 44 किलो भार वर्ग में व लक्षित गेहलोत 48 से 50 किलो भार वर्ग में जालोर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। सभी खिलाडी वीएस महावीर स्कूल,सेंट पॉल स्कूल,सेंट एंस स्कूल व विद्या भवन स्कूल भीनमाल में प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं।

वीर वीरमदेव कॉलेज में शिविर संपन्न

जालोर, (कासं)। वीर वीरमदेव राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जालोर में शुक्रवार को राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) इकाइयों तथा मेरा युवा भारत, जालोर के संयुक्त तत्वावधान में 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' विषय पर एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में एनएसएस के जिला समन्वयक डॉ. मनीष अखावत ने स्वयंसेवकों और कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी ही भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने छात्रों को सामाजिक जिम्मेदारियों के साथ राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। मेरा युवा भारत, जालोर कार्यालय के अमित सचदेवा एवं चंदन कुमार (लेखा एवं कार्यक्रम सहायक) ने भी युवाओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी और उनके क्रियान्वयन में युवाओं की भूमिका के बारे में जानकारी दी।

गरबा महोत्सव में जोगेश्वर गर्ग पहुंचे

जालोर, (कासं)। माली समाज सोलंकी लायसा परिवार सेवा संस्थान, क्षेमंकरी माताजी मंदिर, प्रेम नगर जालोर के तत्वावधान में आयोजित नवरात्रि गरबा महोत्सव में राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक, कैबिनेट मंत्री एवं जालोर विधायक जोगेश्वर गर्ग ने रविवार को अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। गर्ग ने सर्वप्रथम खीमज माताजी मंदिर में दर्शन कर आशीर्वाद लिया।इसके पश्चात संस्था सरंक्षक गोपाराम माली,अध्यक्ष जुङ्गाराम सोलंकी, उपाध्यक्ष दिलीप सोलंकी, मंत्री एडवोकेट सुरेश सोलंकी, कार्यक्रम संयोजक छोगालाल माली, कोषाध्यक्ष कमलेश सोलंकी,प्रसार मंत्री हुकमीचंद सोलंकी, रमेश सोलंकी सहित पदाधिकारियों ने मंत्री महोदय का साफा माला स्मृती चिन्ह भेंट कर स्वागत व अभिनंदन किया। अपने संबोधन में कैबिनेट मंत्री जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि नवरात्रि का पर्व मातृशक्ति की उपासना और शक्ति, भक्ति व एकता का प्रतीक है। समाज द्वारा ऐसे सांस्कृतिक आयोजनों से हमारी परंपराएँ सशक्त होती हैं और आने वाली पीढयों को संस्कार मिलते हैं। इस दौरान भाजपा नगर अध्यक्ष रवि सोलंकी, महामंत्री सुरेश सुंदेशा,नाथू सोलंकी,वेलाराम माली,चुनीलाल, ओम पिसोला,बसंत, नरेंद्र,भरत,सौरव सहित कहि कार्यकर्ता माताएं बहने मौजूद रही। मंदिर प्रांगण में बडी संख्या में माताएं, बहनें व समाजजन ने गरबा में सहभागिता कर उत्साह और श्रद्धा के साथ देवी माताजी की आराधना की। वातावरण भक्ति रस और रंगीन परिधानों से सराबोर नजर आया।

रामदेवरा में स्वास्थ्य सेवा शिविर लगा

पोकरण, (निसं)। स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामदेवरा में स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। पोकरण सीएमएचओ डॉ. राजेंद्र कुमार पालीवाल के निर्देशन एवं खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी सांकडा डॉ. जसवंत सिंह की देखरेख में आयोजित इस शिविर में कुल 333 मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। शिविर में किशोरी बालिकाओं की हीमोग्लोबिन जांच के साथ टी.डी. वैक्सीन लगाई गई। वहीं गर्भवती महिलाओं का पंजीयन कर स्वास्थ्य जांच, टीबी स्क्रीनिंग, एनसीडी व कैंसर स्क्रीनिंग भी की गई। महिलाओं व बालिकाओं को पोषण संबंधी जानकारी देकर लाभान्वित किया गया।

दुर्गाष्टमी आज, गरबा की धूम मची

जालोर, (कासं)। नवरात्र महोत्सव को लेकर गरबा नृत्य की धूम मची है। होमअष्टमी पर मंगलवार को भक्त यज्ञ में आहुतिया देंगे। शाम ढलते ही गरबा पांडालो में भीड लगने लग जाती है। मलकेश्वर मठ में रोटरी क्लब, सरावास, एफसीआई गोदाम, चामुण्डा माता मंदिर, राजेन्द्र नगर, सिंधी कॉलोनी सहित विभिन्न गली मोहल्लो में गरबा नृत्य की धूम मची है।

प्राधिकृत अधिकारी का कार्यालय नगरपालिका सुमेरपुर जिला पाली (राज.)

क्र.सं. 6112

आपत्ति आमन्त्रण–पत्र

दिनांक : 25.09.2025

श्री / श्रीमती क्र.सं. 01 से 06 जाति अग्रांकित मे नीचे वर्णित भूमि में अपने अधिकार आवासीय / व्यवसायिक उपयोग के प्रयोजन के लिए ऐसी भूमि के उपयोग के लिए पूर्ण स्वामित्व अधिकार प्राप्त करने के लिए नगरपालिका के पक्ष में अभ्यर्पित कर दिये है।

1	सुमेरपुर	श्री छोगाराम पुत्र नथाजी घांची	घांचियो का वास सुमेरपुर	2250 sqft	उत्तर :– ल्छीराम पुत्र चमनाजी घांची का भुखण्ड दक्षिण :– शंकरलाल पुत्र हिराजी घांची भुखण्ड पूर्व :– मकान का दरवाजा व रास्ता आगे भुरजी की बगीची पश्चिम :– मकान का दरवाजा व आम रास्ता
2	सुमेरपुर	श्रीमति गोदावरी देवी पत्नि जवेरचंद जी खण्डेलवाल	गायत्री कॉलोनी प्लोट सं. 49 बार्ड सं. 16 सुमेरपुर	1000 sqft	उत्तर :– छागनीबाई खण्डेलवाल भुखण्ड सं. 48 दक्षिण :– भुखण्ड सं. 50 पूर्व :– भुखण्ड सं. 60 पश्चिम :– दरवाजा व आम रास्ता
3	सुमेरपुर	श्रीमति भंवरी देवी पत्नि पोकरमलजी कुमावत	सुनारो का वास भैरूचौक, सुमेरपुर	896 sqft	उत्तर :– दरवाजा व सोनारों का वास दक्षिण :– बैचानकर्ता की दुकान व आगे सदर बाजार पूर्व :– मनरूप चिमनाजी का मकान पश्चिम :– मंगलचंदजी का मकान
4	सुमेरपुर	श्री अशोककुमार पुत्र जवानाराम सुथार	शांतिनगर ईस्ट जोन सुमेरपुर	1800 sqft	उत्तर :– प्लोट सं. 235, 236 दक्षिण :– आम रास्ता 30 फीट व निकाल पूर्व :– प्लोट सं. 221 पश्चिम :– प्लोट सं. 219
5	सुमेरपुर	श्री अशोककुमार सोनी पुत्र मोतीलालजी सोनी	वासुपूज्य जैन कॉलोनी सुमेरपुर	2275 sqft	उत्तर :– आम रास्ता 20 फीट दक्षिण :– भूखण्ड सं. 23 पूर्व :– भूखण्ड सं. 20 पश्चिम :– आम रास्ता व दरवाजा
6	सुमेरपुर	श्री मोहम्मद युनुस पुत्र ईस्माईल खां	मस्जिद के पीछे वार्ड सं. 20 सुमेरपुर	1430 sqft	उत्तर :– गफुर पुत्र खुदाबक्शजी दक्षिण :– लालचंद मुकनलाल का गौदाम पूर्व :– आम रास्ता
7	सुमेरपुर	श्री मोहम्मद असलम पुत्र मोहम्मद यासीन	शांतिनगर कॉलोनी सुमेरपुर	1056 sqft	उत्तर :– आम रास्ता 30 फीट दक्षिण :– प्लोट सं. 10 पूर्व :– खसरा सं. 157 की अन्य भूमि पश्चिम :– प्लोट सं. 12

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति के पास राजस्थान नगरपालिका अधिनियम 2009 की धारा 69–क के अधीन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राय करने के लिए नगरपालिका के पक्ष आवेदक द्वारा भूमि में के अधिकार अभ्यर्पण करने की अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपयुक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभावमें यह समझा जायेगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप नहीं है और मामले का तदनुसार निपटारा किया जायेगा।

राज.संवाद / सी / 25 / 11026

अधिशाषी अधिकारी

भारतीय टीम ने साफ कर दिया था कि वे पीसीबी चीफ और एसीसी प्रमुख मोहसिन नकवी के हाथों से एशिया कप की ट्रॉफी नहीं लेंगे। लेकिन मोहसिन नकवी भी अपनी बात पर अड़े रहे।

- सूर्यकुमार यादव

भारतीय बल्लेबाज, एशिया कप की ट्रॉफी न लेने पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **तिलक वर्मा**

पाकिस्तान के खिलाड़ी तिलक वर्मा को आउट करने के लिए उन्हें उकसा रहे थे। लेकिन तिलक ने पाकिस्तान के खिलाड़ियों को अपने बल्ले से जवाब दिया। जब तिलक बैटिंग के लिए क्रीज पर आए तो पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने उनके खिलाफ 'काफी टीका-टिप्पणी' की। जिसने इस भारतीय बल्लेबाज को उनके अब तक के करियर की सबसे शानदार पारियों में से एक खेलने के लिए प्रेरित किया। शुरुआती ओवरों में विकेट गिरने के कारण भारतीय टीम मुश्किल स्थिति में थी। दोनों टीमों के बीच तनाव वाले माहौल के बीच तिलक को बहुत कुछ कहा भी गया।

क्या आप जानते हैं ?... भारत एशिया कप की सबसे सफल टीम है। टीम इंडिया ने अब तक खेले गए 16 सीजन में 8 बार खिताब पर कब्जा जमाया है। अब भारत की नजर 9वें खिताब पर है।

भारतीय टीम ने नहीं ली मोहसिन नकवी से एशिया कप की ट्रॉफी

दुबई, 29 सितंबर। भारतीय क्रिकेट टीम ने रविवार को दुबई में पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल मैच में जीत के बाद, एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी से एशिया कप ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया। इस घटनाक्रम के कारण रिंकू सिंह द्वारा विजयी चौका जड़े जाने के डेढ़ घंटे से भी अधिक समय बाद पुरस्कार वितरण समारोह शुरू हुआ। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार भारतीय टीम ने नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया, जबकि नकवी विजेता टीम को ट्रॉफी सौंपने के लिए अपनी जगह से हटने को तैयार नहीं हुए। नकवी, जो कि पाकिस्तान के गृहमंत्री भी हैं, इस बात पर अड़े रहे कि वे अकेले ही ट्रॉफी देंगे। पुरस्कार वितरण का प्रसारण शुरू होने से पहले ही ट्रॉफी को मैदान से हटा लिया गया था। तिलक वर्मा, कुलदीप यादव और अभिषेक शर्मा ने प्रायोजकों से अपने-अपने पुरस्कार प्राप्त किए लेकिन भारतीय टीम को अपने विजेता पदक और ट्रॉफी नहीं मिल पायी। भारत को बिना ट्रॉफी के अपने ड्रेसिंग रूम में लौटना पड़ा।

पाकिस्तान ने बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम से अपने उपविजेता पदक प्राप्त किए और उसके बाद सीधे अपने ड्रेसिंग रूम में चले गए, उनके साथ उनके मुख्य कोच माइक हेसन भी थे। मैच समाप्त होने के बाद पाकिस्तान की टीम और उसके सदस्य ड्रेसिंग रूम चले गये इसे बाद प्रेस कॉफ्रेंस को लेकर अनश्चिता का माहौल बन गया। पाकिस्तानी टीम आखिरकार एक घंटा अंदर बिताने के बाद, संभवतः तनावपूर्ण गतिरोध के खत्म होने का इंतजार करते हुए, ड्रेसिंग रूम से बाहर निकली और अपनी टीम को ट्रॉफी उठाते देखने के लिए उत्सुक अधिकतर भारतीय दर्शकों ने जोरदार हूटिंग की। फिर भी पुरस्कार वितरण समारोह में और देरी हुई और दोनों टीमों के खिलाड़ी मैदान पर ही बैठे रहे। ऐसा माना जा रहा है कि अमीरात क्रिकेट बोर्ड के उपाध्यक्ष खालिद अल ज़रूनी और बीसीबी के अमीनुल इस्लाम ने भारत को ट्रॉफी प्रदान करने की पेशकश की थी। यह एक ऐसी व्यवस्था थी जिसे भारत स्वीकार करने को तैयार था।

हालांकि, नकवी इसके लिए तैयार नहीं थे और खुद ट्रॉफी देने पर अड़े रहे। अंततः, भारत को कोई ट्रॉफी नहीं दी गयी। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पुरस्कार वितरण समारोह में कुछ नहीं कहा, तिलक वर्मा को प्लेयर ऑफ द मैच, सलमान अली आगा (पाकिस्तानी कप्तान) और अभिषेक शर्मा (प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट) का साक्षात्कार लेने के बाद होस्ट साइमन डूल ने घोषणा की, ''मुझे एशियाई क्रिकेट परिषद ने सूचित किया है कि भारतीय क्रिकेट टीम आज रात अपने पुरस्कार नहीं ले पाएगी। इसलिए मैच के बाद का पुरस्कार वितरण समारोह यहीं समाप्त होता है।'' समारोह समाप्त होने और नकवी के जाने के बाद भारतीय टीम के खिलाड़ी फोटो खिंचवाने के लिए चैंपियंस का साइनबोर्ड थोड़ी देर के लिए बाहर लाया गया लेकिन उसे फिर से हटा दिया गया। खिलाड़ियों ने तुरंत तैयारी की: वे मंच पर बैठे, कैमरों के लिए पोज दिए और फिर उस पर चढ़ गए। सूर्यकुमार ने मुस्कुराते हुए एक काल्पनिक ट्रॉफी उठाने का अभिनय किया, जबकि उनके साथी खिलाड़ी उनके चारों ओर तालियां बजा रहे थे। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में सूर्यकुमार ने कहा कि शानदार प्रदर्शन के बाद भारत ट्रॉफी जीतने का हकदार था। सूर्यकुमार ने कहा, ''जब से मैंने क्रिकेट खेलना और क्रिकेट देखना शुरू किया है, तब से मैंने कभी ऐसा नहीं देखा कि एक चैंपियन टीम को ट्रॉफी से वंचित कर दिया जाए। हमें ट्रॉफी हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत की। हम चार सितंबर से यहां है, लगातार दो अच्छे मैच खेले। मुझे लगता है कि हम इसके हकदार थे। मैं इससे ज़्यादा कुछ नहीं कह सकता, मुझे लगता है कि मैंने इसे बहुत अच्छी तरह से व्यक्त कर दिया है, मैं इसके बारे में और कुछ नहीं कह सकता।'' भारत की पांच विकेट की जीत के तुरंत बाद, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए 21 करोड़ रुपये के इनाम की भी घोषणा की।

भरोसे का प्रतीक बन गए हैं तिलक वर्मा

नई दिल्ली, 29 सितंबर। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में रविवार को खेले गए एशिया कप फाइनल में भारत के माथे पर जीत का तिलक लगाने वाले तिलक वर्मा आज न केवल हर भारतीय की जुबान पर हैं, बल्कि भरोसे का प्रतीक भी बन गए हैं। आठ नवंबर 2002 को आंध्रप्रदेश के हैदराबाद में तेलगु परिवार में जन्में तिलक वर्मा ने 21 की उम्र पार करने से पहले ही अगस्त 2023 में भारत के लिए अपना पहला अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैच खेला था। अपने इस पहले मैच में उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरी और तीसरी ही गेंद पर दो शानदार छक्के लगाकर साबित कर दिया कि वह क्रिकेट जगत में अपनी धाक जमाने के लिए आए हैं। एक वक्त था जब इस प्रतिभावान खिलाड़ी के पिता श्री नम्बूरी नागराजू के पास इतने पैसे नहीं थे कि वह निजी कोचिंग की व्यवस्था कर पाते, लेकिन तब तिलक के पहले कोच श्री सलाम बयाश ने न केवल उनके लिए मुफ्त कोचिंग की व्यवस्था की, बल्कि आवश्यक सामान भी जुटाए। तिलक ने उनके भरोसे पर खरे उतरते हुए 2018-19 में हैदराबाद की ओर से प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण किया। उन्हें जल्द ही, 2020 में दक्षिण अफ्रीका में खेले जाने वाले अंडर-19 विश्वकप के लिए चुन लिया गया, जहां उन्होंने तीन पारियों में महत्वपूर्ण 86 रन बनाए। तिलक घरेलू क्रिकेट में 2021 में हैदराबाद की ओर से खेलते हुए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया और सात पारियों में 147.26 के स्ट्राइक रेट से 215 रन बनाए। इस प्रदर्शन पर आईपीएल टीमों की नजर गई और 2022 के मेगा ऑक्शन में मुंबई इंडियन्स ने उन्हें 1.70 करोड़ में खरीद लिया। तिलक ने अपने पहले आईपीएल सीजन में सभी 14 मैच खेले और 36.09 की औसत एवं 131.02 की स्ट्राइक रेट से 397 रन बनाए। आईपीएल के इस शानदार प्रदर्शन ने भारतीय टीम में उनके चयन का मार्ग प्रशस्त कर दिया और उन्होंने 2023 में वेस्ट इंडीज के खिलाफ अपना पदार्पण किया। तिलक वर्मा ने अब तक के अपने क्रिकेट कैरियर में 32 अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैचों में 30 पारियों में 149 की स्ट्राइक रेट से 962 रन बनाए हैं। अपने टी-20 करियर में उन्होंने दो शतक लगाए हैं और वह भी लगातार दो पारियों में, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। उनका एक पारी में सबसे अधिक स्कोर 120 नाबाद रन है। तिलक को हालांकि एक दिवसीय मैचों में बहुत मौका नहीं मिला है, लेकिन उन्होंने चार मैचों में एक अर्धशतक जड़ दिया है। उन्होंने प्रथम श्रेणी में 22 मैचों में 34 पारियां खेलते हुए अब तक 1562 रन बनाए है। उल्लेखनीय है कि बाएं हाथ का यह बल्लेबाज, बॉलिंग ऑल राउंडर है, जिसने अंतरराष्ट्रीय टी-20 में छह पारियों में गेंदबाजी करके तीन विकेट भी हासिल किये है। तिलक के पिता श्री नागराजू पेशे से एक इलेक्ट्रीशियन हैं और वह भी हर पिता की तरह चाहते थे कि उनका बेटा एक स्थायी आय वाले पेशे में जाए। वह चाहते थे कि उनका बेटा डॉक्टर बने, लेकिन फिर भी उन्होंने अपने आप को अपने बेटे पर नहीं थोपा। तिलक की मां एक गृहणी हैं और उनके छोटे भाई तरुण वर्मा भी एक खिलाड़ी हैं, वह राष्ट्रीय स्तर पर बैडमिंटन खेल चुके हैं।

स्ट्रोक से वर्ल्ड चैम्पियन तक, रोचक और प्रेरक है पोलैंड की मैग्दलेना की खेल यात्रा

नई दिल्ली, 29 सितंबर। जब मैग्दलेना एंड्रुस्जकिविच ने इंडियनऑयल नई दिल्ली विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में महिलाओं की टी72 400 मीटर फाइनल रेस का फिनिशलाइन छुआ तो, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम तालियों से गूंज उठा। दर्शकों के लिए यह एक दिव्यांग एथलीट की शानदार जीत थी, लेकिन मैग्दलेना के लिए यह सात वर्षों की संघर्षमय यात्रा, धैर्य और अडिग उम्मीद का प्रतीक था। इस 37 वर्षीय पोलिश एथलीट की कहानी असामान्य है। सात साल पहले, अचानक हुए मस्तिष्क स्ट्रोक ने उनके शरीर के एक हिस्से को निष्क्रिय कर दिया था। मैग्दलेना याद करती हैं, ''एक पल में मेरी दुनिया बदल गई। जिंदगी जैसी मैं जानती थी, अचानक खत्म हो गई लग रही थी।'' लेकिन यही क्षण उनके जीवन जीवन की एक नई और प्रेरणादायी यात्रा की शुरुआत बन गया। फिजिकल थेरेपी के दौरान फ्रेम साइकिल चलाते हुए उन्होंने धीरे-धीरे खेलों के प्रति लगाव महसूस किया। वह कहती हैं, ''शुरुआत में यह केवल अपने पैरों पर खड़े होने की कोशिश थी। फिर यह मेरा जुनून बन गया, और अब यह मेरी ज़िंदगी है।'' पांच साल पहले मैग्दलेना ने पैरा एथलेटिक्स को पूरी तरह अपनाया। जापान के कोबे में आयोजित विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के पिछले संस्करण में उन्होंने टी72 कटेगरी में विश्व रिकार्ड के साथ पहला वर्ल्ड चैंपियनशिप खिताब जीता। इससे पहले उन्होंने पेरिस में 2023 में आयोजित विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में टी72 400 मीटर स्पर्धा में रजत पदक जीता था। रविवार को नई दिल्ली में उन्होंने कोबे में जीते गए अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। उन्होंने एक मिनट 13 सेकंड में दौड़ पूरी की-जो उनके अपने विश्व रिकॉर्ड आधा सेकेंड अधिक था। मैग्दलेना के सपने केवल पदक तक सीमित नहीं हैं। 2028 में लॉस एंजेलेस पैरालिंपिक्स में 72 कटेगरी का डेब्यू होना है। इसे लेकर मैग्दलेना का लक्ष्य साफ है। आंखों में दृढ़ संकल्प के साथ वह मुस्कुराते हुए कहती हैं, ''मेरा सपना सोना जीतना है।'' भारत ने भी उन्हें खास अनुभव दिया। पहली बार यहां दौड़ते हुए वह दर्शकों की गर्मजोशी और ऊर्जा से प्रभावित हुईं। वह कहती हैं, ''मुझे यहां बहुत अच्छा लग रहा है। लोग और माहौल सब कुछ अद्भुत है। भारत शानदार है। अद्भुत है।'' स्ट्रोक से पहले मैग्दलेना नर्तकी थीं। यही अनुशासन बाद में उनके खेल जीवन का सहारा बना। उन्होंने कहा, ''नृत्य ने मुझे संतुलन, लय और धैर्य सिखाया। इन सबका फायदा मेरी वापसी में हुआ।'' मैग्दलेना नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में केवल जीत का जश्न नहीं मना रही थीं। वह साबित कर रही थीं कि चाहें कुछ भी हो जाए, नई शुरुआत की जा सकती है, जीवन फिर से जीया जा सकता है।

एशेज सीरीज से बाहर होने के बाद क्रिस वोक्स ने लिया संन्यास

लंदन, 29 सितंबर। इंग्लैंड के ऑलराउंडर क्रिस वोक्स ने एशेज सीरीज से बाहर होने के बाद सोमवार को सोशल मीडिया पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। वोक्स ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर अपने संन्यास लेने की घोषणा करते हुए कहा, वह क्षण आ गया है, और मैंने तय कर लिया है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का यही सही समय है उन्होंने लिखा, इंग्लैंड के लिए खेलना एक ऐसी चीज थी जिसका मैं बचपन से ही सपना देखता था और मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं कि मैंने उन सपनों को जीया।

पिछले 14 सालों में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करना, थ्री लायंस जर्सी पहनना और टीम के साथियों के साथ मैदान साझा करना, जिनमें से कई मेरे आजीवन दोस्त बन गए हैं, ऐसी चीजें हैं जिन्हें मैं बहुत गर्व के साथ याद करूंगा। उन्होंने कहा, मैं काउंटी क्रिकेट खेलना जारी रखने और निकट भविष्य में और भी फ्रैंचाइजी अवसरों की तलाश करने के लिए उत्सुक हूं। इस वर्ष जुलाई के आखिर में भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच में कंधे की हड्डी में चोट लगने के बाद फिटनेस हासिल करने की जद्दोजहद के बाद 36 वर्षीय वोक्स को पिछले हफ्ते इंग्लैंड की एशेज टीम से बाहर कर दिया गया था।

इंग्लैंड पुरुष टीम के प्रबंध निदेशक रॉब की ने बाद में कहा कि वोक्स हमारी योजनाओं में बिल्कुल भी नहीं हैं। वोक्स ने 62 टेस्ट, 122 एकदिवसीय और 33 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के बाद इंग्लैंड का प्रतिनिधत्व किया। उनका आखिरी प्रदर्शन भारत के खिलाफ ओवल टेस्ट में 11वें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे थे। उन्होंने पांचवें दिन सीरीज जीतने में मदद करने की नाकाम कोशिश की थी।

खेल व खिलाड़ियों का करियर संवारने को सरकार प्रतिबद्ध : आर्या

अल्मोड़ा, 29 सितंबर। उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले के सोमेश्वर में सोमवार को दो दिवसीय ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए खेल मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि उनकी सरकार खेल और खिलाड़ियों के उत्थान के लिए पूरी ताकत से काम कर रही है। आर्य ने कहा कि खेल केवल मनोरंजन नहीं हैं बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। सरकार ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना और खिलाड़ी प्रोत्साहन योजना शुरू की है। पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी देने का प्रावधान भी हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि खेल का मैदान जीवन की असली पाठशाला है। जो युवा अनुशासन और परिश्रम के साथ मैदान में उतरते हैं, वे केवल पदक ही नहीं जीतते बल्कि हजारों-लाखों लोगों के लिए आदर्श भी बनते हैं। आने वाले समय में यही खिलाड़ी उत्तराखंड का गौरव बढ़ाएंगे। खेल मंत्री ने कहा कि सरकार उनकी हरसंभव मदद के लिए तैयार है। अगर खिलाड़ी मेहनत करेंगे तो खेल ही आपके लिए करियर का रास्ता खोलेगा। प्रदेश सरकार आपके सपनों को पूरा करने के लिए आपके साथ खड़ी है। इस अवसर पर अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

फ्रिट्ज ने ब्रूक्सबी को हराकर टोक्यो फाइनल में प्रवेश किया

टोक्यो, 29 सितंबर। अमेरिका के स्टार टेनिस खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज सोमवार को जापान ओपन में अपने हमवतन जेनसन ब्रूक्सबी पर सीधे सेटों में जीत के साथ सीजन के अपने तीसरे एटीपी टूर फाइनल में पहुंच गए।

आरसीए अंडर-23 चैलेंजर ट्रॉफी आगामी एक अक्टूबर से जयपुर में खेली जाएगी

जयपुर, 29 सितंबर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025-26 की अंडर 23 प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में आगामी 1 अक्टूबर 2025 से अंडर 23 चैलेंजर ट्रॉफी खेली जाएगी। चैलेंजर ट्रॉफी हेतु 4 टीमों का चयन राजस्थान सीनियर चयन कमेटी ने आरसीए द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय अंडर 23 प्रतियोगिता में खिलाडियों के प्रदर्शन के आधार पर किया।

टीम अ : राहुल गर्गोशनिक ग्रोवर, सोहन जयफयाश, शोभित मिश्रा, आयुष अमेरिका, पार्थ यादव, सलाउद्दीन, पुष्पेंद्र सिंह, चेतन शर्मा, शुभम खंडेलवाल, समरजीत सिंह, आर्यन जैनचंद्र पाल सिंह।

टीम बी : सौरभ कुमार गोदारा, मोल चेलानिम्, अरमान, प्रवीण चौधरी, महेंद्र चौधरी, गणेश हिंगरा, अनुभव गहलोत, तनकुश कुमार सर्वज्ञ, पनेरिया व्यांश सिंह, भगवान सिंह, शुभम सिंह, मेहुल पारीक।

टीम सी : सौरभ सिंह राजपूत, धर्मवीर सैनी, दर्शन जैन, मिनफ शेख, राहुल चौधरी, रामेश्वर, गैरी मोहम्मद हैं। सदगणेश सुथार वंश प्रताप, नकित कुमार रोहिल, संग्राम सिंह, देव यादव, सम्राट सिंह.

टीम डी : एनएमेजय सिंह भाटी, दिग्विजय सहारन, निलेष टंकादित्य, लूना पुखराज, कुमार जयंत गठर, विश्वजीत सिंह, मनीष आचार्य, पुलकित गुप्ता, भवानी सुथारन, साचिन लखेसर, सिद्धार्थ गौतम.

राजस्थान के बॉडी बिल्डर विशाल सिंह ने दक्षिण एशिया में जीता कांस्य पदक

जयपुर, 29 सितंबर। भूटान में आयोजित हुई साउथ एशिया में बॉडीबिल्डिंग एंड मैन फिजिक्स चैंपियनशिप में राजस्थान के विशाल सिंह रावत ने 75 किलोग्राम भार वर्ग में ब्रोंज मेडल जीता राजस्थान बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष नवीन यादव ने बताया कि अजमेर के विशाल सिंह पूर्व में भी राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीत चुके हैं। राज्य संघ के अध्यक्ष नवीन यादव सचिव अशोक औदिचय कोषाध्यक्ष राजेश यादव सहित संपूर्ण राजस्थान राज्य संघ के सभी पदाधिकारी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक प्राप्त करने पर विशाल सिंह रावत को बधाई दी।

अरावली क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 29 सितम्बर। अंडर 13 पिंकसिटी कप में वर्धमान क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 22 ओवर में 49 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाएं। अरावली क्रिकेट अकादमी की ओर से लखन ने 5 और रामनिवास ने 3 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी अरावली क्रिकेट अकादमी ने 6 ओवर में 50 रन 2 विकेट के नुकसान पर बनाकर जीत हासिल कर ली। वर्धमान क्रिकेट अकादमी की ओर से सिद्धार्थ ने दो विकेट लिया। मैन ऑफ द मैच लखन को चुना गया!

पीकेएल-12 : अपने डेब्यू मैच में जमकर दहाडे अंकित दहिया, यूपी योद्धाज को हराकर गुजरात जांयट्स ने लगातार पांच हार के बाद चखा पहली जीत का स्वाद

चेन्नई, 29 सितंबर। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) में अपना डेब्यू मैच खेलने उतरे रेडर अंकित दहिया ने डिफेंस में हाई फाइव लगाते हुए सोमवार को यहां एसडीएटी मल्टी परपज इनडोर स्टेडियम में खेले गए 12वें सीजन के 53वें मैच में गुजरात जायंट्स को यूपी योद्धाज के खिलाफ 33-27 से जीत दिला दी। गुजरात जायंट्स की इस सीजन में नौ मैचों में लगातार पांच हार के बाद यह पहली और इस सीजन की दूसरी जीत है। टीम के अब चार अंक हो गए हैं। वहीं, यूपी योद्धाज को नौ मैचों में पांचवीं हार झेलनी पड़ी है। विजेता गुजरात के लिए अंकित दहिया के आठ प्वाइंट के अलावा राकेश ने छह और शादलू ने आठ प्वाइंट लिए। यूपी के लिए भवानी राजपूत ने आठ और गगन गौड़ा ने छह अंक जुटाए। पीकेएल में अपना डेब्यू मैच खेलने उतरे अंकित दहिया ने शानदार शुरुआत की। लेकिन शुरुआत पांच मिनटों में दोनों टीमें 5-5 की बराबरी पर थी। गुजरात जायंट्स के लिए एचएस राकेश ने आठवें मिनट में डू ऑर डाई में सुपर रेड लगाकर अपनी टीम को तीन अंक और दिला दिए और इससे गुजरात 8-5 से आगे हो गई। इसी बीच, शादलू ने भी सुपर रेड लगाकर यूपी को ऑलआउट कर दिया। जायंट्स की टीम ने इसके साथ ही पहले 10 मिनट के खेल में 12-7 की लीड बना ली। मैच में गगन गौड़ा के पांच प्वाइंट के बावजूद 15वें मिनट तक यूपी योद्धाज की टीम चार अंक से पीछे चल रही थी। यूपी ने हालांकि फिर डू ऑर डाई में राकेश को टैकल करके डिफेंस में अपना अंक हासिल किया। इसके बाद भवानी राजपूत ने डू ऑर डाई में सुपर रेड लगाकर अपनी टीम को मुकाबले में बनाए रखा। उधर आज शादलू फॉर्म में लौट चुके थे और पहले हाफ में पांच प्वाइंट लेकर उन्होंने शुरुआती 20 मिनटों में गुजरात जायंट्स को 21-16 से आगे रखा। यूपी योद्धाज ने दूसरे हाफ में गुमान सिंह को मैट पर उतारा। लेकिन वो भी अपने लय में नहीं दिखे। जायंट्स के पास 25वें मिनट तक 23-19 की बढ़त बरकरार थी। इसी बीच, शादलू आउट होकर मैट से बाहर चले गए और इसके बाद भी 30वें मिनट तक टीम की चार अंकों की लीड कायम थी। पीकेएल में अपना डेब्यू मैच खेल रहे रेडर अंकित दहिया ने गुजरात के लिए डिफेंस में अपना हाई फाइव पूरा कर लिया। मैच के 35वें मिनट तक गुजरात जायंट्स 29-24 से आगे थी। जायंट्स की टीम ने अंतिम मिनटों में भी अपनी लीड को बरकरार रखते हुए 33-27 से मैच को अपने नाम कर लिया।

स्विस सुपरस्टार कैथरीन डेब्रुनर ने पदकों के अपने संग्रह में जोड़ा एक और स्वर्ण

नई दिल्ली, 29 सितंबर। स्विट्जरलैंड की दिग्गज पैरा एथलीट कैथरीन डेब्रुनर ने एक बार फिर साबित किया कि वह इस पीढ़ी की सबसे महान खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने रविवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में जारी इंडियनऑयल नई दिल्ली विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में महिलाओं की 5000 मीटर टी54 फाइनल में स्वर्ण पदक जीतकर अपने शानदार करियर में एक और उपलब्धि जोड़ ली। पिछले साल पेरिस पैरालंपिक खेलों में पांच स्वर्ण और एक रजत पदक जीतने वाली डेब्रुनर को स्वयं को पोडियम पर देखने की आदत हो चुकी है। नई दिल्ली में मिली जीत से पहले ही 30 वर्षीय यह खिलाड़ी विश्व चैंपियनशिप में पांच स्वर्ण और तीन रजत पदक अपने नाम कर चुकी थीं। रविवार को उन्होंने 12:18.29 मिनट समय के साथ फिनिश लाइन पार की और चीन की तियान याजुआन तथा अपनी हमवतन पेट्रीसिया ईचस को पछाड़कर पहला स्थान हासिल किया। भारत में अपने पहले अनुभव पर डेब्रुनर ने कहा, ''यह मेरा भारत में पहला मौका है और मुझे कहना होगा कि यह बिल्कुल अलग संस्कृति और देश है, जिसकी मुझे आदत नहीं है। यह वाकई बहुत अलग अनुभव रहा।''

उन्होंने नए मोंडो ट्रैक और प्रतिष्ठित स्टेडियम पर भी अपनी राय दी। उन्होंने कहा, ''नया बिछाया गया मोंडो ट्रैक तेज होने में थोड़ा समय लेता है। फिर भी यह अच्छा ट्रैक है। यह एक शानदार स्टेडियम है। हमें यहां स्वागत करने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।'' डेब्रुनर ने महज आठ साल की उम्र में खेलों की दुनिया में कदम रखा था और आज वह पैरा स्पोर्ट्स की वैश्विक प्रतीक बन चुकी हैं। साल 2023 में उन्हें लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्सपर्सन ऑफ द ईयर विद ए डिसएबिलिटी अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया था।

अपने लंबे सफर को याद करते हुए उन्होंने कहा, ''यह एक बहुत लंबी यात्रा रही है। मैं उन सभी अनुभवों के लिए आभारी हूं जो मुझे मिले। मैंने बहुत सारे अद्भुत लोगों और खिलाड़ियों से मुलाकात की है, जिनमें से कुछ को मैं बीस साल से जानती हूं। हम सबको सिर्फ खिलाड़ी ही नहीं बल्कि इंसान के तौर पर बढ़ते देखना अद्भुत रहा है। इस कम्युनिटी का हिस्सा बनकर मुझे खुशी है। यह मेरा जुनून है और हर दिन उसे जी पाना मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी है।'' एक और स्वर्ण पदक के साथ, डेब्रुनर ने फिर से साबित किया कि वह धैर्य, उत्कृष्टता और खेल के प्रति गहरी लगन की मिसाल हैं।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया अंडर-21 पर 1-0 से जीत दर्ज की

कैनबरा, 29 सितंबर। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने सोमवार को कैनबरा के नेशनल हॉकी सेंटर में अपने तीसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया अंडर-21 टीम पर 1-0 से जीत दर्ज की। कनिका सिवाच (32वें मिनट) ने भारत के लिए विजयी गोल दागा। आज यहां खेले गये मुकाबले में भारतीय महिला जूनियर टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर के बाद, भारत ने आखिरकार तीसरे क्वार्टर के शुरुआती मिनटों में कनिका सिवाच के महत्वपूर्ण मैदानी गोल की बदौलत गतिरोध तोड़कर अपनी टीम को जीत दिलाई। भारत इससे पहले ऑस्ट्रेलिया अंडर-21 टीम के खिलाफ लगातार दो मैच हार चुका था, लेकिन इस जीत के साथ, मेहमान टीम इस नई लय को बरकरार रखते हुए इस दौरे के बाकी मैचों में वापसी करने की उम्मीद करेगी। भारत अपने ऑस्ट्रेलिया दौरे के समापन के लिए 30 सितम्बर और दो अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख हॉकी वन लीग में खेलने वाले क्लब कैनबरा चिल के खिलाफ दो मैच खेलेगा।

हॉकी इंडिया ने सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए 33 सदस्यीय कोर ग्रुप की घोषणा की

बेंगलुरु, 29 सितंबर। हॉकी इंडिया ने मंगलवार से 18 अक्टूबर तक बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र में चलने वाले सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए 33 सदस्यीय कोर संभावित समूह की घोषणा की। यह शिविर भारतीय टीम के लिए आगामी दो प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं 31वें सुल्तान अजलान शाह कप 2025, जो 22 से 29 नवंबर तक मलेशिया के इपोह में खेला जाएगा, आज यहां शिविर को लेकर भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, ''एशिया कप जीतना और विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना हमारे लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि थी, लेकिन यह केवल शुरुआत है। खिलाड़ी नए जोश के साथ शिविर में वापस आए हैं, और अब हमारा ध्यान पूरी तरह से सुल्तान अजलान शाह टूर्नामेंट के लिए रणनीतिक तैयारी पर केंद्रित है। विश्व कप की तैयारी शुरू करने और अपने बड़े लक्ष्यों की ओर बढ़ने के लिए सीधे दक्षिण अफ्रीका जाने से पहले यह एक और महत्वपूर्ण परीक्षा होगी। सफलता केवल परिणामों के बारे में नहीं है - यह इस बारे में है कि हम एक टीम के रूप में कैसे सीखते हैं, अनुकूलन करते हैं और एक साथ बढ़ते हैं।''

सीनियर पुरुष शिविर के लिए 33 सदस्यीय सूची इस प्रकार है:-

गोलकीपर:- कृष्ण बी पाठक, सूरज करकेरा, पवन और मोहित होन्नेनाहल्ली शशिकुमार

डिफेंडर:- संजय, जुगराज सिंह, हरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, सुमित, नीलम संजीप , जरमनप्रीत सिंह, पूवन्ना चंदूरा बॉबी, यशदीप सिवाच, अमनदीप लाकड़ा और वरुण कुमार

मिडफील्डर:- राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, मनप्रीत सिंह, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह, विष्णु कांत सिंह, नीलकंठ शर्मा, मोहम्मद राहील मौसीन और मनिंदर सिंह।

फारवर्ड: - अभिषेक, सुखजीत सिंह, सेल्वम कार्थी, शिलानंद लकड़ा, मनदीप सिंह, दिलप्रीत सिंह, अंगद बीर सिंह और आदित्य अर्जुन लालगे।

श्रीलंका के खिलाफ भारतीय महिला टीम विश्वकप में जीत के साथ शुरुआत करने उतरेगी

गुवाहाटी, 29 सितंबर। मजबूत रिकॉर्ड के साथ प्रबल दावेदार के रूप में भारतीय महिला क्रिकेट टीम मंगलवार को श्रीलंका के खिलाफ आईसीसी महिला विश्व कप 2025 के पहले मैच में जीत हासिल करने उतरेगी।

एकदिवसीय मुकाबलों की बात की जाये तो भारत ने श्रीलंका के खिलाफ खेले गए 35 मैचों में से 31 में जीत हासिल की है। मेहमान टीम को केवल तीन मैच जीते है और एक बेनतीजा रहा है। यह शानदार रिकॉर्ड भारत को गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले मुकाबले में मनोवैज्ञानिक बढ़त दिलाता है। इस साल शानदार फॉर्म में चल रही कप्तान हरमनप्रीत कौर और स्मृति मंधाना का बल्लेबाजी में दबदबा होगा। उन्होंने 14 मैचों में 66.28 की औसत से 928 रन बनाए हैं, जिसमें चार शतक और तीन अर्द्धशतक शामिल हैं। जेमिमाह रोड्रिग्स, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा और प्रतीका रावल एक चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाने में सक्षम टीम बनाती है। भारतीय गेंदबाजी की बात की जाये तो स्नेह राणा 4.97 की इकॉनमी रेट से 21 विकेट लेकर शीर्ष पर हैं। रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़ और दीप्ति शर्मा, सभी श्रीलंकाई बल्लेबाजों को रोकने और महत्वपूर्ण मौकों पर विकेट झटकने में सक्षम है। वहीं चामरी अटापट्टू की अगुवाई में श्रीलंका इतिहास को फिर से लिखने की कोशिश करेगा। उनकी उम्मीदें भरोसेमंद हर्षिता समरविक्रमा पर टिकी हैं, जिन्होंने इस साल आठ मैचों में 48.00 की औसत से 336 रन बनाए हैं।

स्पिनर देवमी विहंगा उनकी बेहतरीन गेंदबाज रही हैं, उन्होंने चार मैचों में 11 विकेट लिए हैं। इन पर भारत के स्कोर को रोकने की जिम्मेदारी होगी। बरसापारा की पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल मानी जाती है, इस पिच पर एकदिवसीय मैचों में पहली पारी का औसत स्कोर लगभग 300 रन होता है। बीच के ओवरों में स्पिनर को टर्न मिल सकता हैं। संभावित भारतीय महिला एकादश: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, प्रतीक रावल, जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, ऋचा घोष (विकेट कीपर), अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़ और रेणुका सिंह ठाकुर। संभावित श्रीलंका महिला एकादश: चामरी अटापट्टू (कप्तान), हर्षिता समाराविक्रमा, हासिनी परेरा, विशमी गुणरत्ने, नीलाक्षी डी सिल्वा, अनुष्का संजीवनी (विकेटकीपर), पिउमी बदलगे, देवमी विहंगा, सुगंडिका कुमारी, इनोका राणावीरा और मल्की मदारा।

MANAPPURAM FINANCE LTD.
CIN : L65910KL1992PLC006623
Registered Office: W - 4/ 638A, Manappuram House, P.O. Valapad, Thrissur - 680 567, Kerala, India

निलामी सूचना

विशेषकर गिरवीकर्ताओं और सामान्य रूप में जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अकाउंट्स में रखे गए सोने के आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी निम्नलिखित शाखाओं पर दिनांक 16.10.2025 को सुबह 10.00 बजे से किया जाएगा. हम ऐसे डिफॉल्टर ग्राहकों के सोने के आभूषणों की नीलामी करने जा रहे हैं जिन्होंने रजिस्टर्ड पत्र द्वारा सूचित किए जाने के बावजूद अपने लोन की रकम नहीं चुकाई है. जिन आयटम्स की नीलामी नहीं हो पाएगी, उनकी नीलामी किसी अन्य दिन बिना पुन: सूचना दिए की जाएगी. नीलामी के स्थान व तिथि (अगर कोई हो) में परिवर्तनों की कोई सूचना नीलामी केन्द्र या वेबसाइट पर लगाई जाएगी तथा इस बारे में कोई अन्य सूचना नहीं दी जाएगी.

गिरवियों की सूची :

बाडमेर, बाडमेर, 138040730033721, जोधपुर, आकलीया सर्कल जोधपुर, 114110700047738, फलौदी शाखा राजस्थान, 135610700017919, सरस्वती नगर जोधपुर, 124320730034828, पाली, सूरजपोल पाली, 115410730022758,

उपरोक्त नीलामी में भाग लेने के इच्छुक व्यक्तियों को निम्नलिखित का पालन करना होगा:- इच्छुक बोलीकर्ताओं को ईएमडी के रूप में रू.10,000/- नीलामी के दिन नकद जमा कराना होगा (असफल बोलीकर्ताओं को बाद में लौटा दिया जाएगा). बोलीकर्ता को वैध पहचना प्रमाण/पैन कार्ड साथ लेकर आना होगा. अधिक जानकारी के लिए कृपया 9911809139 पर संपर्क करें.

अधिकृत अधिकारी
मणप्पुरम फायनेंस लि. हेतु.

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को जयपुर में नारायण विहार, पत्रकार कॉलोनी और खोरा बीसल में तीन नए पुलिस थानों का वर्चुअल शुभारंभ किया। इस अवसर पर स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, सीएलजी सदस्य उपस्थित थे।

नये थानों से अपराध नियंत्रण व महिला सुरक्षा को गति मिलेगी -भजनलाल

मुख्यमंत्री ने जयपुर में नारायण विहार, पत्रकार कॉलोनी व खोरा बीसल में नये थानों का शुभारंभ किया

जयपुर, 29 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को जयपुर में नारायण विहार, पत्रकार कॉलोनी और खोरा बीसल में तीन नए पुलिस थानों का वर्चुअल शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य में कानून का राज स्थापित करना और अपराधियों पर कठोर कार्रवाई करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में पुलिस व्यवस्था को आधुनिक और सशक्त बनाने के लिए कई क्रांतिकारी कदम उठाए गए हैं। सरकार के कार्यकाल में अपराधों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स और पेपर लीक मामलों की जांच के लिए

■ **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पुलिस का रैस्पॉन्स टाइम सुधारने के लिए 25 इन्टरसैप्टर वाहन, 250 मोटर साइकिलें और 500 मोबाइल यूनिट वाहन प्रदान किये गये हैं।**

एसआईटी का गठन कर सख्त कार्रवाई की जा रही है।

राज्य सरकार द्वारा प्रभावी पुलिसिंग के लिए 22 नए पुलिस थानों का सृजन, 8 चौकियों का थानों में क्रमोन्नयन तथा 35 नई पुलिस चौकियों की स्वीकृति दी गई है। साथ ही, जयपुर में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स के लिए एक नया थाना और 9 चौकियों की स्थापना हेतु 255 पद सृजित किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में 65 एंटी रोमियो स्क्वॉड का गठन किया गया है। इसके साथ ही, पद्मिनी, काली बाई और अमृता देवी नामक तीन नई महिला बटालियन गठित की गई हैं। इसके अतिरिक्त, 500 कालिका पेट्रोलिंग यूनिट तैनात की गई हैं और महिला हेल्पलाइन 1090 के माध्यम से त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इसके अलावा, गिरफ्तार व्यक्तियों और गुमशुदा लोगों की जानकारी अब पुलिस पोर्टल पर उपलब्ध है। पुलिस का रेस्पॉन्स टाइम सुधारने के लिए 25 इंटरसेप्टर वाहन, 750 मोटरसाइकिलें और 500 मोबाइल यूनिट वाहन प्रदान किए गए हैं। साथ ही, एफएसएल में 123 नए पद सृजित कर जांच की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित की जा रही है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नारायण विहार थाना परिसर का फीता काटकर उद्घाटन किया तथा अन्य थानों का वर्चुअली लोकार्पण किया। कार्यक्रम में स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, सीएलजी सदस्य और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

'राहुल को धमकी देने वाले पर कार्यवाही क्यों नहीं?

नयी दिल्ली, 29 सितम्बर। कांग्रेस ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को जान से मारने की धमकी की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि यह हैरानी की बात है कि भाजपा गांधी को

■ **कांग्रेस पार्टी ने यह सवाल उठाते हुए यह भी कहा कि यह धमकी आवेश में की गई टिप्पणी नहीं बल्कि सोची समझी रणनीति का हिस्सा है।**

जान से मारने की धमकी देने वाले अपने प्रवक्ता के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रही है।

पार्टी ने सोमवार को कहा कि भाजपा प्रवक्ता की यह धमकी अतिश्योक्ति नहीं है, बल्कि सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। गांधी को पहले भी विभिन्न अवसरों पर धमकियां दी जाती रही हैं, लेकिन भाजपा प्रवक्ता की लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी को लाइव टेलीविजन शो पर जान से मारने की यह धमकी उसकी मंशा पर गंभीर सवाल उठाती है।

कांग्रेस ने एक बयान में सवाल किया कि क्या गांधी के खिलाफ कोई बड़ी और भयावह साजिश हो रही है, इसलिए भाजपा जान से मारने की धमकियों की राजनीति का समर्थन करती है। अगर ऐसा नहीं है तो भाजपा को तत्काल अपने प्रवक्ता के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

कांगेस का कहना है कि यह अत्यंत गंभीर मामला है, इसलिए पार्टी नेता के सी वेणुगोपाल ने इस मुद्दे पर गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर प्रवक्ता के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

कैनडा ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग को आतंकवादी संगठन घोषित किया

कैनडा सरकार ने दावा किया कि बिश्नोई गैंग देश में कई गैंग वॉर व हत्याओं में शामिल है

ओटावा, 29 सितंबर। कैनडा ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग को प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया है। इस गैंग पर प्रतिबंध लगाने की मांग बहुत पहले से की जा रही थी। कैनडा का दावा है कि बिश्नोई गैंग उनके देश में कई गैंगवार और हत्याओं में शामिल है। लॉरेंस बिश्नोई गुजरात के साबरमती सेंट्रल जेल में बंद है। कैनडा के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री गैरी आनंदसांगरी ने घोषणा की कि कैनडा ने बिश्नोई गिरोह को देश की आपराधिक संहिता के तहत, आधिकारिक तौर पर आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध किया है। एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में, आनंदसांगरी ने लिखा, "आज हमारी सरकार ने बिश्नोई गिरोह को एक आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध किया है। कैनडा में हिंसा, आतंक और समुदायों को धमकाना कभी बर्दाश्त नहीं

■ **कैनडा के कई राजनेताओं ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग पर प्रतिबंध की माँग की थी। जून में ब्रिटिश कोलम्बिया में प्रधानमंत्री ने तथा जुलाई में अल्बर्टा के प्रधानमंत्री ने इस गैंग पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी।**

किया जाएगा।"

कैनडा के कई राजनेताओं ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग पर प्रतिबंध की मांग की थी। 17 जून को ब्रिटिश कोलंबिया के प्रधानमंत्री डेविड एबी ने कहा, "आतंकवादी घोषित किए जाने से पुलिस को इस गतिविधि की जांच करने और उसे रोकने के लिए आवश्यक उपकरणों का उपयोग करने में मदद मिलती है। इससे पुलिस को महत्वपूर्ण जांच टूल्स मिलते हैं।" जुलाई में, अल्बर्टा के प्रधानमंत्री डैनियल स्मिथ ने भी लॉरेंस बिश्नोई गैंग पर प्रतिबंध की मांग की थी।(कैनडा की अपराध निरोधक राज्य सचिव रूबी सहोता ने कहा कि अगर कोई समूह आतंकवादी समूह होने के पैरामीटर्स पर आधारित है तो उसे बिना कोई देरी किए सूचीबद्ध कर दिया जाएगा।

14 मई को कैनडा के टोरंटो में 51 वर्ष के हरजीत सिंह ढ ड्डा की उनके ऑफिस के पॉर्किंग में हत्या कर दी गई थी। हमलावरों ने हरजीत को गोलियों से छलनी कर दिया था। उनकी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। बाद में बिश्नोई गैंग से जुड़े दो लोगों ने फेसबुक पोस्ट में हरजीत की हत्या की जिम्मेदारी ली थी।

घाटी में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कश्मीर संभाग में जिन सात टूरिस्ट स्पॉट को फिर से खोला गया, उनमें अरु घाटी, राफ्टिंग पॉइंट यान्नर, अक्कड़ पार्क, पादशाही पार्क और कमान पोस्ट शामिल हैं।

इसके अलावा, जम्मू संभाग में भी 5 पर्यटन स्थलों को खोला गया है, जिनमें डगन टॉप (रामबन), धग्गर (कठुआ), शिव गुफा (सालाल, रियासी) शामिल हैं। इससे पहले, जून महीने में प्रशासन ने 16 अन्य पर्यटन स्थलों को भी फिर से खोला था, जिनमें पहलगाम के कुछ हिस्से भी शामिल थे।

पाक अधिकृत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी ने पाकिस्तानी प्रशासन पर आरोप लगाया है कि वह जानबूझकर संचार व्यवस्था ठप कर रहा है, ताकि क्षेत्र को अलग-थलग किया जा सके और सूचना प्रवाह रोका जा सके।

पार्टी ने संयुक्त राष्ट्र, अमेरिका, यूरोपीय संघ और अन्य वैश्विक शक्तियों से अपील की है कि वे हस्तक्षेप करें और 13 मई 2024 जैसी एक और त्रासदी को रोकें, जब मुज़फ्फराबाद में पाकिस्तानी रेंजरों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर गोली चलाई थी, जिसमें तीन नागरिकों की मौत हुई थी, यह मामला अब भी अनसुलझा है।

पार्टी का कहना है कि पाक अधिकृत कश्मीर और गिलगित-बाल्टिस्तान अभी भी राजनीतिक रूप से उपेक्षित क्षेत्र हैं, जहां नागरिकों को बोलने, चलने और स्व-शासन के अधिकार नहीं दिए जाते। यह एक ऐसा आरोप है, जो पाकिस्तान के कश्मीरी आत्मनिर्णय के झूठ को उजागर करता है। यह संकट चीन के रणनीतिक समीकरण को भी जटिल बना सकता है, क्योंकि चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर के कुछ हिस्से गिलगित-बाल्टिस्तान से होकर गुजरते हैं। यदि अस्थिरता बढ़ी, तो इससे निवेश प्रभावित होगा, पाकिस्तान की कमज़ोर अर्थव्यवस्था पर और दबाव पड़ेगा तथा बीजिंग-इस्लामाबाद संबंधों में खटास आ सकती है।

यह संकट महज़ कानून-व्यवस्था का मुद्दा नहीं है - यह पाकिस्तान के कब्ज़े वाले क्षेत्रों में विफल शासन का जनमत संग्रह है। दुनिया देख रही है, और इस्लामाबाद के पास अब सिर्फ दो विकल्प हैं सुधार और संवाद के रास्ते से आगे बढ़ना, या पाक अधिकृत कश्मीर को एक और सुरक्षा संकट में बदल देना।

भारत और वैश्विक समुदाय के लिए संदेश स्पष्ट है कि पाक अधिकृत कश्मीर के सुखी होने का भ्रम टूट चुका है।" अब जो सामने आ रहा है, वह एक ऐसा क्षेत्र है जो अपने बुनियादी अधिकारों की माँग कर रहा है, और ऐसा करते हुए, वह दक्षिण एशिया के राजनीतिक भूगोल को नए सिरे से गढ़ रहा है।

क्रिकेट मैच के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपने रुख के चलते, 1974 में रोडेशिया के खिलाफ डेविस कप टेनिस फाइनल खेलने से भी इनकार कर दिया था। वर्ष1971 में, जब भारत-पाकिस्तान युद्ध अपने चरम पर था, तब भी दोनों देशों के खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शेष विश्व 'रेस्ट ऑफ द वर्ल्ड' टीम का हिस्सा थे। कहा जाता है कि उस समय भारतीय और पाकिस्तानी खिलाड़ी एक ही कमरे में ठहरे थे।

कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि मैदान पर हुआ यह ड्रामा दुर्भाग्यपूर्ण था और मौजूदा रिश्तों को देखते हुए, भारत को पाकिस्तान के खिलाफ खेलने का फैसला नहीं करना चाहिए था।

भारतीय रेल नैटवर्क से जुड़ेगा भूटान

भारत सरकार ने 4 हज़ार करोड़ रूपए की परियोजना को मंजूरी दी

नयी दिल्ली, 29 सितम्बर। भारत ने रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण पड़ोसी देश भूटान को अपने रेलवे नेटवर्क से जोड़ने के लिए सोमवार को कुल चार हजार करोड़ रुपये से अधिक की दो महत्वाकांक्षी रेल-मार्ग परियोजनाओं के निर्माण की घोषणा की।

इसका निर्माण पूरा होने पर भूटान के दो शहर गेलेफू और समत्से क्रमशः असम और पश्चिम बंगाल से सीधे रेलगार्म से जुड़ जायेंगे। इससे दोनों देशों के बीच यात्री और माल परिवहन में भारी सुधार होगा।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि इनमें से पहली परियोजना असम के कोकराझार से भूटान के गेलेफू और दूसरी पश्चिम बंगाल के बनारहाट से समत्से के बीच रेल संपर्क के लिए तैयार की गयी है । उन्होंने बताया कि

■ **रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी और कहा, यह रेलें बिजली से चलेंगी, जिससे पर्यावरण को भी नुकसान नहीं होगा।**

बनारहाट और भूटान के औद्योगिक शहर समत्से के बीच 16 किलोमीटर लम्बी रेलवे लाइन विकसित की जायेगी और यह लाइन भूटान को पहली बार रेल संपर्क से जोड़ेगी।

भूटान के महत्वपूर्ण शहर गेलेफू को कोकराझार से जोड़ने वाला रेल मार्ग करीब 70 किलोमीटर लंबा होगा। इस तरह इन परिजनाओं से भूटान में पहली बार करीब 90 किलोमीटर के रेल मार्ग उपलब्ध होंगे, जो भारतीय रेल-नेटवर्क से जुड़े होंगे।

रेल मंत्री ने कहा कि इन दोनों परियोजनाओं को चार साल में पूरा किया जाएगा और इन पर करीब 4033 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। भूटान के लिए विकसित किये जाने वाली रेलवे लाइनों को वंदेभारत रेल चलाने के अनुकूल बनाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि भूटान के लिए भारत सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और उसका बाहरी दुनिया के साथ अधिकांश व्यापार भारतीय बंदरगाहों और भारत के सड़क मार्गों के माध्यम से होता है। प्रस्तावित रेलवे नेटवर्क के तैयार होने के बाद भूटान की अर्थव्यवस्था को काफी फायदा होगा।

भूटान को जोड़ने वाली रेल लाइनें बिजली से संचालित होंगी है और इस तरह रेल परिचालन से पर्यावरण को कोई नुकसान नहीं होगा।

'गौतम-शिल्पी मर्डर केस में लिप्त थे सम्राट चौधरी'

पटना, 29 सितंबर। "जन सुराज" प्रमुख प्रशांत किशोर ने गौतम-शिल्पी मर्डर केस में बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी की संलिप्ता का आरोप लगाया है। प्रशांत किशोर ने सम्राट चौधरी का नाम लेकर कहा कि बेहतर होगा कि वे खुद इस मामले में अपनी संलिप्ता को लेकर जवाब दे दें। वे अगर ऐसा नहीं करते हैं तो हम लोग अपने अगले प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस मामले से जुड़े साक्ष्य को जारी कर पूरी कहानी बता देंगे। जनसुराज के प्रमुख प्रशांत किशोर ने उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सीबीआई ने बिहार के सबसे चर्चित शिल्पी हत्याकांड में साधु यादव के अलावा, सम्राट चौधरी को भी अभियुक्त बनाया था। सीबीआई की टीम ने सम्राट चौधरी उर्फ राकेश कुमार से लंबी पूछताछ भी की थी। उनका सैंपल भी लिया गया था। लेकिन तत्कालीन लालू- राबड़ी सरकार ने साधु यादव को बचाने के लिए पूरे मामले को रफा दफा कर दिया था। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने आरोपों पर जवाब देते हुए कहा, 1997-1998 में ही मुझे कोर्ट ने बरी किया है। उनके आरोपों में दम नहीं है।

सहयोग पोर्टल पर सुप्रीम कोर्ट में अपील करेगा एक्स

एक्स ने कहा, कर्नाटक हाई कोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे, ताकि "फ्री स्पीच" की रक्षा हो सके

नई दिल्ली, 29 सितंबर। एलन मस्क का सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) भारत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर एक बार फिर विवादों के केन्द्र में आ गया है। कंपनी ने सोमवार को कहा कि वह कर्नाटक हाईकोर्ट के उस फैसले के खिलाफ अपील करेगी, जिसमें सरकार के "सहयोग पोर्टल" को मंजूरी दी गई है। इस पोर्टल के जरिए, देशभर के करीब 20 लाख पुलिस अधिकारियों को कंटेंट हटाने का अधिकार मिल गया है।

एक्स ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, "हम इस आदेश को चुनौती देंगे, ताकि फ्री स्पीच की रक्षा की जा सके।" कंपनी का आरोप है कि सहयोग पोर्टल अधिकारियों को सिर्फ अवैधता के आरोप के आधार पर कंटेंट हटाने का

■ **सहयोग पोर्टल के जरिए देश भर के पुलिस अधिकारियों को अधिकार मिल गया है कि वे कोई भी "कन्टैंट" सोशल मीडिया से हटा सकते हैं।**

आदेश देने का अधिकार देता है। इसमें न तो न्यायिक समीक्षा होती है और न ही प्रभावित यूज़र्स को कोई सुनवाई का मौका मिलता है। इसके अलावा प्लेटफॉर्म पर गैर-अनुपालन करने पर आपराधिक कार्रवाई का खतरा भी रहता है। एक्स और भारत सरकार के बीच कंटेंट हटाने को लेकर यह पहली लड़ाई नहीं है। पहले भी कंपनी कई बार सरकार के आदेशों को सेंसरशिप करार दे चुकी है। एलन मस्क खुद को फ्री स्पीच एब्सोल्यूटिस्ट बताते हैं और कई देशों की सरकारों के साथ कंटेंट मॉडरेशन को लेकर उनका टकराव रहा है।

यह पोर्टल अक्तूबर 2023 में शुरू किया गया था। इसके जरिए अधिकृत अधिकारी सीधे टैक कंपनियों तक कंटेंट हटाने का आदेश भेज सकते हैं। हाईकोर्ट ने हाल ही में इसे वैध करार दिया था, जिसके खिलाफ अब एक्स अपील करेगा।अब अदालतों में होने वाली सुनवाई यह तय करेगी कि भारत में डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर कंटेंट मॉडरेशन और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बीच संतुलन कैसे बनाया जाएगा।

महाराष्ट्र में भारी बारिश, दो दिन में 10 की मौत

मुंबई, 29 सितंबर। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मुंबई और मुंबई उपनगरीय, रायगढ़ , ठाणे और पालघर सहित, चार अन्य जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिनमें अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

यह चेतावनी तटीय महाराष्ट्र में लगातार हो रही बारिश के बीच जारी की गई है, मुंबई में इस मानसून सीजन में 3,000 मिलीमीटर बारिश का आंकड़ा पार हो गया है।

अधिकारियों के अनुसार, 48 घंटों से अधिक समय में पूरे महाराष्ट्र में बारिश से संबंधित घटनाओं में कम से कम दस लोगों की जान चली गई, जबकि देर रात तक बाढ़ प्रभावित इलाकों से 11,800 से अधिक लोगों को बचाया गया है।

राज्य आपदा प्रबंधन विभाग ने बताया कि अकेले नासिक जिले में चार मौतें हुईं, धाराशिव और अहिल्यानगर में दो-दो मौतें हुईं, और जालना और यवतमाल जिलों में एक-एक मौत हुई।

चीन खुले दिल और मुक्त हाथों से डॉक्टर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शिक्षित वैज्ञानिक पहले से ही चीन लौट रहे थे और यह एक मजबूत और शायद "अपरिवर्तनीय" प्रवृत्ति थी।

स्वदेशी विज्ञान और प्रौद्योगिकी आधार विकसित करने की पहल कोई और नहीं बल्कि स्वयं चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा निरंतर की जा रही है। वे लंबे समय से चीनी वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित और सम्मानित करते आ रहे हैं। हाल ही में एक सैन्य प्रदर्शनी में चीन ने जिस अत्याधुनिक तकनीक और हाई-टेक रक्षा उत्पादों का प्रदर्शन किया, वह तो बस शुरुआत भर है।

असल में, चीन के पास ऐसे नतीजे पाने के दो बड़े कारण हैं। पहला, देश में उच्चतम स्तर पर स्वदेशी विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकसित करने की राजनीतिक प्रतिबद्धता। कहा जाता है कि "किसी राष्ट्र की तरक्की उसकी विज्ञान और प्रौद्योगिकी की प्रगति से होती है।"

ऐसे समय में, जबकि अमेरिका विदेशी प्रतिभाओं के प्रवेश पर रोक लगाने के लिए सख्त वीज़ा नियम लागू कर रहा है, तब चीन प्रमुख और युवा वैज्ञानिकों व तकनीकी विशेषज्ञों के लिए "के" वीज़ा नाम का नया वीज़ा प्रोग्राम ला रहा है।

दूसरा, चीन के पास इतना बड़ा कोष है कि वह विज्ञान और अनुसंधान को प्रोत्साहन देने के लिए ऐसे क्षेत्रों में भी निवेश कर सकता है जिनका तुरंत कोई उपयोग न हो, लेकिन भविष्य में बड़ा लाभ हो सकता है। चीनी संस्थान और शोध निकाय आर्टिफिशल इन्टैलिजैंस, रोबोटिक्स और नेटवर्क सुरक्षा जैसे क्षेत्रों के शीर्ष विशेषज्ञों को आमंत्रित कर रहे हैं और उन्हें लगभग पाँच लाख डॉलर तक के पैकेज दे रहे हैं। शीर्ष स्तर से मिले इन साफ निर्देशों के साथ चीन, ट्रम्प प्रशासन की सख्ती और एन्टी-इमिग्रेशन माहौल में फंसे प्रतिभाशाली लोगों को आकर्षक पद और सुविधाएं देकर लुभाने की कोशिश कर रहा है। एच-1बी वीज़ा पर ऊंची फीस लगाने की डॉनल्ड ट्रम्प की "अदूरदर्शी" नीति ने उच्च प्रतिभाओं, मुख्य रूप से वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और गणितज्ञों, में डर पैदा कर दिया है, जिन्हें अब प्रतिद्वंदी देश अपने यहां बुलाने की कोशिश कर रहे हैं।

ऐसे हालात में ट्रम्प प्रशासन की कार्रवाइयों पर सिर्फ शिकायत करने के बजाय भारत को युद्धस्तर पर पूरी स्थिति की समीक्षा करनी चाहिए और ऐसे प्रतिभाशाली लोगों को आकर्षित करने के लिए योजनाएं और धन उपलब्ध कराना चाहिए, अगर वे अमेरिका से बाहर आने का सोचते हैं। क्योंकि इस शीर्ष प्रतिभा को आकर्षित करने की होड़ बेहद प्रतिस्पर्धी और महंगी भी हो सकती है। पहले से ही अमेरिका का उत्तरी पड़ोसी देश कैनडा सक्रिय हो चुका है। कैनडा के नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने इस सप्ताह वॉशिंगटन में काउन्सिल ऑन फॉरेन रिलेशन्स के सामने कहा कि अमेरिका के वीज़ा नियमों में बदलाव पर उनकी नज़र है। उन्होंने कहा, "शायद हम उनमें से कुछ को अपने यहां ला सकें।"

कार्नी, वीज़ा परिवर्तनों से प्रभावित लोगों के लिए कैनडा को एक स्वाभाविक विकल्प के रूप में पेश कर रहे हैं, जहाँ वे अपनी परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए नया कर व जगह पा सकते हैं। देश में अनेक विश्वस्तरीय संस्थान और शोध संगठन हैं जो ऐसे प्रतिभाशाली लोगों का स्वागत करने के लिए तैयार हैं।

जर्मनी भी ऐसा ही कर रहा है और उसे उम्मीद है कि अमेरिका से निकले शीर्ष प्रतिभाशाली लोग उसके देश को विकल्प के रूप में देखेंगे। भारत में जर्मन राजदूत विशेष रूप से इस बात की सराहना करते हैं कि भारतीयों ने सिलिकॉन वैली की कंपनियों और व्यापक रूप से शोध संस्थानों, विश्वविद्यालयों और अन्य जगहों के विकास में बड़ी भूमिका निभाई है।

जो देश अब शीर्ष प्रतिभाओं को पाने की होड़ में हैं, उनमें सबसे बड़ा आकर्षण बनकर जो देश उभर रहा है वो है चीन। इसकी वजह यह है कि चीन के पास पैसा है और पूरे देश में संस्थानों का ऐसा जाल है जो वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और एसटीईएम (स्टैम) क्षेत्र के लोगों को जगह दे सकता है।

चीन मुख्य रूप से प्रवासी चीनी नागरिकों को निशाना बना रहा है, लेकिन वह अन्य देशों के विशेषज्ञों का भी उतना ही स्वागत करता है। चीन, खासतौर पर रक्षा और सैन्य एप्लिकेशन्स में, अपने तकनीकी आधार को विकसित करने में अत्यधिक तेजी से आगे बढ़ रहा है।

तथापि, अगर भारत अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में एक खिलाड़ी, एक प्रमुख अर्थव्यवस्था और सबसे बढ़कर नवाचार और विकास के केन्द्र के रूप में बना रहना चाहता है, तो इसके अलावा कोई विकल्प नहीं है। चीन ने समझ लिया है कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी किसी भी देश की प्रगति की असली ताकत है और उसने शीर्ष प्रतिभाओं को आकर्षित करने और इसके लिए संस्थागत ढांचा तैयार करने की योजनाएं बना ली हैं।

सौभाग्य से भारत के पास उच्च विज्ञान संस्थानों की अच्छी श्रृंखला है। भारत के पास इस समय उच्च विज्ञान और इंजीनियरिंग के शोध प्रोजेक्ट्स को फंड करने के लिए पैसा भी है। इन्हें तकनीक और क्षमता के तेज विकास को बढ़ावा देने में इस्तेमाल किया जा सकता है। यह सच है कि पहले से मौजूद एक मजबूत ढांचे के साथ विदेश से आने वालों को समायोजित करना कठिन हो सकता है, लेकिन नए पदों पर इन्हें लाकर व्यवस्था में शामिल किया जा सकता है।

किसी भी हाल में, ट्रम्प की इस कठोर नीति से बाहर हुए प्रतिभाशाली लोगों को समाहित करने के लिए भारत को अब संरचनाएं विकसित करने की शुरुआत करनी ही चाहिए। कम से कम नए और युवा प्रतिभाशाली लोगों को तो यहीं रोकने की कोशिश की जा सकती है, ताकि वे सपनों की किसी दूसरी धरती की ओर भागने के बजाय अपने ही देश में बने रहें।

मोदी ने दिल्ली भाजपा कार्यालय का उद्घाटन किया

नयी दिल्ली, 29 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को दिल्ली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नये कार्यालय का उद्घाटन किया। इसके साथ ही, दिल्ली भाजपा को राजधानी के दीन दयाल उपाध्याय मार्ग पर स्थायी कार्यालय मिल गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर दिल्ली के 14 जिलों के भाजपा कार्यालयों का भी रिमोट दबाकर उद्घाटन किया। मोदी ने इस अवसर पर कार्यकर्ताओं से कहा कि भाजपा कार्यालय किसी मंदिर और देवालय से कम नहीं हैं।

उन्होंने इस अवसर पर कार्यकर्ताओं से आव्हान किया कि भाजपा कार्यालय जनता की आकांक्षाओं और उम्मीदों का केन्द्र बनें, इसके लिए आप सभी का यही प्रयास होना चाहिए कि यहां आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की समस्याओं का समाधान हो।

मोदी ने कहा कि दिल्ली भाजपा के नए कार्यालय की पहचान यहां की सुविधाओं से नहीं बल्कि जनसुनवाई और जन सेवा से होनी चाहिए, यह बात हम सभी को हमेशा याद रखनी होगी।

अडानी को प्रॉपर्टीज़ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आवेदन में कहा गया, "24,030 करोड़ की कुल मूल राशि में से, सहारा समूह ने लगभग 16,000 करोड़ की राशि वसूल की है और इसे उपरोक्त खाते में जमा किया है।"

सेबी द्वारा सहारा समूह की संपत्तियों को बेचने में असफलता की ओर इशारा करते हुए, एसआईसीसीएल ने कहा कि रिफंड खाते में जमा की गई पूरी राशि केवल सहारा समूह के प्रयासों से ही एकत्र की गई। एसआईसीसीएल ने आगे बताया कि नवंबर 2023 में सहारा समूह के प्रमुख सुब्रत रॉय के निधन के बाद, समूह ने अपना एकमात्र निर्णय लेने वाला व्यक्ति खो दिया। परिवार के सदस्य अब दैनिक व्यावसायिक संचालन में शामिल नहीं हैं और वे निवेशकों के हितों की रक्षा करना चाहते हैं। याचिका में कहा गया कि यह निर्णय सभी हितधारकों के हित में लिया गया है, ताकि उनके दावे उचित रूप से संतुष्ट किए जा सकें और उन्हें अधिकतम मूल्य प्राप्त हो सके। हालांकि, बाजार की मौजूदा स्थिति और उपयुक्त खरीदारों की अनुपस्थिति के कारण प्रयासों को सफलता नहीं मिल पायी है। इन प्रयासों को उस समय और भी जटिल बना दिया गया, जब कई जांच एजेंसियों ने सुब्रत रॉय के परिवार के सदस्यों और समूह के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ जांच शुरू कर दी। 6 सितंबर की टर्म शीट के तहत 88 संपत्तियों की बिक्री को लेकर अदालत से अनुमति मांगते हुए समूह ने कहा कि प्रस्तावित सौदा एक महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है, जिससे समूह द्वारा अदालत के आदेशों के तहत निभाई जाने वाली वित्तीय जिम्मेदारियों का पालन सुनिश्चित हो सकेगा।

प्र.मंत्री मोदी ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

योगदान दिया है। रूपा पब्लिकेशन की ओर से प्रकाशित इस आत्मकथा का विमोचन सात अक्टूबर को किया जायेगा। इटली की प्रधानमंत्री ने इस आत्मकथा में अपनी कहानी अपने शब्दों में साझा करते हुए बताया है कि कैसे उन्होंने गारबेटेला में मजदूरों की बस्ती में अपना बचपन गुजारने से लेकर इटली की प्रधानमंत्री बनने तक का कठिन सफर तय किया है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908